राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

किर्गिस्तान की राजधानी में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हाथ मिलाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

• बोकारो, मंगलवार 1 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 107 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड के 6722 बूथों पर नहीं जुड़ा एक भी नया वोटर, सीइओ ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद नये और युवा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मतदान केंद्रवार फॉर्म-6 की स्थिति की समीक्षा करते हुए पाया कि राज्य के 6,722 मतदान केंद्र ऐसे हैं जहां अब तक एक भी फॉर्म-6 प्राप्त नहीं हुआ है। इसे उन्होंने गंभीर विषय बताते हुए संबंधित जिलों को विशेष समीक्षा करने का निर्देश दिया है। जिलावार समीक्षा में रांची की स्थिति सबसे खराब है। यहां के 1,209 मतदान केंद्रों पर अब तक एक भी फॉर्म-6 नहीं मिला है। इसके बाद पलामू में 592, हजारीबाग में 572, गिरिडीह में 416 और धनबाद में 392 मतदान केंद्र ऐसे हैं जहां नये मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए कोई आवेदन नहीं आया है। वहीं एक से पांच फॉर्म-6 प्राप्त होनेवाले मतदान केंद्रों की संख्या भी काफी अधिक है। धनबाद में ऐसे 1243, गिरिडीह में 1072, रांची में 981, पलामू में 936 और हजारीबाग में 814 मतदान केंद्र हैं। सीइओ ने इन आंकड़ों को देखते हुए संबंधित जिलों के निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदान केंद्रवार स्थिति की गहन समीक्षा करने को कहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इतनी बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर फॉर्म-6 नहीं मिलने को गंभीरता से लिया है। उन्होंने अधिकारियों को बूथवार समीक्षा कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। एसआइआर के तहत पांच अगस्त 2026 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया गया है। इसके बाद नये पात्र मतदाताओं से फॉर्म-6 और निर्धारित घोषणा-पत्र के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन लिये जा रहे हैं। एक अक्तूबर 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके या करने वाले सभी पात्र भारतीय नागरिकों का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाना है। एसआइआर के तहत फॉर्म-6 के माध्यम से नाम जोड़ने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा आम चुनाव 2024 के बाद करीब दो वर्ष की अवधि बीत चुकी है। राज्य में मतदाताओं की संख्या में प्रतिवर्ष करीब चार प्रतिशत की वृद्धि दर को देखते हुए प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसतन करीब 60 फॉर्म-6 प्राप्त होने का अनुमान है। ऐसे में बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर शून्य अथवा बेहद कम आवेदन मिलना चिंता का विषय है। के रवि कुमार ने कहा कि एसआइआर के तहत मतदाता सूची में किया गया पंजीकरण भविष्य के

लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे संबंधित अभिलेखों का स्थायी दस्तावेज के रूप में संधारण किया जाता है। इसलिए फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र के प्राप्त होने से लेकर डिजिटाइजेशन और नियमानुसार निष्पादन तक पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाये। सीइओ ने बीएलओ को होम-टू-रोल सत्यापन के दौरान घर-घर जाकर नये और युवा पात्र नागरिकों की पहचान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में पंजीकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र प्राप्त कर उनका समयबद्ध डिजिटाइजेशन भी सुनिश्चित किया जाये। स्कूलों और कॉलेजों में भी विशेष अभियान चलाकर 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता पंजीकरण के लिए प्रेरित करने को कहा गया है। युवाओं को ईसीआइ नेट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की जानकारी भी दी जायेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए दूसरे के खतियान से बनायी गयी फर्जी वंशावली या प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करने वालों पर अब कानूनी कार्रवाई हो सकती है। चुनाव आयोग फर्जी वंशावली को 'महज सामान्य दस्तावेजी गड़बड़ी' नहीं मान रहा है। वंशावली का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की पहचान, पारिवारिक संबंध और पुराने रिकॉर्ड से उसका संबंध साबित करने के लिए किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर गलत वंशावली तैयार कराकर उसके आधार पर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल कराने का प्रयास करता है, तो यह 'चुनावी रिकॉर्ड में गलत सूचना देने' की श्रेणी में आ सकता है। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि दूसरे व्यक्ति के वंशज के साथ गैर-पारिवारिक व्यक्ति को अपनी वंशावली या खतियान के वंशज के रूप में शामिल नहीं करें। ऐसा करना दंडनीय अपराध है। वहीं विदेशी नागरिक का नाम जोड़ने का प्रयास भी अपराध है। उन्होंने बताया कि आयोग को फर्जी वंशावली बनाने से संबंधित शिकायतें मिली हैं। सूचना है कि कुछ मामलों में दूसरे लोगों की वंशावली में नाम जोड़कर फर्जी वंशावली तैयार कराने और उसके आधार पर जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र आदि बनवाने का प्रयास किया जा रहा है। एसआइआर में वंशावली और पुराने दस्तावेजों के आधार पर मतदाता के पारिवारिक संबंधों की जानकारी का इस्तेमाल सत्यापन में किया जा रहा है। ऐसे में फर्जी दस्तावेज के जरिये किसी व्यक्ति को परिवार का सदस्य या वंशज साबित करने की कोशिश चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। मतदाता सूची में केवल पात्र व्यक्ति का ही नाम दर्ज होना चाहिए। लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 की धारा-16 के अनुसार भारत का नागरिक नहीं होनेवाला व्यक्ति मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए अयोग्य है। इसके अलावा मतदाता सूची तैयार करने या उसमें नाम जोड़ने के लिए गलत घोषणा अथवा गलत जानकारी देने पर इसी अधिनियम की धारा-31 लागू हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

रांची(नबिटा ब्यूरो)। हटिया के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित विकास नगर रोड नंबर-2, दिव्या एन्क्लेव में सोमवार को 28 वर्षीय महिला ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मीनू कुमारी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद जगन्नाथपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब बिनोद बिहारी कोयलांचल विश्वविद्यालय के सामने सड़क किनारे एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतारकर कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। मृतक की पहचान ठाकुरकुल्ही स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के समीप रहने वाले 26 वर्षीय राकेश कुमार वर्मा उर्फ आकाश वर्मा के रूप में हुई है।

पुल के नीचे मिला शव, पुलिस जांच जारी

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। राजपुर थाना क्षेत्र के गड़िया गांव में सोमवार सुबह निर्माणाधीन स्वास्थ्य केंद्र के समीप पुल के नीचे 36 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतक की पहचान गड़िया गांव निवासी विजय यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि विजय की कहीं और हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को पुल के नीचे लाकर फेंका गया है।

चतरा सदर थाने में घूस मांगने का वीडियो वायरल

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। थाना परिसर में फरियादी से आवेदन लिखने के नाम पर पैसे मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में एक पीड़ित व्यक्ति थाना पहुंचकर अपना आवेदन लिखवाने का आग्रह करता दिखाई दे रहा है।

कंटेनर के धक्के से बुजुर्ग की मौत

जमाताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। दुर्घटना गोविंदपुर-साहिबगंज हाइवे पर खरखोकुंडी के समीप हुई। मृतक की पहचान खरखोकुंडी गांव निवासी हेमन रजक के रूप में हुई है।

सोन नदी से जल बंटवारे को लेकर बिहार-झारखंड का विवाद समाप्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को नई दिल्ली में बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के वर्षों से लंबित जल बंटवारे के विवाद का समाधान हो गया। इस संबंध में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहमति जताते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया। समझौते के अनुसार 7.75 मिलियन एकड़ फीट पानी में से बिहार को 5.75 एमएएफ और 2 एमएएफ पानी झारखंड को मिलेगा। दरअसल, सोन नदी के जल बंटवारे की कहानी 1973 से शुरू होती है। तब बाणसागर परियोजना के तहत मध्य

प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अविभाजित बिहार के बीच समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत संयुक्त बिहार को कुल 7.75 मिलियन एकड़ फीट पानी आवंटित किया गया था तब झारखंड बिहार का ही हिस्सा था। इसलिए पूरा हिस्सा बिहार के नाम पर था। लेकिन बिहार के झारखंड से अलग होते ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया जो करीब ढाई दशक तक बदस्तूर चलता रहा। साल 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड नया राज्य बना तो इसके बाद झारखंड ने सोन नदी के पानी में अपनी हिस्सेदारी की मांग शुरू कर दी। झारखंड का तर्क था कि सोन नदी का उद्गम और बड़ा कैचमेंट उसके क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए। वहीं बिहार 1973 के समझौते का हवाला देकर पूरा 7.75 एमएएफ पानी अपने पास रखना चाहता था। इसी वजह से बिहार की महत्वाकांक्षी इंद्रपुरी जलाशय परियोजना पर झारखंड एनओसी नहीं दे रहा था और परियोजना 53 साल से लटकी हुई थी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस समझौते को बिहार के किसानों और राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। अब इस मुद्दे पर दोनों राज्यों के बीच सहमति बन गई है। सम्राट चौधरी ने बताया कि नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में एक बैठक हुई। इसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे। इसी बैठक में सोन नदी के जल बंटवारे से जुड़े पुराने विवाद को लेकर सहमति बनी।

पहाड़ी नदी के तेज बहाव में बहे ग्रामीण, दो का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। सारंडा के बहदा गांव में रविवार की शाम कुइली पहाड़ी नदी अचानक काल बन गई। अंतिम संस्कार से लौट रहे कुछ ग्रामीण तेज जलधारा की चपेट में आकर नदी में बह गए। हादसे के बाद शुरू किए तलाशी अभियान में देर रात दो लोगों के शव बरामद कर लिए गए। वहीं लापता की तलाश जारी है। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव के लोग अपने स्तर पर खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद रोया सिद्धू की मां का शव घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर नदी किनारे झाड़ियों में फंसा मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। इसके बाद भी तलाश जारी रखी गई और कुछ समय बाद रोया सिद्धू के पिता बोसेन सिद्धू का शव भी बरामद कर लिया गया। हादसे में बामिया सिद्धू की पत्नी सुनीता सिद्धू भी नदी की तेज धारा में बह गई थी। काफी देर तक खोजबीन के बावजूद उनका पता नहीं चल पाया। सुनीता की तलाश के लिए छोटानागरा थाना प्रभारी गौतम कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने नदी के आसपास संभावित स्थानों पर खोजबीन की। तलाशी अभियान के दौरान रात होने के कारण दृश्यता काफी कम हो गई थी। इसके अलावा कुइली नदी में पानी का बहाव तेज था और इलाके में बारिश भी हो रही थी। ऐसे में नदी में उतरकर तलाश करना बेहद जोखिम भरा रहा। बावजूद पुलिस और ग्रामीणों ने देर रात तक अभियान जारी रखा। ग्रामीणों के मुताबिक सभी रविवार को गांव में एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। लौटते सयय सभी कुइली नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी क्षेत्र से अचानक पानी का तेज बहाव नीचे की ओर आया। देखते ही देखते नदी का जलस्तर बढ़ गया और धारा इतनी तेज हो गई कि सभी ग्रामीण संभल नहीं सके। मौसम और नदी की स्थिति को देखते हुए तलाश अभियान को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

छह वांटेड नक्सलियों के पोस्टर जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। भाकपा माओवादी से जुड़े छह वांछित नक्सलियों की सूची और पोस्टर पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने जारी किए हैं। इन पोस्टरों में वांछित नक्सलियों के नाम, तस्वीर और उन पर घोषित इनाम की राशि दर्ज है। पुलिस की ओर से इन पोस्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक जगहों पर लगाया जा रहा है ताकि आम लोगों तक इनकी जानकारी पहुंच सके। पुलिस की सूची में सबसे ज्यादा एक करोड़ रुपये का इनाम असीम मंडल उर्फ आकाश पर घोषित है। पुलिस के अनुसार असीम मंडल की पहचान तिमिर और मनोज नाम से भी होने की जानकारी है। वहीं राम प्रसाद मार्डी उर्फ महाराज और सचिन पर 15 लाख रुपये, मीता उर्फ नयनतारा, घुमो और पोरी पर 10 लाख रुपये, मंगल सिंह सरदार उर्फ मंगल महतो पर पांच लाख रुपये, मालती मुर्मू पर दो लाख रुपये और बुलु महतो उर्फ गीती पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस के मुताबिक इन सभी के झारखंड और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में छिपे होने की आशंका है। ये विभिन्न नक्सली घटनाओं में वांछित बताए गए हैं। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि सूची में शामिल किसी भी वांछित व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिलती है तो बिना देर किए पुलिस को सूचना दें। पुलिस का कहना है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और नियमानुसार पुरस्कार भी दिया जाएगा। इसके लिए पुलिस ने पोस्टर में वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित थाना प्रभारियों के संपर्क नंबर भी जारी किए हैं।

चेन स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले की तिसरी थाना पुलिस ने चेन स्नैचिंग करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार चारों एक ही परिवार के सदस्य हैं। आरोपियों को बिहार के नवादा जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर जमामो माता मंदिर से चोरी की गई सोने की चेन, सोने का लॉकेट और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह का आपराधिक इतिहास भी रहा है। बिहार में चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने की बात सामने आयी है। खोरीमहुआ एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार ने बताया कि 29 अगस्त को तिसरी थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध

जमामो माता मंदिर में दो महिला श्रद्धालुओं के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हुई थी। एक महिला के गले से सोने की चेन और दूसरी महिला के गले से सोने का लॉकेट चोरी कर लिया गया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार चारों आरोपी एक ही परिवार से जुड़े हैं। इनमें मां, बेटा, बहू और चचेरी बहन शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में टिंकल मिश्रा, पिता विक्की मिश्रा, सरिता देवी, पति विक्की मिश्रा और मुस्कान देवी, पति टिंकल मिश्रा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का पूर्व आपराधिक इतिहास भी रहा है और बिहार में चेन स्नैचिंग की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जानकारी मिली है। गिरोह के उद्भेदन में एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर रोहित महतो, थाना प्रभारी शंभू नन्द ईश्वर, एसआई लव कुमार, एएसआई मो. मूसा, निरंजन राय, नीरज कुमार सिंह, राहुल यादव और मीना मुर्मू की भूमिका सराहनीय रही।

नेपाल में लापता हुए रांची के इंजीनियर दंपति

रांची(नबिटा ब्यूरो)। रांची के हिनू निवासी इंजीनियर दंपति अंकित रंजन और उनकी पत्नी अंकिता चंद्रा नेपाल घूमने गये थे। वहां से दोनों लापता हो गये हैं। वर्तमान में अंकित रंजन यूके की नागरिकता ले चुके हैं। वह जेपी मॉर्गन कंपनी में इंजीनियर हैं। उनकी पत्नी भी यूके में ही इंजीनियर हैं। दोनों यूके से ही नेपाल घूमने गये थे। अंकित रंजन और उनकी पत्नी 26 अगस्त की सुबह करीब आठ बजे दस्तावेज बनाने को लेकर नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर स्थित रसुवागढ़ी इमिग्रेशन सेंटर पहुंचे थे। यह जानकारी अंकित रंजन के छोटे भाई तनय रंजन ने दी है। तनय रंजन ने बताया कि बड़े भाई अंकित रंजन से उनकी उसी समय आखिरी बार बात हुई थी। इसके बाद से दोनों का कोई पता नहीं चल रहा है। परिजनों के अनुसार दोनों के लापता होने के बाद उनकी तलाश की जा रही है।

भारी बारिश में टूटा लातेहार का बर बांध

सौ एकड़ से अधिक भूमि में लगी धान की फसल बर्बाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले के कई प्रखंडों में हुई बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भारी बारिश के कारण लातेहार सदर प्रखंड की तरवाडीह पंचायत में स्थित गुरगु गांव का बरबांध टूट गया। इससे 100 एकड़ से ज्यादा जमीन पर लगी धान की फसल और खेत बर्बाद हो गए। इस अचानक आई आपदा ने किसानों की कमर तोड़ दी है। गुरगु गांव का बरबांध स्थानीय किसानों के लिए सिंचाई का एक अहम साधन था जिससे इसके नीचे स्थित सैकड़ों एकड़ खेतों को पानी मिलता था। रविवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद बांध में पानी का दबाव बहुत बढ़ गया जिससे बांध का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया। इसके बाद देखते ही देखते बांध के पानी के साथ बहकर आए बालू ने खेतों में लगी फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। बांध टूटने के बाद पानी का बहाव इतना तेज था कि दो किलोमीटर दूर तक के खेतों में बालू जमा हो गया जिससे किसानों को भारी नुकसान

हुआ। स्थानीय किसान बिंदेश्वर यादव ने बताया कि ग्रामीण साल भर रबी और खरीफ दोनों फसलें उगाने के लिए इसी बांध पर निर्भर थे लेकिन बांध के टूटने से न सिर्फ उनकी खरीफ की फसलें बर्बाद हुईं बल्कि खेत भी खराब हो गए। उन्होंने बताया कि खेतों में अब बालू भर गया है जिससे अब खेती करना मुश्किल लग रहा है। एक अन्य स्थानीय किसान, दीपक यादव ने बताया कि बारिश के बाद अचानक बांध टूट गया और खेतों में बालू भर गया। किसान गुना यादव ने बताया कि बांध टूटने के बाद 100 एकड़ से ज्यादा भूमि पर लगी फसलें बर्बाद हो गईं। इधर बांध टूटने की सूचना मिलने के बाद सदर प्रखंड के उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। यहां के हालात देखकर वह हतप्रभ रह गए। उप प्रमुख ने बताया कि बांध टूटने से जैसी स्थिति बनी हुई है उससे स्पष्ट है कि कम से कम 100 एकड़ भूमि में लगी धान की फसल नष्ट हो गयी है। उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों में भी बालू भर गया है जिससे फसल के साथ-साथ खेत भी बर्बाद हो गए। उन्होंने कहा कि मामले की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही है। जल्द ही किसानों को नुकसान से संबंधित मुआवजा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस के जिला प्रवक्ता पंकज तिवारी ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और किसानों को मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया।

बटाने नदी से 36 घंटे बाद दूसरे युवक का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में बटाने नदी में डूबे तीन दोस्तों में से एक और का शव बरामद कर लिया गया है। ये तीनों दोस्त शनिवार शाम को डूब गए थे, वे सभी बिहार के औरंगाबाद ज़िले के मिनी बिगहा गांव के रहने वाले थे। शनिवार को ही राजेंद्र साव नाम के एक युवक को बाहर निकाला लिया गया। वहीं रविवार को दूसरे दोस्त रितिक का बटाने पुल के पास शव बरामद हुआ था जबकि तीसरे दोस्त टेनी का सोमवार को हरिहरगंज के सियरभूंका के इलाके में बटाने नदी से शव बरामद हुआ जिसकी पहचान टेनी के रूप में हुई है। घटना के बाद पलामू पुलिस ने रविवार को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को पूरे मामले की जानकारी दी थी। एनडीआरएफ की टीम सोमवार को मौके पर पहुंची और तीसरे दोस्त का शव बटाने नदी से बाहर निकाला। हरिहरगंज के थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि बटाने नदी से एक और शव को बरामद किया गया है। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बता दें कि शनिवार को राजेंद्र, रितिक और टेनी पिकनिक मनाने के लिए पलामू के हरिहरगंज के बटाने नदी पहुंचे थे। तीनों नदी में नहाने के लिए उतरे थे और इस दौरान तीनों डूब गए। ग्रामीणों ने राजेंद्र को बेहोशी की हालत में नदी से बाहर निकाला था और पुलिस की मदद से इलाज के लिए भेजा गया था। बाद में राजेंद्र को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। राजेंद्र की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है।

C M Y K

गिरिडीह में स्ट्रीट फूड वेंडर्स का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के स्ट्रीट फूड वेंडर्स को स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य पदार्थों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से सोमवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया, खाद्य सुरक्षा विभाग, नेस्ले इंडिया और गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर के पहले दिन करीब 100 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रतिभागियों को किट और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। गिरिडीह सदर के फूड ऑफिसर सुधीर रंजन ने विक्रेताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन तैयार करने, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्ट्रीट फूड वेंडर्स को निःशुल्क फूड लाइसेंस उपलब्ध कराया जाएगा।वहीं, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया की ओर से पहुंचे दीपक ने विक्रेताओं को खाद्य स्वच्छता के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा टार्जन, सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार सागर, सचिव अफगान उर्फ बबलू, मोहम्मद एहतराम, शक्ति कुमार साह, मोहम्मद इरफान अली, मोहम्मद समीर, शहादत हुसैन, पवन कुमार, मोहम्मद इकबाल, धीरज कुमार, आलोक चौरसिया, कालिदास, गोविंद दास, वसीम अहमद और मोहम्मद अली हसन समेत अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।आयोजकों ने बताया कि 1 सितंबर को प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन भी स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए सभी विक्रेताओं से शिविर में शामिल होने की अपील की गई है।

आहर में नहाने गए सगे भाई-बहन की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के मुनकेरी गांव के परवाटांड़ टोला में सोमवार को दर्दनाक हादसे में सगे भाई-बहन की आहर में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान रहमत अली की पुत्री सना परवीन (10) और पुत्र मो. अवैस रजा (9) के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों बच्चे पिता के साथ खेत गए थे। खेलते-खेलते वे पास के आहर में नहाने चले गए। बारिश के कारण आहर में पानी अधिक था। नहाने के दौरान पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में चले गए। शोर सुनकर ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम पसरा है।

डॉ. केदार सिंह के अवकाश ग्रहण पर भावुक हुआ हिंदी विभाग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के हिंदी विभाग में सोमवार को विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. केदार सिंह के अवकाश ग्रहण सह सम्मान समारोह का भावपूर्ण आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों,

शोधार्थियों, सहकर्मियों एवं परिवारजनों ने डॉ. केदार सिंह को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके लंबे शैक्षणिक जीवन और योगदान को याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद हिंदी विभाग की छात्राओं ने मनोहारी गणेश वंदना एवं नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को मंगलमय बना दिया। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. केदार सिंह ने कहा कि वह आज भी स्वयं को विद्यार्थी मानते हैं और निरंतर अध्ययन करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन पर्यंत अध्ययन करने वाला व्यक्ति ही सच्चा शिक्षक होता है। अपने शिक्षक जीवन के सफल निर्वहन के लिए उन्होंने माता-पिता, सहयोगियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. केदार सिंह के गुरु प्रो. डॉ. नागेश्वर सिंह ने अपने शिष्य के प्रति भावपूर्ण उद्गार व्यक्त करते हुए कहा, ह्लऐसा शिष्य पाकर मैं धन्य हुआ।ह्व उनके संबोधन ने समारोह में गुरु-शिष्य परंपरा की आत्मीयता को और गहरा कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि ह्लहिंदी विभाग का यह सौभाग्य है कि डॉ. केदार सिंह जैसे शिक्षक इस विभाग का हिस्सा रहे हैं।ह्व उन्होंने डॉ. केदार सिंह के अकादमिक योगदान एवं विभाग के प्रति उनकी सेवाओं को स्मरण करते हुए उनके सुखद एवं स्वस्थ भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने अपने प्रिय शिक्षक के साथ बिताए अनुभव और संस्मरण साझा किए। विद्यार्थियों ने उनके सरल एवं प्रभावी अध्यापन, स्नेह, अनुशासन और मार्गदर्शन को याद किया। वहीं सहकर्मियों एवं मित्रों ने भी उनके व्यक्तित्व और शैक्षणिक योगदान से जुड़े संस्मरण साझा किए। कई वक्ताओं के संस्मरणों ने समारोह को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता, संकायाध्यक्ष डॉ. सैयद जैन-उल-हक, हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुनील दूबे एवं डॉ. राजू राम, डॉ. विनोद रंजन, भूगोल विभाग के डॉ. सरोज सिंह, पूर्व प्राध्यापक वासुदेव नंदन प्रसाद सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मर्सी हॉस्पिटल रॉयल सुंदरम के साथ हुआ एम्पैनलमेंट, मरीजों को मिलेगा कैशलेस इलाज

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मर्सी हॉस्पिटल गिरिडीह को रॉयल सुंदरम जनरल इंश्योरेंस के साथ एम्पैनल किया गया है। इस एम्पैनलमेंट के बाद रॉयल सुंदरम से जुड़े बीमित मरीजों को मर्सी हॉस्पिटल में कैशलेस उपचार की सुविधा मिल सकेगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अब रॉयल सुंदरम के पात्र मरीजों को इलाज के दौरान तत्काल भुगतान की परेशानी से राहत मिलेगी। मरीजों को बीमा पॉलिसी के निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के तहत कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मर्सी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. परम हंस मिश्रा ने इस सुविधा की जानकारी साझा करते हुए कहा कि अस्पताल मरीजों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। रॉयल सुंदरम के साथ यह एम्पैनलमेंट गिरिडीह और आसपास के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा।

घर से भटके तीन मासूमों के लिए फरिश्ता बना आरपीएफ

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कटिहार रेलवे स्टेशन पर अपनों से बिछड़े और घर से भटके बच्चों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की मुहिम लगातार जारी है। इसी कड़ी में ह्यऑपरेशन नन्हे फरिश्तेह्व के तहत आरपीएफ पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ के अधिकारियों व जवानों ने रविवार को अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग बच्चियों समेत तीन बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल दार्जिलिंग की रहने वाली खुशी (14) और शाबाना(16) बिना अपने माता-पिता की जानकारी के घर से निकल गई थीं। दोनों को कटिहार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने सुरक्षित बरामद कर लिया। इस अभियान के दौरान आरपीएफ जवानों ने अररिया निवासी कुमार सत्यम (10) को भी रेस्क्यू किया। आरपीएफ द्वारा तीनों बच्चों को सुरक्षित अपने संरक्षण में लेने के बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी कर उन्हें कटिहार चाइल्डलाइन को सुपुर्द कर दिया। अब अग्रिम कार्यवाही करते हुए चाइल्डलाइन द्वारा बच्चों के पुनर्वास तथा उनके परिजनों से संपर्क कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने की प्रक्रिया की जा रही है। आरपीएफ की ह्यऑपरेशन नन्हे फरिश्तेह्व के तहत लगातार चल रहे अभियान से कई बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाने में सफलता हासिल किया है।

तीन दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा संपन्न

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के साहेबनगर पंचायत के लोहार टोला मनसाही में हर साल की तरह इस साल भी सावन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बिहुला विषहरी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर मानिक चंद लोहार,नरेश लोहार ने बताया कि पूर्वजों से बिहुला विषहरी का पूजा हर साल सावन माह के पूर्णिमा में होता हैं। इस वर्ष भी माता बिहुला विषहरी मंदिर लोहार टोला मनसाही में बिहुला विषहरी की प्रतिमा स्थापित की गई पूजा अर्चना की गई एवं सकरैली के कलाकार के द्वारा बिहुला विषहरी का पाठ दिखाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं इस बिहुला विषहरी मंदिर में पूजा अर्चना कर जो श्रद्धालु गण मन्नत मांगते हैं। मन्नत पूरा होने पर दूर दूर से लोग पूजा अर्चना करने आते हैं। साथ ही इस पूजा में झूला, टावर, खिलौने, मिठाई आदि की दुकान लगी हुई थी। मेला देखने के लिए लोग दूर-दूर से आ रहे थे। वहीं सोमवार की दोपहर को बिहुला विषहरी का भसोन किया गया। इसी के साथ तीन दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा संपन्न हो गया। इस मौके पर मानिक चंद्र लोहार, चंचल लोहार, बिंदा देवी, संगीता देवी, नरेश लोहार, दुखु लोहार, सुमन कुमार जायसवाल, नरेश हारी आदि मौजूद रहे ।

महापौर ने जनता दरबार में सुनी जनसमस्या

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर निगम कटिहार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। महापौर उषा देवी अग्रवाल की अध्यक्षता में निगम स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आये सभी 18 फरियादियों की समस्या सुनी। महापौर के द्वारा सभी फरियादियों की समस्या सुन त्वरित कारवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया गया! जनता दरबार में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, सड़क व नाला निर्माण, बिजली पोल एवं लाइट, रास्ते एवं अतिक्रमण से जुड़े विवाद, नालों की साफ-सफाई, सड़क अतिक्रमण करने वाले पे होगी करवाई एवं अन्य मामलों से संबंधित मामले आए। महापौर के द्वारा पिछले जनता दरबार में आये सभी आवेदनों की समीक्षा भी की गई।

चौकीदार संवर्ग के अनुकंपा मामलों की समीक्षा, 5 आवेदकों के नाम की अनुशंसा

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। चौकीदार संवर्ग से संबंधित अनुकंपा नियुक्ति के मामलों को लेकर जिला अनुकंपा समिति की बैठक जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति द्वारा प्राप्त कुल 6 आवेदनों एवं संबंधित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों

एवं निर्धारित मानकों के आधार पर जांच की गई। जांच एवं प्रमाण-पत्रों की समीक्षा के उपरांत कुल 5 अभ्यर्थियों के नाम की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित मामलों पर आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त अररिया, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अररिया, प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य प्रशाखा अररिया उपस्थित थे।

बाइक से बीयर ले जा रहे युवक गिरफ्तार

हसनगंज/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हसनगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2,5 लीटर बीयर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान दरभंगा जिले के घनश्यामपुर थाना क्षेत्र निवासी रामकुमार सहनी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी एक व्यक्ति बाइक से शराब ले जाने वाला है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए सअनि पुलिस बल के साथ सपनी पहुंचे। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति बाइक छोड़कर भागने लगा। पुलिस बल के सहयोग से उसे पकड़ लिया गया।

26 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए आयुक्त के सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग । उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल कार्यालय में कार्यरत आयुक्त के सचिव एवं झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी श्री बासुदेव प्रसाद आज अपनी दीर्घ सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय सभागार में एक सम्मान समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी श्री बासुदेव प्रसाद का 26 वर्षों का सेवाकाल बेहद अनुभवपूर्ण रहा। आयुक्त ने उनके सुखद, शांतिपूर्ण एवं उत्तम स्वास्थ्य

से परिपूर्ण जीवन की कामना की। विदाई संबोधन में सेवानिवृत्त सचिव श्री बासुदेव प्रसाद ने अपने 26 वर्षों के लंबे सेवाकाल के खट्टे-मीठे अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान उन्होंने लगभग 10 प्रखंडों व राज्य के 09 अलग-अलग जिलों में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अपने सेवाकाल के अंतिम चरण में प्रमंडल कार्यालय में कार्य करने का अवसर मिला, जहाँ का कार्य अनुभव बेहद समृद्ध करने वाला रहा। अपने अनुभवों को साझा करते हुए श्री प्रसाद ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्धता के साथ करें। कार्यक्रम के समापन पर प्रमंडलीय आयुक्त एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा श्री बासुदेव प्रसाद को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण निर्देशक, समाज कल्याण निर्देशक प्रमंडल कार्यालय के सभी पदाधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

1839 एकड़ जमीन अधिग्रहण का नोटिफिकेशन भड़का ग्रामीणों का आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। एनएमएल (एनटीपीसी)की चट्टी बारियातु कोयला खनन परियोजना के दक्षिणी क्षेत्र के विस्तार के लिए केरेडारी प्रखंड के 11 गांवों की कुल 1839.14 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। जमीन अधिग्रहण को लेकर भारत के राजपत्र में नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। नोटिफिकेशन सामने आने के बाद प्रभावित गांवों में आक्रोश बढ़ गया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना अधिकारों की गारंटी, उचित मुआवजे और लिखित समझौते के किसी भी कीमत पर जमीन नहीं दी जाएगी। राजपत्र में प्रकाशित नोटिफिकेशन के अनुसार भदईखाप की 176.18 एकड़, बुकरू की 4.74 एकड़, चट्टी बारियातु की 112.63 एकड़, जोरदाग की 665.69 एकड़, कराली की 33.83 एकड़, केरेडारी की 18.88 एकड़, खापिया की 53.45 एकड़, लोयसुकवार की 182.48 एकड़, ओमे की 357.41 एकड़, पगार की 171.81 एकड़ और पेटो की 62.50 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।

नवडीहा ओपी का माले ने किया घेराव, थाना प्रभारी ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुआ (गिरिडीह)। भाकपा माले की जमुआ इकाई ने सोमवार को नवडीहा ओपी का घेराव कर पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने भू-माफिया पर कार्रवाई, आम जनता के उत्पीड़न पर रोक तथा गरीब ग्रामीणों पर कथित झूठे मुकदमों को समाप्त करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने ओपी प्रभारी की कथित मनमानी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप की मांग की। इस दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा। घेराव के बाद थाना प्रभारी सविता कुमारी ने

प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और उनकी मांगों पर उचित जांच एवं कार्रवाई का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना आंदोलन समाप्त किया। माले नेताओं ने कहा कि ग्रामीणों के जमीन संबंधी अधिकारों और अन्य समस्याओं को लेकर पार्टी आगे भी आवाज उठाती रहेगी।

संघ कार्यालय में राष्ट्रीय सेविका समिति की 15 वर्षों बाद लगी शाखा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से संघ कार्यालय में राष्ट्रीय सेविका समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। करीब 40 स्वयंसेविकाओं ने भाग लेकर सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रहित के कार्यों को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया, खास बात यह रही कि करीब 15 वर्षों बाद हजारीबाग में राष्ट्रीय सेविका समिति की शाखा प्रारंभ करने की पहल की गई। कार्यक्रम के आयोजन में स्वयंसेविका शेफाली गुप्ता की विशेष भूमिका रही, समिति की प्रशिक्षित कार्यकर्ता टंडवा की बबीता जी और चतरा की वर्षा रानी जी ने समिति की शाखा की कार्यपद्धति, उद्देश्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। ध्वज स्थापना एवं

समिति की प्रार्थना के दौरान पूरा वातावरण अनुशासन और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहा, बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग संघ चालक ताराकांत शुक्ल, जिला संघ संचालक वासुदेव प्रसाद कुशवाहा, विभाग प्रचारक आशुतोष जी, जिला सह कार्यवाह विकास जी, वरिष्ठ स्वयंसेवक गंगाधर दुबे जी एवं राम बहादुर जी , एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक आदित्य जी विशेष रूप से उपस्थित रहे, पदाधिकारियों ने नारी शक्ति की सामाजिक भागीदारी बढ़ाने और सेवा-संस्कार आधारित गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया गया। नई शाखाओं के विस्तार की बनी रणनीति : बैठक में हजारीबाग जिला के विभिन्न क्षेत्रों में नई शाखा प्रारंभ करने और अधिक से अधिक नारी शक्ति को समिति से जोड़ने की रणनीति पर मंथन हुआ। क्षेत्रवार संपर्क, नारी समूहों को सक्रिय करने तथा सामाजिक जागरूकता एवं सेवा गतिविधियों को विस्तार देने का निर्णय लिया गया। नारी शक्ति समाज को दिशा देने में सक्षमह्ल इस अवसर स्वयंसेविका शेफाली गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल किसी एक संस्था या वर्ग की जिम्मेदारी नहीं है नारी शक्ति में समाज और आने वाली पीढ़ियों को दिशा देने की क्षमता है। उन्होंने नारी शक्ति से सेवा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभावना के साथ सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। बैठक का समापन सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रभावना को जीवन का हिस्सा बनाने तथा मातृशक्ति को संगठित कर समाजहित में रचनात्मक कार्यों की नई श्रृंखला शुरू करने के संकल्प के साथ हुआ।

जनता दरबार में 51 मामलों की सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। बिहार सरकार के सात निश्चय-3.0 के अंतर्गत संचालित ह्लसबका सम्मानझजीवन आसानह्व कार्यक्रम के तहत सोमवार को जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। इस दौरान कुल 51 मामलों की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों की जांच कर समयबद्ध, निष्पक्ष एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में किशन लाल यादव, बरदाहा, सिकटी द्वारा वृद्धापेंशन नहीं मिलने की शिकायत की गई। वहीं अरविंद यादव एवं अन्य ने गृह रक्षा वाहिनी के जवानों के विगत चार माह से वेतन भुगतान नहीं होने का मामला उठाया। रमेश मंडल एवं अन्य ने नगर पंचायत रानीगंज अंतर्गत नाला निर्माण में अनियमितता की शिकायत की। मोहम्मद जब्बार ने अनुमंडल पदाधिकारी फारबिसगंज-सह-अध्यक्ष, कृषि उत्पाद बाजार समिति फारबिसगंज के आदेश के विरुद्ध प्रतिउत्तर समर्पित करने से संबंधित आवेदन दिया। इसी प्रकार रविकांत शाह एवं अन्य ने 6-लेन सड़क परियोजना में आवासीय जमीन को कृषि भूमि के रूप में दर्शाए जाने की शिकायत की।

उसरी नदी के किनारे लहराई हरियाली, चार हजार पौधों का रोपण पूरा

उसरी बचाव अभियान की पहल रंग लाई, समापन पर संयोजक राजेश सिन्हा ने भी लगाए दर्जनों पौधे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उसरी नदी को बचाने और उसके किनारों को हरा-भरा बनाने की दिशा में चलाए गए प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। वन विभाग की पहल पर परसाटांड़ पंचायत के चंदन नगर से रेलवे पुल तक उसरी नदी के किनारे करीब चार हजार पौधे लगाए गए हैं। इनमें फलदार एवं छायादार पौधों के साथ नदी किनारे मिट्टी के कटाव को रोकने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इससे स्थानीय लोगों को राहत मिलने के साथ पक्षियों को भी आश्रय मिलने की उम्मीद है। इस अभियान की मांग उसरी बचाव अभियान की ओर से लंबे समय से की जा रही थी। अभियान की कोर टीम, सलाहकार टीम, 850 टीम समेत पर्यावरण प्रेमियों ने भी नदी किनारे बड़े पैमाने पर पौधरोपण की मांग का समर्थन किया था। वर्ष 2025 में इस संबंध में वन विभाग को आवेदन देकर लगातार पहल करने का आग्रह किया

गया था। पूर्वी वन प्रमंडल के डीएफओ मनीष तिवारी की पहल पर इस योजना को धरातल पर उतारा गया। डीएफओ ने कहा कि प्रकृति और उसरी नदी को बचाने के लिए विभाग लगातार प्रयास करता रहेगा। लगाए गए पौधों की नंबरिंग की जाएगी, ताकि किसी पौधे के खराब होने की सूचना मिलने पर उसे तत्काल बदला जा सके। पौधों के बड़े होने तक वन विभाग के कर्मी उनकी देखरेख करेंगे और इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। 31 अगस्त को पौधरोपण अभियान के समापन के अवसर पर वन विभाग की टीम उसरी बचाव अभियान के संयोजक राजेश सिन्हा को साथ लेकर चंदन नगर पहुंची। यहां उसरी नदी किनारे मंदिर के समीप सिन्हा ने भी दर्जनों पौधे लगाए। उन्होंने मंदिर के बगल में बेल का पौधा भी लगाया और कहा कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा करना वन विभाग के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की भी जिम्मेदारी है। राजेश सिन्हा ने कहा कि कई स्थानों पर गेबियन के अंदर लगाए गए पौधे दिखाई देंगे। आमलोग आगे बढ़कर इन पौधों की रक्षा करें, तभी उसरी नदी का किनारा वास्तव में हरा-भरा हो सकेगा। उन्होंने पौधरोपण अभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग और डीएफओ मनीष तिवारी का आभार जताते हुए कहा कि आवेदन देने के बाद विभाग ने उसरी नदी के संरक्षण को लेकर गंभीरता दिखाई और अभियान की अपेक्षा से भी अधिक चिंता करते हुए काम को आगे बढ़ाया। इस पूरे प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहनाने में सहायक वन संरक्षक संजीव कुमार रवि, सहायक वन संरक्षक रोहित कुमार पानूरी, प्रभारी वनपाल सिकंदर पासवान और प्रधान वनरक्षी नंदकिशोर प्रसाद यादव की भूमिका भी सराहनीय रही। अभियान से जुड़े लोगों ने सभी वनकर्मियों के प्रति आभार जताया।

फूलों से सजा बाबा गरीबनाथ का दरबार

बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, लगाए जयकारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सावन माह के समापन के बाद भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि के अवसर पर बिहार की बाबा नगरी के रूप में प्रसिद्ध मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में रविवार रात बाबा गरीबनाथ का विशेष महाश्रृंगार किया गया। मंदिर के गर्भगृह में बाबा का भव्य श्रृंगार कर महाआरती की गई। इस विशेष अवसर पर देर शाम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के दर्शन-पूजन कर जयघोष किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस दिन बाबा गरीबनाथ के दर्शन और पूजन से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि पर रविवार रात बाबा गरीबनाथ की रात्रि सेवा के तहत सेवा दल द्वारा रंग-बिरंगे फूलों से बाबा का मनमोहक महाश्रृंगार किया गया। मंदिर के पुरोहितों ने इसके लिए विशेष तैयारियां की थीं। मंदिर के पुजारी आशुतोष पाठक उर्फ डाबर बाबा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बाबा गरीबनाथ का षोडशोपचार पूजन कराया। इसके बाद बाबा को दूध, दही, घी, शहद यानी मधु और शक्कर से पंचामृत स्नान कराया गया। पंचामृत स्नान के बाद बाबा का रंग-बिरंगे फूलों और मालाओं, अबीर-गुलाल तथा दीपों से विशेष महाश्रृंगार किया गया। इसके बाद धूप-दीप से बाबा की आरती की गई।

महाआरती और पूजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर ह्यनमामि शमीशान निर्वाण रूपम्ह्न, ह्यजे कर बाबा गरीबनाथ उ अनाथ कैसेह्न, ह्यनमामी शमीशान रूपम्ह्न, ह्यरुद्राष्टकमह्न और ह्यब्रह्मा मुरारी सुरार्चित लिंगम्ह्न सहित अन्य स्तुति और मंत्रों का पाठ किया गया। भक्ति गीतों और मंत्रोच्चारण से पूरा बाबा दरबार गूंजायमान हो उठा।

महाश्रृंगार और आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने बाबा गरीबनाथ के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया और बाबा के जयकारे लगाए। मंदिर परिसर में देर शाम से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। भक्तों ने बाबा के भव्य स्वरूप के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं के लिए प्रार्थना की। इस विशेष धार्मिक आयोजन के दौरान भाजपा नेता प्रभात मालाकार, विकास कुमार, सुधीर कुमार, पंडित निरंजन झा, चंदेश्वर झा, मुकेश शर्मा, रीशू कुमार, आकाश राजपूत, राजेश कुमार, अमर कुमार, सुंदर कुमार, मोहिनी कुमारी और रजनीश सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने बाबा गरीबनाथ का जय-जयकार करते हुए महाश्रृंगार के दर्शन किए। देर रात तक मंदिर में भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने बाबा का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कहर बन कर टूटी बिजली

एक की मौत, दो दर्जन घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पर्यटन स्थल गुरपा पर्वत की चोटी पर तेज बारिश के बीच वज्रपात हुई। जिसकी चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन लोग घायल हो गया।

वर्षा से बचने के लिए पेड़ और पहाड़ की खोह (छोटी गुफा) के पास महिला, पुरुष और बच्चे छिपे थे। इसी दौरान गुफा के समीप जोरदार वज्रपात हुआ।

मृतक की पहचान विकास कुमार उर्फ निवास, उम्र 26 वर्ष ग्राम छत्तीसा थाना बेलागंज का रहने वाला है। इसके अलावा करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए।

अचानक हुए वज्रपात के बाद पहाड़ की चोटी पर अफरातफरी मच गई। घायल लोग दर्द से कराहने और मदद के लिए चिल्लाने लगे। घायलों में ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मी भी शामिल बताए गए हैं। संजोग अच्छा रहा भगदड़ की स्थिति नहीं बनी। घटना के बाद पहाड़ पर ड्यूटी में तैनात सरकारी कर्मियों ने तत्काल लोगों को संभाला और घटना की सूचना बीडीओ एवं स्थानीय थाना को दी।

बारिश से बचने को गुफा में छिपे थे लोग

इसके साथ ही वे राहत कार्य में जुट गए। सूचना मिलते ही बीडीओ शशि भूषण साहू और गुरपा थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल के पास पहुंचे।

बीडीओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर को घटना की जानकारी देकर तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया।

चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार और डीपीएम नीलेश कुमार, जनऔषधि के संचालक समर ने टनकुप्पा और वजीरगंज से एंबुलेंस मंगवाकर गुरपा भेजे। और घायलों के चिकित्सा सेवा जुटाने में लगे रहे।

वज्रपात के बाद पहाड़ पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता की मिसाल पेश की। घायल कई लोगों को दो चार लोग मिलकर कंधे पर उठाकर पहाड़ की चोटी से नीचे लाए।

नीचे पहुंचते ही घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर भेजा जाने लगा। अस्पताल पहुंचते ही स्वास्थ्यकर्मियों ने एंबुलेंस से उतारकर घायलों का उपचार शुरू कर दिया। कुछ ही देर में अस्पताल का परिसर घायलों और उनके स्वजनों से भर गया। किसी के पैर में चोट थी तो किसी के हाथ-पैर में गंभीर चोट आई थी। घायलों में करीब 10 वर्ष के बच्चे से लेकर 55 वर्ष तक के लोग शामिल थे।

सीएचसी में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों ने सभी घायलों का उपचार किया। प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर चिकित्सा के लिए मगध मेडिकल कालेज एवं अस्पताल गया रेफर किया गया।

घायलों में अधिकांश स्थानीय लोग शामिल हैं। वहीं कुछ लोग रक्षाबंधन के अवसर पर अपने स्वजनों के घर आए थे। बताया गया कि स्वजन उन्हें गुरपा पर्वत घुमाने के लिए लेकर गए थे। बारिश के दौरान सभी लोग पानी से बचने के लिए पहाड़ की खोह और पेड़ों के आसपास खड़े थे।

आरओबी में आयी दरार, गुणवत्ता पर उठे सवाल

जांच के आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। बरियारपुर-जमुई एनएच-333 पर बरियारपुर रेलवे स्टेशन के समीप करीब 10 वर्ष पहले चालू हुआ रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) अब चिंता का कारण बन गया है। आरओबी पर दरार आने की सूचना के बाद सोमवार को जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर पहुंचे।

उन्होंने आरओबी की स्थिति का जायजा लिया और गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के अभियंता को तत्काल आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। डीएम ने वाहनों का सुगम और सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने को कहा। आरओबी पर दरार ऐसे समय आई है, जब इस मार्ग पर पहले से ही वाहनों का अत्यधिक दबाव है। मई माह से भागलपुर में गंगा नदी पर बने पुल के बंद रहने तथा सुल्तानगंज आरओबी पर भी आवागमन बाधित होने के कारण बड़े वाहनों का दबाव बरियारपुर-जमुई मार्ग पर बढ़ गया है।

भागलपुर और सुल्तानगंज की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इसी रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। आरओबी पर आई दरार को लेकर प्रशासन गंभीर है।

दरार की स्थिति और बढ़ती है तो भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की नौबत आ सकती है। इससे मुंगेर-जमुई मार्ग पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। खासकर श्रावणी मेला के दौरान इस मार्ग पर कांवरिया वाहनों और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है।

करीब एक दशक पहले चालू हुए आरओबी पर दरार आने से निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। फिलहाल, प्रशासन की प्राथमिकता आरओबी को सुरक्षित रखना और वाहनों का परिचालन बाधित होने से बचाना है।

मूसलाधार बारिश से वर्षों पुराना पुल ढहा

यातायात ठप, कई गांवों का संपर्क भंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जिले में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। महुआडांड़-डाल्टनगंज मुख्य मार्ग पर ग्राम राजदंडा के समीप राजदंडा नदी पर बना करीब छह दशक पुराना पुल तेज बारिश और नदी के बढ़े जलस्तर की वजह से क्षतिग्रस्त होकर ध्वस्त हो गया। अचानक पुल का एक पिलर धंस गया, जिसके बाद पुल का एक हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। हादसे के बाद इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है।ग्रामीणों के अनुसार, राजदंडा नदी पर बने इस पुल का निर्माण वर्ष 1960-65 के आसपास हुआ था। शनिवार को लगातार हुई तेज बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। तेज धार और पानी के दबाव के कारण पुल का एक पिलर अपनी जगह से धंस गया और पुल का एक हिस्सा नीचे गिर गया। पुल की स्थिति इतनी जर्जर और खतरनाक हो गई है कि यहां से पैदल गुजरना भी जोखिम भरा है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से किसी बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाए हैं।

पुल क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम ने एहतियातन मुख्य मार्ग को बंद कर दिया। पुल से छोटे-बड़े सभी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए बास्करचा होकर महुआडांड़ तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग से यातायात की व्यवस्था की गई है।

रविवार को पुल के ध्वस्त होने की खबर मिलने के बाद आसपास के सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुल टूटने से क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ विद्यार्थियों और रोजाना इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुल की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। साथ ही स्थायी समाधान होने तक लोगों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों और राहगीरों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में क्षतिग्रस्त पुल को पार करने का प्रयास न करें। उन्होंने लोगों से सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने की अपील की है।

बकाया मांगने पर मिली सजा

एसिड अटैक में महिला सहित तीन बच्चे झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्वी चम्पारण। कर्ज और भारी ब्याज की वसूली को लेकर दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि कर्ज की रकम और मनमाना ब्याज नहीं चुका पाने पर दबंगों ने घर में घुसकर एक परिवार पर तेजाब फेंक दिया। आरोपियों के इस हमले में महिला, उसके पति और तीन बच्चों समेत पांच लोग झुलस गए। इनमें तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं, जबकि दो पर आंशिक रूप से तेजाब पड़ा है। सभी घायलों को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। सभी पीड़ित पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

घटना को लेकर पीड़िता रिंकी कुमारी ने बताया कि बीते माह उनके परिवार ने अरविंद प्रसाद नामक व्यक्ति से कुछ रुपये उधार लिए थे। इस दौरान वह नियमित रूप से ब्याज की रकम चुका रही थीं। बकाया रकम चुकाने के लिए उन्होंने कुछ और समय मांगा था। इसके बाद इसी बात को लेकर दबंगों की ओर से लगातार धमकियां दी जा रही थीं। आरोपी फोन पर धमकी देते थे कि रुपये नहीं देने पर उनके हाथ-पैर तोड़ दिए जाएंगे और उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। पीड़िता के अनुसार, घटना के दिन आरोपी अचानक उनके घर में घुस आए और उनके पति के साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान पति को बचाने के लिए जब वह बीच-बचाव करने पहुंचीं तो आरोपियों ने उन्हें धक्का देकर तेजाब की बोतल से हमला कर दिया।

दुकानदार पर फेंका खौलता तेज

गयाजी। गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के टेउसा बाजार में रविवार को फास्ट फूड विक्रेता धर्मेन्द्र कुमार द्वारा बकाया पैसा मांगने को लेकर हुए विवाद हुआ। विवाद में दुकानदार के साथ पिता-पुत्र ने मारपीट की। उसके बाद दुकान की कढ़ाही में रहे गरम रिफाइन को दुकानदार पर फेंक दिया गया।

इसमें दुकानदार जख्मी हो गया। जख्मी दुकानदार धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि मानपुर के नौरंगा गांव निवासी राजेश कुमार के पास उसका कुछ पैसा बकाया था।

वह वर्तमान में टेऊसा बाजार में शमियाना की दुकान एक दशक से किए हुए हैं। बकाया राशि की मांग किया गया। इसी बात को लेकर राजेश कुमार और उसके बेटा धीरज कुमार ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

दुकानदार ने पुलिस को बताया कि इसी दौरान दोनों ने खौलता हुआ रिफाइन तेल उसके शरीर पर फेंक दिया, जिससे वह जख्मी हो गया।

घटना के बाद जख्मी युवक के स्वजन उसे लेकर अतरी थाना पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अतरी में भर्ती कराया।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया।इस संबंध में अतरी थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि जख्मी दुकानदार को स्वजनों द्वारा थाना लाया गया।

उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अतरी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मगध मेडिकल कालेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

डेटा को मोबाइल एप पर अपलोड करने को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड सभा भवन में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में परिसीमन जनगणना 2011 के ईबी वाइज डेटा के आधार पर वर्तमान चौहद्दी से संबंधित जानकारी को मोबाइल एप पर अपलोड करने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के सभी कार्यपालक सहायकों एवं आवास सहायकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान बीडीओ ने संबंधित कर्मियों को परिसीमन एवं जनगणना से जुड़े पुराने अभिलेखों और वर्तमान क्षेत्र की स्थिति का मिलान कर आवश्यक जानकारी मोबाइल एप पर सही एवं स्पष्ट रूप से अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डेटा अपलोड करने के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो, इसके लिए सभी कर्मी संबंधित पंचायत एवं क्षेत्र की जानकारी का सावधानीपूर्वक सत्यापन करें। उन्होंने कर्मियों को निर्धारित अवधि के भीतर पूरा करने तथा अपलोड किए जाने वाले डेटा की शुद्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही, जिन क्षेत्रों में चौहद्दी से संबंधित जानकारी में किसी प्रकार की अस्पष्टता या समस्या सामने आए, उसकी जानकारी संबंधित पदाधिकारी को तत्काल देने का निर्देश दिया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि परिसीमन जनगणना 2011 के ईबी वाइज डेटा को वर्तमान चौहद्दी के साथ जोड़कर मोबाइल एप पर अपलोड करने का कार्य महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्रवार डेटा को व्यवस्थित करने तथा आगे की प्रक्रिया में सुविधा होगी। बीडीओ ने सभी कार्यपालक सहायकों एवं आवास सहायकों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और कार्य की प्रगति की नियमित जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा मौके पर राजदेव कुमार, संजय चौपाल, मीना कुमारी, राजकुमारी, दीपक कुमार, आनंद कुमार, राजीव कुमार सहित प्रखंड के सभी संबंधित कर्मी मौजूद रहे।

प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

अररिया। स्थानीय जूनियर स्कॉटिश पब्लिक स्कूल अररिया के प्रांगण में प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अररिया जिला के जिला अध्यक्ष कुमार अनूप, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह , जिला महासचिव खुर्शीद आलम खान एवं विभिन्न प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड सचिव एवं कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित हुए । इस बैठक में मधेपुरा के जिला अध्यक्ष किशोर कुमार मधेपुरा के सचिव की भी उपस्थित रही।

बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में अररिया प्रखंड से प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद परवेज आलम एवं उनके टीम के सदस्य, जोकीहाट से मोहम्मद नौशाद आलम एवं उनके टीम के सदस्य, पलासी से मेराज आलम ,भरगामा से सुनील कुमार, नरपतगंज से संतोष कुमार, फारबिसगंज से खुर्शीद आलम एवं अजीत कुमार सिंह की टीम यथा सोनू अंसारी, मोहम्मद इमरान, अभय कुमार सिन्हा ,राहुल कुमार, विवेक कुमार, संजीव कुमार, विक्की कुमार के साथ साथ जिला कार्यालय सचिव मोहम्मद साकिब उपस्थित रहे।

चार फीट पानी में अर्थी लेकर पहुंचे परिजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। शहर के लाल दरवाजा श्मशान घाट से चार फीट पानी के बीच अर्थी ले जाने का वीडियो सामने आया है। यह तस्वीरें शनिवार शाम की बताई जा रही है। घाट पर गंगा का पानी फैल जाने के कारण शव के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान हादसे का खतरा बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, लाल दरवाजा श्मशान घाट पर नगर निगम का विद्युत शवदाह गृह पिछले करीब 20 दिनों से बंद पड़ा है। बताया जा रहा है कि शवदाह गृह का एक पंखा खराब होने के कारण विद्युत शवदाह की सुविधा बंद है। ऐसे में लोगों को पारंपरिक तरीके से ही शव का अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है।

वर्तमान में गंगा का जलस्तर चेतावनी स्तर से करीब 43 सेंटीमीटर ऊपर बताया जा रहा है। गंगा का पानी घाट के आसपास फैल गया है। शवदाह स्थल तक पहुंचने के लिए परिजनों को करीब चार फीट गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। वीडियो में लोग अर्थी को पानी के बीच से लेकर जाते दिखाई दे रहे हैं। पानी का बहाव और गहराई देखते हुए यह रास्ता काफी जोखिम भरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के बावजूद अंतिम संस्कार के लिए लोगों को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध नहीं कराया गया है। मजबूरी में लोग जान जोखिम में डालकर पानी के बीच से शव लेकर श्मशान घाट पहुंच रहे हैं।

वहीं, विद्युत शवदाह गृह बंद रहने से समस्या और गंभीर हो गई है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से विद्युत शवदाह गृह को अविलंब चालू कराने तथा श्मशान घाट तक सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था कराने की मांग की है।

बीच-बचाव करने गये बुजूर्ग को लगी गोली

पटना। बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र स्थित टांड़ा पर गांव में दो पक्षों के बीच चल रहा आपसी विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद शांत कराने और बीच-बचाव करने पहुंचे एक बुजुर्ग को गोली मार दी गई। गोली उनके सिर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और इलाज जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, टांड़ा पर गांव में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद और नोकझोंक हो रही थी। इसी दौरान गांव के बुजुर्ग रविंद्र यादव का भतीजा उसी रास्ते से गुजर रहा था। आरोप है कि विवाद कर रहे दूसरे पक्ष के लोगों ने बिना किसी कारण उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

भतीजे के साथ गाली-गलौज और विवाद की सूचना मिलने पर रविंद्र यादव तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराने की कोशिश की और विवाद को खत्म कराने के बाद अपने भतीजे को साथ लेकर घर की ओर लौटने लगे। बताया जा रहा है कि जैसे ही रविंद्र यादव अपने भतीजे के साथ घटनास्थल से लौटने लगे, तभी अचानक किसी ने फायरिंग कर दी। इस दौरान चली गोली सीधे रविंद्र यादव के सिर में जा लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़े।

यूट्यूबर की गिरफ्तारी को लेकर बवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के हरिलोचनपुर थाना क्षेत्र के अफजलपुर पुरैना गांव में शनिवार देर रात एक यू-ट्यूबर की गिरफ्तारी को लेकर विवाद गहरा गया है। पुलिस का दावा है कि यू-ट्यूबर कुंदन कुमार को एक लोडेड देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, ग्रामीणों और परिजनों ने पुलिस के इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए गिरफ्तारी को फर्जी और संयोजित कार्रवाई बताया है। घटना के बाद ग्रामीणों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बन गई। मामला हाजीपुर कोर्ट तक पहुंचा, जहां ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस हथियार बरामदगी से जुड़े पुख्ता साक्ष्य पेश नहीं कर सकी।

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात हरिलोचनपुर थाने की पुलिस ने यू-ट्यूबर कुंदन कुमार के घर पर छापेमारी की और उसे अपने साथ ले गई। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने गिरफ्तारी का कारण जानना चाहा तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। परिजनों का कहना है कि मारपीट के निशान पीड़ित के शरीर पर देखे जा सकते हैं। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने न तो कोई पंचनामा तैयार किया और न ही कानूनी प्रक्रिया का पालन किया।

पुलिस कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद देर रात करीब एक बजे सैकड़ों ग्रामीण हरिलोचनपुर थाने पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार, शुरूआत में थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें शांत कराते हुए कहा कि यू-ट्यूबर को केवल पूछताछ के लिए लाया गया है और सुबह परिजनों को बुलाया जाएगा। हालांकि, सुबह जब ग्रामीण और परिजन थाने पहुंचे तो पुलिस का रुख अलग नजर आया।

जीविका सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिले की खुटहा पंचायत अंतर्गत मझरिया गांव में सोमवार को जीविका सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ हुआ। जिला पदाधिकारी साहिला ने केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र के खुलने से ग्रामीणों को अब अपने ही पंचायत क्षेत्र में सुधा के दूध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं, जीविका से जुड़ी महिला को स्वरोजगार का अवसर भी मिला है। जीविका सुधा बिक्री केंद्र का आवंटन संगम संकुल स्तरीय संघ के अंतर्गत हीरा जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य चांदनी देवी को किया गया है।

जाहिर हो, केंद्र के संचालन से चांदनी को नियमित आय का अवसर मिलेगा और वे स्थायी आजीविका गतिविधि से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। जिला पदाधिकारी ने कहा कि जीविका सुधा बिक्री केंद्र ग्रामीण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुधा के दूध और अन्य दुग्ध उत्पादों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ जीविका की महिला सदस्यों को स्वरोजगार एवं नियमित आय का अवसर प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से महिलाओं को अपना व्यवसाय संचालित करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उद्यमिता और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। जीविका सुधा बिक्री केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने के साथ ही महिला उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। यह केंद्र ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल व्यवसाय का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता, नियमित आय और सम्मानजनक आजीविका की ओर बढ़ने का महत्वपूर्ण साधन बन रहा है। केंद्र के शुभारंभ के मौके पर ग्रामीणों में भी उत्साह देखा गया।

ग्रामीणों ने पंचायत स्तर पर दूध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध होने की पहल का स्वागत किया। मौके पर उप विकास आयुक्त निहारिका छवि समेत जीविका के पदाधिकारी एवं संगम संकुल स्तरीय संघ के लोग मौजूद थे।

लोक अदालत 12 को

नवादा। लंबे समय से यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण लंबित ई-चालान वाहन स्वामियों के लिए परेशानी का कारण बने हैं। ऐसे वाहन स्वामियों को अब पुराने चालान से छुटकारा पाने का अवसर मिलेगा। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में परिवहन विभाग से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाएगा। इसके तहत 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालानों में, कतिपय मामलों को छोड़कर, 50 प्रतिशत राशि का भुगतान कर मामले का निपटारा कराया जा सकेगा।

यह सुविधा बिहार परिवहन विभाग की एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026 के तहत दी जा रही है। योजना का लाभ वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ही लागू है।

वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए जिला परिवहन कार्यालय में विशेष काउंटर बनाया जा रहा है। लोक अदालत के दिन अनावश्यक भीड़ और लंबी कतार से बचाने के लिए निपटान से संबंधित फार्म पहले से ही भरकर तैयार कराया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नवादा के आदेशानुसार परिवहन कार्यालय में लोक अदालत के तहत शिविर लगाया जाएगा।

पैसेंजर ट्रेन में भीड़ से अफरातफरी, रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। नवादा से शेखपुरा और बरबीघा होते हुए पटना जाने वाली एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन में सोमवार की सुबह यात्रियों की भारी भीड़ के कारण अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई ट्रेन में खड़े होने तक की जगह नहीं मिलने से नाराज यात्रियों ने बरबीघा में ट्रेन रोक दी और रेलवे ट्रैक पर बैठकर विरोध जताया। इस दौरान यात्रियों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की।

करीब आधा घंटा तक ट्रेन रुकी रही। निर्धारित समय 7 बजे की जगह ट्रेन 7:30 बजे रवाना हुई। यात्रियों का आरोप था कि रेलवे की ओर से इस ट्रेन में लगातार मनमानी की जा रही है। कभी ट्रेन में 12 बोगियां लगाई जाती हैं तो कभी घटाकर आठ कर दी जाती हैं। इस कारण काफी परेशानी होती है। लेक?िन कोई देखने वाला नहीं है। सोमवार को यात्रियों की संख्या काफी अधिक होने के बावजूद ट्रेन में केवल आठ बोगियां थीं। इसके कारण यात्रियों को बेहद भीड़ के बीच सफर करना पड़ा।

कई यात्रियों ने कहा कि ट्रेन में स्थिति ऐसी थी कि उन्हें भेड़-बकरियों की तरह सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा है। विरोध कर रहे यात्रियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि चुनाव के समय क्षेत्र के लोगों की सुविधा और वोट बैंक को ध्यान में रखकर ट्रेन सेवा शुरू कराने की बात की गई, लेकिन अब यात्रियों की परेशानी की सुध लेने वाला कोई नहीं है।हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और यात्रियों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया गया।

यात्रियों ने रेलवे से ट्रेन में बोगियों की संख्या बढ़ाने और नियमित रूप से पर्याप्त कोच उपलब्ध कराने की मांग की है।

हमारी मांगें नहीं मानी गई तो होगा चक्का जाम : देवेंद्र नाथ महतो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। झारखंड में सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जोर पकड़ रहा है। इसी कड़ी में छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की ओर से निकाली गई भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा सोमवार को देवघर पहुंची।

राज्य के सभी जिलों का भ्रमण करते हुए यह यात्रा संथाल परगना के विभिन्न जिलों से होकर देवघर पहुंची। दरअसल, सरकारी परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ पिछले दिनों राजधानी रांची में छात्रों ने बड़ा आंदोलन किया था। आंदोलन के बाद सरकार ने कई प्रतियोगिता परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया और मामले में सीआईडी जांच की जा रही है। देवघर पहुंचने के बाद यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र महतो ने बताया कि परीक्षा सुधार यात्रा की शुरुआत रामगढ़ के नेमरा गांव से की गई थी। नेमरा गांव झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा कि इसी गांव से शुरू हुई यात्रा राज्य के सभी जिलों तक पहुंच रही है। संथाल परगना के पाकुड़, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और जामताड़ा का दौरा पूरा करने के बाद यात्रा देवघर पहुंची। देवघर में स्थानीय कार्यकर्ताओं और छात्र संगठन से जुड़े लोगों ने देवेंद्र महतो का स्वागत किया और यात्रा को अपना समर्थन देने की बात कही।

देवेंद्र महतो ने बताया कि रांची में विधानसभा घेराव आंदोलन के बाद जेपीएससी अध्यक्ष और सदस्यों को हटाया गया। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के आंदोलन को देखते हुए मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के मंत्रियों ने उनकी कई मांगों को मानने का काम किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि इन कदमों के बावजूद राज्य के छात्र पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। उनका आरोप है कि झारखंड में छोटी-बड़ी सरकारी नौकरियों की प्रक्रिया में अनियमितता और कथित खरीद-बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड में स्थानीय नीति और मूलवासी की गरिमा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार का अवसर मिलना चाहिए। गरीब और आदिवासी परिवारों से आने वाले युवाओं को उनकी योग्यता और क्षमता के आधार पर नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने परीक्षा और नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि इन्हीं मुद्दों को लेकर राज्य भर में भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने दावा किया कि यात्रा को छात्रों और आम लोगों का समर्थन मिल रहा है।

एनपीयू में कथित गड़बड़ी के खिलाफ शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में कथित गड़बड़ी को लेकर छात्र संगठनों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। यह आंदोलन आपसू, एनएसयूआई और जेसीएम ने शुरू किया है। आंदोलन के पहले चरण में सोमवार को छात्रों ने नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। दरअसल हाल में ही यूनिवर्सिटी के ऑडिट रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं और सूचना के अधिकार के तहत छात्रों ने ऑडिट रिपोर्ट की कॉपी ली है। ऑडिट रिपोर्ट में कथित गड़बड़ी को लेकर छात्र संगठन आंदोलन कर रहे हैं और प्रतिदिन यूनिवर्सिटी से जुड़े हुए मामलों को उजागर कर रहे है। आंदोलन कर रहे छात्रों ने कहा कि यूनिवर्सिटी किसी की निजी संपत्ति नहीं है बल्कि सार्वजनिक संपत्ति है और इससे हजारों छात्रों का भविष्य जुड़ा हुआ है। इससे पहले रविवार को छात्रों ने यूनिवर्सिटी में हुई गड़बड़ियों को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने की योजना की घोषणा की। अपने आंदोलन के जरिए छात्र वित्तीय गड़बड़ियों के खिलाफ कार्रवाई, यूनिवर्सिटी के द्वारा खरीद और भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने, गड़बड़ियों में शामिल लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने और छात्रों से जुड़े प्रशासनिक मामलों के जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे छात्र राहुल दुबे ने बताया कि यूनिवर्सिटी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है और ऑडिट रिपोर्ट में करोड़ों का घोटाला पकड़ा गया। छात्र नेता कमलेश पांडेय ने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी पकड़ी गई है जिसे लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं।

एक नजर

दक्षिणी बिहार में संगठन विस्तार की कमान सूरज विद्यार्थी को, छह जिलों की मिली जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बीपीएससी अध्यापक संघ ने संगठन को दक्षिणी बिहार में और मजबूत करने की दिशा में बड़ा दायित्व नालंदा के शिक्षक नेता सूरज विद्यार्थी को सौंपा है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष बबीता चैरसिया ने उन्हें दक्षिणी बिहार का संयोजक-सह-चुनाव प्रभारी मनोनीत किया है। इस संबंध में 30 अगस्त को मनोनयन पत्र जारी किया गया।नई जिम्मेदारी के तहत सूरज विद्यार्थी पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा और शेखपुरा जिले में संघ के संगठन विस्तार की कमान संभालेंगे। उन्हें सदस्यता अभियान चलाने, जिला इकाइयों के गठन तथा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया को व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई है। मनोनयन पत्र में उन्हें संबंधित जिलों के बीपीएससी अध्यापकों के साथ समन्वय स्थापित कर संघ की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया है। जिला इकाइयों के गठन और चुनाव की पूरी प्रक्रिया प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन में संपन्न होगी।प्रदेश अध्यक्ष बबीता चैरसिया ने विश्वास जताया कि सूरज विद्यार्थी अपनी सक्रियता, निष्ठा और संगठनात्मक क्षमता के बल पर दक्षिणी बिहार के छह जिलों में संघ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनके मनोनयन पर संघ के सदस्यों एवं शिक्षकों ने बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

अतिक्रमण पर चला नगर निगम का पीला पंजा, ठेले-बैनर व करकट हटाए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। शहर में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के खिलाफ सोमवार को नगर निगम की ओर से जोरदार अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम ने सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए पीला पंजा चलाया। इस दौरान ठेले, बैनर, करकट समेत अन्य अस्थायी निर्माण हटाए गए और सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, शहर के कई इलाकों में सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। कई स्थानों पर फुटपाथ और सड़क के हिस्से पर दुकानदारों द्वारा सामान रखने तथा अस्थायी ढांचे खड़े करने से सड़कें संकरी हो गई थीं। लोगों को जाम और आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए नगर निगम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया।कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदार मोहम्मद सोहेल अबल ने आरोप लगाया कि उनकी दुकान नाली के पीछे स्थित है और उन्हें जगह खाली करने के लिए कोई नोटिस नहीं दिया गया था। उनका कहना था कि नगर निगम की टीम अचानक पहुंची और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी।इस पर बिहारशरीफ नगर आयुक्त कृत्यानंद रंजन ने आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि भराव पर से लहेरी थाना तक माइकिंग के माध्यम से 24 घंटे पहले ही अतिक्रमण हटाने की सूचना दी गई थी। इसके बावजूद संबंधित लोगों द्वारा जगह खाली नहीं की गई। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए फुटपाथ पर लगे ठेले, बैनर और करकट आदि हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

अनियंत्रित ई-रिक्शा नहर में गिरा, बाल-बाल बचा चालक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जरमाखाप गांव के समीप अनियंत्रित ई-रिक्शा नहर में गिर गया। इस दौरान गनीमत इतनी कि नहर में पानी भरा होने के चलते चालक को किसी प्रकार की चोट नहीं लगी। हालांकि घटना के बाद स्थानीय लोंगों की मदद से आनन-फ़ानन में चालक को नहर से बाहर निकाला गया। इसके बाद ट्रैक्टर और अन्य तकनिक की मदद से ई-रिक्शा को भी घंटों कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा चालक पास के ही गांव गंगटी का रहने वाला हैं। सोमवार की सुबह किसी सवारी को छोड़ने के बाद वह जरमाखाप मोड़ के समीप साइड ले रहा था। इसी क्रम में चालक अनियंत्रित हो गया और नहर में जा गिरा। इस दौरान चालक किसी तरह नहर से बाहर निकला। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से घंटों बाद ई-रिक्शा को नहर से बाहर निकाला गया।

मनिका वार्ड 4 में पांच साल से नल-जल योजना अधूरी, 110 परिवार परेशान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड की मनिका पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 4 में नल-जल योजना पांच वर्षों से अधूरी पड़ी है। पीएचइडी विभाग द्वारा मोटर तो लगा दी गई, लेकिन पानी की टंकी नहीं बैठी और पाइपलाइन का काम भी अधूरा छोड़ दिया गया।सात निश्चय योजना के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के दावे के बीच गांव के 110 से अधिक परिवारों को अब तक नल का पानी नसीब नहीं हुआ है। ग्रामीण अमित सिंह और विवेक सिंह ने बताया कि अधिकारियों को कई बार आवेदन दिया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अधूरे कार्य के कारण ग्रामीणों में विभाग के प्रति आक्रोश है।

100 साल पुरानी शैक्षिक विरासत वाले बेरी में डिग्री कॉलेज नहीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड की बेरी पंचायत शिक्षा के क्षेत्र में करीब 100 वर्ष पुरानी विरासत समेटे हुए है। वर्ष 1926 में स्थापित इंग्लिश प्राइमरी स्कूल (अब राजकीय मध्य विद्यालय) 2 एकड़ में तथा 1939 में बना हाई स्कूल 22 एकड़ से अधिक भूमि में फैला है। कभी रफीगंज, गुरुआ और आमस के छात्रों का प्रमुख केंद्र रहे इस गांव में छात्रावास तोड़कर मॉडल विद्यालय तो बना, लेकिन उच्च शिक्षा की व्यवस्था नहीं हो सकी। छात्र ग्रेजुएशन के लिए 28 किमी दूर जाने को मजबूर हैं। मदाड़ नदी तट स्थित प्राचीन भूरहा मंदिर में भी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ग्रामीण गोलू सिंह, सोनू सिंह और मिंटू कुमार ने बताया कि पंचायत में पक्की नाली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है।

धान में शीथ ब्लाइट और जीवाणु झुलसा का खतरा, निगरानी बढ़ाने की सलाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में लगातार नमी और अनुकूल मौसम के कारण धान की फसल पर शीथ ब्लाइट और जीवाणु झुलसा रोग का खतरा मंडराने लगा है। कृषि विभाग ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी की सलाह दी है।

शीथ ब्लाइट में तने के पास धब्बे बनते हैं, जबकि जीवाणु झुलसा में पत्तियों के किनारे पीले होकर सूखने लगते हैं। इससे प्रकाश संश्लेषण और बालियों का विकास प्रभावित होता है। कृषि विशेषज्ञों ने खेतों में अनावश्यक जलजमाव से बचने और लक्षण दिखने पर बिना सलाह किसी रसायन का छिड़काव न करने की अपील की है। घनी फसलों वाले खेतों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है।

विकास को तरसता गुमला का बेन्दवाकोना गांव, कंधे पर ढोकर मरीज को पहुंचाया अस्पताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। झारखंड सरकार के "अबुआ सरकार, अबुआ राज" के दावों के बीच गुमला जिला के रायडीह प्रखंड से बुनियादी सुविधाओं के अभाव की एक दर्दनाक तस्वीर सामने आई है। प्रखंड के सुरसांग थाना अंतर्गत पो-कोब्जा ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम रमजा स्थित 'बेन्दवाकोना' गांव आज भी आजादी के इतने सालों बाद मूलभूत सुविधाओं और विकास की राह तक रहा है। ताजा मामला रविवार का है, जहां बेन्दवाकोना गांव की 24 वर्षीय बृंदावती देवी (पति गणेश सिंह) की अचानक तबीयत काफी बिगड़ गई। गांव में पक्की सड़क न होने के कारण कोई भी गाड़ी घर तक नहीं पहुंच सकती थी। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्परता दिखाई और मरीज को 'गेडुआ भार' में लादकर पैदल ही दो किलोमीटर दूर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद परिजनों ने निजी वाहन की व्यवस्था कर उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया। स्थानीय निवासी ब्रजनाथ सिंह ने व्यथा सुनाते हुए बताया कि बेन्दवाकोना के लोग आज के दौर में भी सड़क, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हैं। गांव में रोड न होने से आपातकालीन स्थिति में मरीज को खाट या गेडुआ भार पर लादकर 2 किलोमीटर पैदल मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ता है। गांव में अब तक बिजली नहीं पहुंची है। ग्रामीण आज भी डिबरी जलाकर अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। पीने के साफ पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। लोग डाड़ी-चुवां का दूषित पानी पीने के लिए विवश हैं। ब्रजनाथ सिंह ने बताया कि ग्रामीण कई बार स्थानीय नेताओं, मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और विभागीय अधिकारियों को इस गंभीर समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल उपेक्षा ही मिली है। समय पर वाहन न मिलने और इलाज के अभाव में मुख्य मार्ग तक पहुंचते-पहुंचते पूर्व में कई मरीज दम भी तोड़ चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार से गुहार लगाई है कि बेन्दवाकोना गांव में जल्द से जल्द सड़क, बिजली और पानी की व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में किसी और की जान पर न आ बने।

पारसनाथ पर जैन समाज के दावे पर आदिवासी समुदाय की आपत्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन के द्वारा संपूर्ण पारसनाथ पहाड़ पर अपना दावा करते हुए अल्पसंख्यक आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार से आदेश का पालन और संरक्षण की मांग की है। पिछले दिनों इसे लेकर एक प्रेस वार्ता भी की गई थी। अब विश्व जैन संगठन के इस दावे पर आदिवासी समाज ने आपत्ति जाहिर की है। आदिवासी समाज ने जैन समुदाय के संपूर्ण पारसनाथ पहाड़ के दावे को खारिज करते हुए विरोध जताया है। इसे लेकर गिरिडीह के परिसदन भवन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष महावीर मुर्मू, जिलासचिव विष्णु किस्कू, प्रेस प्रवक्ता सुनील बास्के, सुरेश हेम्ब्रम, मदन हेम्ब्रम, दिलीप मुर्मू और सुशांत सोरेन ने कहा कि पारसनाथ पहाड़ संथाल आदिवासियों का मरांग बुरु है, पवित्र धार्मिक स्थल है। संपूर्ण पहाड़ की तलहटी में आदिवासी निवास करते हैं। यहां के 24 टोले मांझी प्रधान के हैं एवं सात सरकारी स्कूल हैं। पहाड़ की चोटी पर मरांग बुरु जुग जाहेर थान तो तलहटी पर दिसोम मांझी थान अवस्थित है। उन्होंने कहा कि अदालत ने संथालों के पारंपरिक अधिकारों को मान्यता दी है। केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से जैन समुदाय के लिए विशेष व्यवस्था के लिए आदेश जारी करना भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है। कहा कि पूरे इतिहास या भूगोल में सम्मेद शिखर का जिक्र है ही नहीं जबकि मारंग बुरु का जिक्र न सिर्फ सरकारी दस्तावेज में बल्कि इतिहास में भी है। प्रेस वार्ता में कहा गया कि पारसनाथ पहाड़ हम झारखंडियों का है। न्यायालय द्वारा जैन समुदाय को मात्र 0।86 डिसमिल जमीन पर निर्मित मंदिर पर पूजा की अनुमति दी गई है। जैन समाज वहीं पर अपनी पूजा पाठ करे, संपूर्ण पहाड़ पर दावा नहीं। कहा गया कि जैन समाज धन बल के आधार पर आदिवासियों को अधिकार से वंचित करना चाहते हैं। जैन समुदाय के द्वारा आदिवासियों को प्रताड़ित करने और प्रथागत अधिकार से वंचित करने की साजिश रची गई है, जिसकी शिकायत केंद्र और राज्य सरकार से की गई है।

नेतरहाट की नाशपाती को मिला संगठित बाजार, महिला किसानों को बेहतर कीमत की उम्मीद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नेतरहाट की पहाड़ियों में उत्पादित प्रीमियम गुणवत्ता वाली नाशपाती अब स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी। किसानों की उपज को बड़े और संगठित बाजारों से जोड़ने की पहल शुरू की गई है।

महिला-नेतृत्व वाले किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से नेतरहाट के किसानों को संगठित बाजारों और संस्थागत खरीदारों से जोड़ा जा रहा है। इससे किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार और बेहतर मूल्य मिलने का अवसर मिल रहा है। इस पहल के तहत करीब पांच मीट्रिक टन प्रीमियम गुणवत्ता वाली नेतरहाट नाशपाती पहले ही संगठित खरीदारों तक पहुंच चुकी है। वहीं करीब 10 मीट्रिक टन नाशपाती की एक और खेप तैयार की जा रही है, जिसे गुवाहाटी, असम भेजने की तैयारी है। इस पूरी प्रक्रिया में किसानों की उपज के सामूहिक संग्रहण से लेकर ग्रेडिंग, छंटाई, गुणवत्ता जांच, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स को व्यवस्थित किया जा रहा है। जेएसएलपीएस की पहल का उद्देश्य सिर्फ किसानों को बाजार उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि नाशपाती की पूरी वैल्यू चेन को मजबूत करना है। इसके लिए किसानों की उपज को एकत्रित कर वैज्ञानिक तरीके से ग्रेडिंग और छंटाई की जा रही है। गुणवत्ता की जांच के बाद आधुनिक पैकेजिंग और बेहतर लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उत्पाद को बड़े बाजारों तक गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचाया जा सके। वर्तमान में एग्री अर्जुना के माध्यम से नेतरहाट की नाशपाती संगठित रिटेल चेन तक पहुंच रही है। इसमें कई निजी संस्थान भी शामिल है। इसके अलावा टिंचर एग्री के माध्यम से भी नाशपाती की अतिरिक्त खेपों को प्रीमियम घरेलू बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। संगठित खरीदारों तक उपज पहुंचने से किसानों को स्थानीय और पारंपरिक बाजारों के मुकाबले व्यापक बाजार उपलब्ध हो रहा है। नेतरहाट की ठंडी जलवायु नाशपाती की खेती के लिए अनुकूल मानी जाती है। यह क्षेत्र झारखंड के प्रमुख नाशपाती उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है। यहां उत्पादित नाशपाती की गुणवत्ता को देखते हुए अब इसे बड़े बाजारों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। किसानों की उपज को बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करने के लिए ग्रेडिंग और गुणवत्ता जांच जैसी प्रक्रियाओं को भी व्यवस्थित किया गया है। महिला-नेतृत्व वाले एफपीओ की भूमिका इस पूरी पहल में महत्वपूर्ण है।

12 सितंबर आयोजित लोक अदालत में निपटाएं वाहन संबंधित मामले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। 12 सितंबर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला परिवहन विभाग द्वारा व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में कैंप लगाया जाएगा। इस संबंध में जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जिले के संबंधित वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि आयोजित लोक अदालत में पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपने मामलों का निपटारा कराए। बताया कि लोक अदालत के माध्यम से दिनांक 31 मार्च 2026 तक के लंबित परिवहन एवं यातायात चालान से संबंधित मामलों का नियमानुसार निपटारा/समझौता किया जाएगा। इसमें वैसे वाहन स्वामी, जिनके वाहनों से संबंधित दिनांक 31 मार्च 2026 तक के परिवहन अथवा यातायात चालान लंबित हैं, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर कोर्ट परिसर में उपस्थित होकर अपने लंबित चालान से संबंधित मामलों का नियमानुसार निपटारा करा सकते हैं। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जिले के सभी संबंधित वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे लोक अदालत के इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने लंबित चालान मामलों के निपटारे हेतु निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर ससमय उपस्थित हों।

सर्विस रोड पर जलजमाव, आक्रोशित लोगों ने पानी भरे गड्ढों में रोपी धान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैमूर/गया। दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19) से सटी मोहनिया की सर्विस रोड पिछले करीब दो महीने से भारी जलजमाव और गड्ढों के कारण बदहाल है। जल निकासी की व्यवस्था और मरम्मत न होने से सड़क झील में तब्दील हो गई है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भरा होने के कारण आए दिन दोपहिया चालक और पैदल राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कई बार गाड़ियां पानी और गड्ढों में फंसकर पलट चुकी हैं। सड़क किनारे स्थित दुकानों तक ग्राहकों के न पहुंचने से स्थानीय कारोबार भी ठप पड़ रहा है। स्थानीय व्यवसायी दीपक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी होने के बावजूद सड़क की यह स्थिति है, जिससे व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। लगातार उपेक्षा से नाराज स्थानीय लोगों ने रविवार को अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने जलजमाव के बीच सड़क पर ही धान की रोपाई कर दी। प्रदर्शन कर रहे स्थानीय निवासी मखू मिस्त्री ने कहा, "लगातार परेशानी से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। कोई सुनने वाला नहीं है, इसलिए जब सड़क खेत बन ही चुकी है तो हमने धान रोप दिया।"

शराब और बियर के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के जंगली और नदी के रास्ते से शराब की खेप पहुंचाने वाले दो शराब तस्करों को उत्पाद विभाग ने गिरफ्तार किया है, जबकि एक शराब तस्कर भागने में सफल रहा। गिरफ्तार तस्करों के पास से विदेशी शराब एवं बियर बरामद किया गया है। साथ ही एक पल्सर बाइक को भी जब्त किया गया है। वहीं दूसरी ओर जांच चौकी पर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में शराब बरामद किया गया है एवं दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। शराब तस्करों द्वारा अक्सर जंगली और नदी के रास्ते के अलावे पुरानी और कम कीमत वाली गाड़ियों से शराब का परिवहन किया जाता है, किंतु उत्पाद विभाग के द्वारा अक्सर इनके विरुद्ध कार्रवाई जारी है। उक्त दोनों कार्रवाई उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उत्पाद एसआई नागो लकड़ा एवं उत्पाद बलों के सहयोग से किया गया। उत्पाद अधीक्षक गणेश चंद्रा ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध को लेकर जांच चौकी पर तीन शिफ्टों में उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली वाहनों की सघन जांच की जाती है। इस जांच अभियान का नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जांच चौकी के अलावे आसपास के क्षेत्रों में शराब संबंधी गतिविधियों के विरुद्ध गश्त कर कार्रवाई की जा रही है। गुप्त सूचना के आलोक में उत्पाद बलों ने जंगली और नदी के बगल से जांच चौकी को बाईपास करके रजौली की ओर जाने वाले वैकल्पिक रास्ते से एक पल्सर बाइक संख्या जेएच12टी 1661 पर सवार दो लोगों को रोका गया। जांच के क्रम में बाइक पर बोरा और बड़ा थैला में रखे 375 एमएल वाले रॉयल स्टैग के 51 बोतल व रॉयल ग्रीन के 12 बोतल एवं 500 एमएल वाले किंगफिशर बियर के 24 केन बरामद हुआ है,जिसकी कुल मात्रा 36.225 लीटर है। जब्त शराब एवं बाइक के साथ गढ़ दिबौर गांव निवासी कारू तुरिया के पुत्र राम कुमार के साथ एक विधि निरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। जबकि शराब परिवहन में दिबौर गांव निवासी बैजू यादव के पुत्र प्रदीप कुमार उत्पाद गिरफ्तार से बाहर रहा। वहीं दूसरी ओर झारखंड के कोडरमा से आ रही हुंडई की लग्जरी कार संख्या डीएल03सीबीई2674 को जांच हेतु रोका गया। जांच के क्रम में कार के पिछले सीट पर रखे चैन लगे बड़े थैलों एवं डिक्की में रखे बैग से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ केन बीयर को बरामद किया गया है। कार में सवार रहे दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोग नालंदा जिले के बिहारशरीफ निवासी पंकज कुमार के पुत्र अमन सेठ और विजय कुमार के पुत्र पंकज कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार लोगों ने पूछताछ के क्रम में बताया कि वे कोडरमा से शराब लेकर बिहारशरीफ जा रहे थे। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जब्त शराब व बियर के अलावे बाइक व कार के साथ गिरफ्तार और फरार लोगों विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार लोगों को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

अतिक्रमण मुक्ति के 36 घंटे बाद भी अंधेरे में डूबा अंधरवारी मोड़, पेयजल के लिए भटक रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली एनएच-20 पर स्थित अंधरवारी मोड़ पर एनएचआई द्वारा चलाए गए अतिक्रमण मुक्ति अभियान के बाद पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया है। रविवार को दर्जनों घरों पर बुलडोजर चलाने के दौरान बिजली के दो खंभे भी टूट गए थे। एनएचआई ने तुरंत बिजली बहाल करने का भरोसा दिया था, लेकिन 36 घंटे बीत जाने के बाद भी आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इससे ग्रामीणों को पीने के पानी से लेकर रोजमर्रा के कामों तक में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

अंधरवारी पंचायत के मुखिया विनोद राजवंशी उर्फ भोला राम, पैक्स अध्यक्ष राजेश कुमार और ग्रामीण राजकुमार चौधरी, रमाशीष प्रसाद यादव, राजेश चौधरी, राजदेव राय, अनिल कुमार मेहता, बाबूलाल प्रसाद यादव ने बताया कि रविवार सुबह 5 बजे के बाद से क्षेत्र की बिजली काट दी गई। इसके बाद अब तक चालू नहीं की गई है। शिकायत करने के बावजूद एनएचएआई के अधिकारी गंभीर नहीं दिख रहे। बिजली नहीं रहने से घरों में लगी पानी की टंकियां सूख गई हैं। बच्चे बिना नहाए स्कूल और ट्यूशन जा रहे हैं। कई परिवारों को पीने और नहाने के लिए दूर से बाल्टी में पानी लाना पड़ रहा है। गर्मी और उमस के कारण रात में नींद भी नहीं आ रही। गावर कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आर के त्रिपाठी ने बताया कि रविवार शाम को ही बिजली मिस्त्री और कर्मियों की टीम को लाइन दुरुस्त करने भेजा गया था। लेकिन ग्रामीणों द्वारा कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के कारण वे काम पूरा किए बिना लौट आए। उन्होंने कहा कि सोमवार को फिर से टीम भेजी गई है। अतिक्रमण हटाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुए तारों

तीन पंचायतों में आज सहयोग शिविर, तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। आम लोगों की समस्याओं एवं जन शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से राज्य सरकार की पहल पर मंगलवार को प्रखंड के तीन पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन ने इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली है। अंछा व बेलवां पंचायतों के पंचायत भवन एवं मनार पंचायत के पंचायत सरकार भवन में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं, जहां ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा कर सकेंगे। त्वरित निष्पादन योग्य मामलों का निपटारा शिविर स्थल पर ही किया जाएगा, जबकि अन्य आवेदनों का समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। बीडीओ मो. जफर इमाम ने शिविर स्थलों का निरीक्षण कर प्रतिनियुक्त कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि तीनों पंचायतों से पूर्व में भी लगभग तीन दर्जन से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके निष्पादन की प्रक्रिया जारी है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-पीएफ-शेड-26एसटीएन, दिनांक: 28.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-पीएफ-शेड-26एसटीएन के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** अनुसूची ए- हावड़ा मंडल के तालित, खाना, झपाटेर ढाल, बनपास, नोआदार ढाल, गुसकरा, पिचकुरिरढाल, भेदिया, बोलपुर शांतिनिकेतन, प्रांतिक, कोपाई, अहमदपुर, बातासपुर, सांईथिया, गदाधरपुर, मल्लारपुर जैसे गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। अनुसूची बी- हावड़ा मंडल के 26 स्टेशनों पर गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। अनुसूची सी- हावड़ा मंडल के बेलानगर, डानकुनी, गोबरा, जनाई रोड, बेगमपुर, बारुईपाड़ा, बलरामबाटी, मिर्जापुर बांकीपुर, कामारकुंडु, मधुसूदनपुर, चंदनपुर, पोडाबाजार, बेलमुड़ि, शिबाईचंडी, हाजीगढ़ जैसे गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। अनुसूची डी- वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में आदिसप्तग्राम, मगरा, तालाण्डु, खन्यान, पाण्डुया, सिमलागढ़, बैंची, बैंचीग्राम, देबीपुर, निमो, बागिला, रसूलपुर, हुगली घाट, गरिफा स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। अनुसूची ई- वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा के खंड में गुड़ाप, झापनडांगा, जौग्राम, मसाग्राम, नबग्राम, चांचाइ, पल्ला रोड, शक्तिगढ़ और गंगपुर स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 5,43,70,087.99, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 10,87,400/-**निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 9 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय :** 28.08.2026 को 14.59 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 07.09.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 21.09.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। HWH-313/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सहकारी समितियों को स्वायत्त, व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य सहकारी नीति 2026 के प्रभावी कार्यान्वयन तथा इसके अनुरूप बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम एवं नियमावली में आवश्यक संशोधनों के संबंध में सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव की अध्यक्षता में केन्द्रीय सहकारी बैंकों के अध्यक्षों, पैक्स अध्यक्षों एवं शीर्ष सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता सचिव धर्मेन्द्र सिंह तथा निबंधक, सहयोग समितियां रजनीश कुमार सिंह सहित विभागीय पदाधिकारी एवं सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विभागीय पदाधिकारियों द्वारा बिहार राज्य सहकारी नीति 2026 के प्रावधानों के आलोक में सहकारी अधिनियम, नियमावली एवं उपविधियों में आवश्यक संशोधन के लिए चिन्हित प्रमुख क्षेत्रों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसके साथ ही सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों से अन्य आवश्यक क्षेत्रों में संशोधन एवं सुधार के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए। बैठक में सहकारी समितियों की सदस्यता प्रक्रिया को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने तथा सदस्यता से संबंधित अपील की प्रक्रिया को सुगम करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक नियंत्रण एवं पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। सहकारी समितियों के बोर्ड के लोकतांत्रिक संचालन को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अधिनियम की धारा 41(5) में आवश्यक संशोधन पर भी विचार किया गया। बैठक में सहकारी समितियों के कर्मचारियों से संबंधित विषयों पर भी महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा तथा नियमित वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था किए जाने, कर्मचारियों के लिए न्यूनतम योग्यता निर्धारित करने तथा वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन में अनावश्यक विलंब अथवा उल्लंघन की स्थिति में आर्थिक दायित्व निर्धारित करने संबंधी प्रावधानों में आवश्यक संशोधन पर चर्चा की गई। साथ ही समितियों के लाभ से एक विशेष तकनीकी विकास कोष के गठन तथा कमजोर सहकारी समितियों के पुनरुद्धार के लिए विशेष सहकारी संरचना/समिति के गठन की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने उपस्थित प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बिहार राज्य सहकारी नीति 2026 का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को अधिक मजबूत, लोकतांत्रिक, पारदर्शी, स्वायत्त एवं व्यावसायिक बनाना है।

डिजिटल उर्वरक बिक्री व्यवस्था से पारदर्शिता और जवाबदेही को मिलेगा बढ़ावा : कृषि मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि भवन सभागार, मीठापुर, पटना में 'खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ' विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर एवं सुगमता से उपलब्ध कराना कृषि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि उर्वरक किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कृषि इनपुट है और इसकी उपलब्धता, वितरण एवं बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक है। कृषि मंत्री ने कहा कि इसी उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल एवं किसान-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसके साथ आइएफएमएस एवं एग्रीस्टेक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है। नई व्यवस्था की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिन किसानों की भूमि संबंधी जानकारी फार्मर रजिस्ट्री में उपलब्ध है, उनके लिए आवश्यक विवरण फार्मर आइडी के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। वहीं अन्य किसान भी एफएसएएस पर पंजीकरण कर उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए किसान जिस खेत के लिए उर्वरक लेना चाहते हैं, उस खेत का खाता एवं खेसरा संख्या, क्षेत्रफल तथा फसल का विवरण उपलब्ध कराएंगे। उपलब्ध जानकारी के आधार पर आइसीएआर की अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरक की आवश्यकता की गणना की जाएगी तथा किसान को एक क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। यह क्यूआर कोड तीन दिनों तक वैध रहेगा और इसके माध्यम से किसान क्यूआर कोड में अंकित अधिकृत उर्वरक विक्रेता से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान कर उर्वरक खरीद सकेंगे।

ताशकंद यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

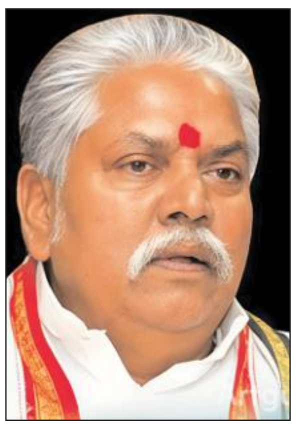

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उज्बेकिस्तान के ताशकंद दौरे को भारत की विदेश नीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक कूटनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई सार्थक वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' तक ले जाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और प्रधानमंत्री मोदी की प्रभावी कूटनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान से भारत को दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति की दिशा में हुई प्रगति देश की ऊर्जा सुरक्षा और शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को मजबूती देगी। व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल तकनीक, महत्वपूर्ण खनिज, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने से दोनों देशों के विकास को नई गति मिलेगी। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत समानता, सम्मान और पारस्परिक हितों के आधार पर विश्व के प्रमुख देशों से मजबूत संबंध स्थापित कर रहा है। ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय सम्मान दिया जाना भी भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नई रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों की जनता के लिए समृद्धि, शांति, विकास और ऊर्जा सुरक्षा के नए अवसर लेकर आएगी।

धनकली देवी की छठी पुण्यतिथि पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. सुरेश पासवान की धर्मपत्नी धनकली देवी की छठी पुण्यतिथि पर पटना स्थित आवास पर सादे समारोह में सर्वधर्म प्रार्थना सह श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों लोगों ने उनके तैलचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. धनकली देवी का सामाजिक सरोकारों से गहरा आत्मीय जुड़ाव था। उनका व्यक्तित्व उच्च कोटि का था और विशेष रूप से घर आने वाले लोगों के प्रति उनका स्नेह एवं अपनापन उल्लेखनीय रहा। उनके व्यक्तित्व और आत्मीय व्यवहार को भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को परिवार और सामाजिक दायित्वों के प्रति बेहतर संदेश देते हैं। आज समाज में कई तरह की कुरीतियां हैं और लोग अपने परिवार की स्मृतियों को संजोने के बजाय आडंबर की ओर चले जाते हैं। माता-पिता परिवार की प्रतिमूर्ति होते हैं जबकि पत्नी अर्धांगिनी के रूप में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। धनकली देवी को याद करते हुए वक्ताओं ने उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। श्रद्धांजलि सभा में उनके पुत्र मिथिलेश कुमार, कमलेश कुमार, दीपक कुमार, पुत्री कुसुम कुमारी, सुषमा कुमारी तथा पुत्रवधू सीमा कुमारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग निरंतरता बरकरार रखें : राजीव रंजन शुक्ला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला की अध्यक्षता में 'हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में ए. आई. के प्रयोग' विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना थे। कार्यक्रम के आरंभ में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में अपने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग अच्छे ढंग से किये जाने की बात कही साथ में उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता है कि ऐसी निरंतरता बरकरार रखा जाए। इस अवसर पर केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला द्वारा रचित पुस्तक प्रकृति की गूंज की एक प्रति को मुख्य अतिथि अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना के साथ साझा किया गया। इसके उपरांत मुख्य वक्ता अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा कार्यालय में सरल एवं सहज रूप से काम करने के लिए हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में ए. आई. के प्रयोग को विस्तृत रूप से बताया गया तथा हैंड्स ऑन भी कराया गया। इस कार्यशाला में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना के अलावे केंद्रीय जल आयोग, पटना एवं भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पटना कार्यालय के अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यशाला के अंत में राजभाषा हिन्दी पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में मंच का संचालन ऋचा गौतम, वैज्ञानिक एन ने किया तथा खुशबू आनंद, वैज्ञानिक-घ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

93 प्रतिशत महिलाओं ने माना पिंक बस सबसे सुरक्षित

बीएसआरटीसी एवं एमएससी सर्वे की रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा का ख्याल रखते हुए राज्य सरकार के स्तर से चलाई जा रही पिंक बस सेवा एक उल्लेखनीय प्रयास है। यह बस सेवा महिलाओं के प्रति समाज में समानता और समावेश की संस्कृति को मजबूत कर रही है। सुरक्षित और किफायती यात्रा के साथ ही यह बिहार की महिलाओं के सशक्त भविष्य की प्रतीक बन चुकी है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम एवं माइक्रोसेव कंसल्टिंग के हालिया संयुक्त सर्वेक्षण ने स्पष्ट किया है कि यह बस महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही के साथ आर्थिक सशक्तीकरण भी कर रही है। सर्वेक्षण के अनुसार सुरक्षा पिंक बस चुनने का सबसे बड़ा कारण बनी है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने इसे अपनी यात्रा का मुख्य आधार बताया है। सेवा को औसतन 5 में से 4.6 मिले, जो उपयोगकर्ताओं के गहरे विश्वास को दर्शाता है। यह सर्वेक्षण पटना, गया और मुजफ्फपुर जैसे प्रमुख जिले में आयोजित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार यात्रियों में सबसे अधिक संख्या 47 प्रतिशत रोजाना स्कूल-कॉलेज जाने वाली छात्राओं और 35 प्रतिशत वेतनभोगी महिलाओं की है।

प्रधानमंत्री के 25 साल के सार्वजनिक जीवन पर भाजपा का महीने भर चलेगा 'सेवा अभियान'

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को व्यापक स्वरूप में मनाएग भाजपा : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी बिहार में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा माह' के रूप में व्यापक अभियान चलाएगी। इस अभियान के दौरान सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्रनिर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के लिए किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसी अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना स्थित अटल सभागार में राज्य स्तरीय प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में सेवा माह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, जिम्मेदारियों और जनभागीदारी बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को भाजपा पूर्व से ही 'सेवा पखवाड़े' के रूप में मनाती रही है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के महत्वपूर्ण अवसर को देखते हुए इसे व्यापक स्वरूप प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाला यह सेवा माह प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के अपने सार्वजनिक जीवन में गरीब, वंचित, किसान, युवा, महिला और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है।

ज्वेलरी महोत्सव के दूसरे दिन ज्ञान भवन पहुंचे प्रदेशभर के आभूषण दुकानदार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी के ज्ञान भवन में स्वर्णकार समाज विकास एवं शोध संस्थान के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ज्वेलरी महोत्सव के दूसरे दिन बड़ी संख्या में बिहार भर से आभूषण दुकानदार पहुंचे और उन्होंने आभूषण निर्माण के क्षेत्र में नयी तकनीक की जानकारी हासिल की। इस सबंध में ज्वेलरी महोत्सव के आयोजक एसएसवीएएसएस के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि इस महोत्सव में शामिल होने के लिए बिहार भर से ज्वेलरी विक्रेताओं को उनके दुकान पर जाकर आमंत्रित किया गया था इसका ही फलाफल ही इस महोत्सव में बिहार भर से दुकानदार शामिल होकर ज्वेलरी के क्षेत्र में नयी तकनीक की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

योजनाओं में एसडीजी का प्रभावी समावेशन जरूरी : डॉ. एन. विजयलक्ष्मी

योजनाओं और बजट आवंटन में एसडीजी की प्रभावी टैगिंग पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में सतत विकास लक्ष्यों को सरकारी योजनाओं और बजट प्रक्रिया से प्रभावी रूप से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इसी क्रम में योजना एवं विकास विभाग और बिहार लोक वित्त एवं नीति संस्थान के सहयोग से वित्त विभाग की ओर से सोमवार को पटना स्थित बापू टावर में 'बिहार में सतत विकास लक्ष्यों के लिए बजट निर्माण' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यक्रमों में 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से समाहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बजट में किए जाने वाले आवंटनों को संबंधित सतत विकास लक्ष्यों के साथ उचित तरीके से टैग किया जाना चाहिए। इसके साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन के बाद प्राप्त परिणामों को भी एसडीजी से जोड़कर देखा जाए तो इससे वार्षिक बजट निर्माण की प्रक्रिया और अधिक सार्थक एवं परिणामोन्मुखी बन सकेगी। डॉ. विजय लक्ष्मी ने कहा कि वर्ष 2030 तक निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल करने के लिए अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने वित्त विभाग से पंचायत स्तर पर सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में पहल करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने सभी सरकारी विभागों और सहयोगी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा एसडीजी की उपलब्धियों को लेकर एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने की जरूरत बताई। अध्यक्षता करते हुए वित्त विभाग की सचिव (व्यय) एवं बिहार लोक वित्त एवं नीति संस्थान की निदेशक ने राज्य में विभिन्न प्रकार के बजट निर्माण के लिए संवेदनशील, समन्वित और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में बाल बजट, जेंडर बजट और हरित बजट जैसे महत्वपूर्ण बजट दस्तावेज पहले से तैयार किए जा रहे हैं।

नेपाल त्रासदी के पीड़ितों की स्मृति में कैंडल मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेपाल में हुई भीषण प्राकृतिक त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में खाजपुरा शिव मंदिर से राजा बाजार हनुमान मंदिर तक कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च में पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हैं। वहीं दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि कैंडल मार्च के माध्यम से नेपाल त्रासदी के पीड़ितों के प्रति संवेदना और एकजुटता का संदेश दिया गया है।

2 सितंबर से ज्ञान भवन में वार्षिक दशहरा मेला का आयोजन, 230 स्टॉल में दिखेगी देशभर की विविधता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित वार्षिक दशहरा मेला - 2026 के पांचवे संस्करण का आयोजन 2 सितंबर से 6 सितंबर, 2026 तक किया जा रहा है। ज्ञान भवन के वातानुकूलित बहु - उद्देशीय हॉल में लगाया जाने वाला यह मेला बिहार का सबसे बड़ा मेला है। यह मेला एमएसएमई द्वारा मान्यता प्राप्त है जिसमें महिला उद्यमियों के साथ नाबार्ड, डब्लूसीडीसी, उद्योग विभाग, बिहार सरकार सहित अन्य सरकारी व गैर सरकारी एजेंसियां शामिल हो रही हैं। स्थानीय बीआईए सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मेले की जानकारी देते हुए बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 230 से अधिक स्टॉल वाले इस मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री लेसी सिंह के कर - कमलों द्वारा किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएसएमई डीएफओ पटना के सहायक निदेशक, उद्योग विभाग के अधिकारी, सीजीएम नाबार्ड, बिहार म्यूजियम के निदेशक तथा केवीआईसी के निदेशक शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मेले में भारत के विभिन्न राज्यों तथा बिहार की महिला उधमियों के द्वारा स्टॉल्स लगाए जा रहे हैं। वहीं संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल ने कहा कि बिहार महिला उद्योग संघ पिछले 31 वर्षों से महिला उधमियों के लिए मेले के माध्यम से उन्हें अपने सामान को बेचने के लिए एक मंच प्रदान करती है जहां वो अपने द्वारा तैयार किये गए सामानों को बेचती हैं।

नेपाल से बाढ़ के पानी के साथ बिहार पहुंची अज्ञात मछलियां, सरकार ने जारी की एडवाइजरी

आम लोगों से की अज्ञात मछलियों को खाने से बचने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में बाढ़ के साथ ही एक नया खतरा सामने आया है। नेपाल से बाढ़ के पानी के साथ बिहार के कुछ क्षेत्रों में अज्ञात एवं असामान्य प्रकार की मछलियों के पहुंचने की सूचना है। साथ ही इनके सेवन से कुछ लोगों के बीमार पड़ने की भी खबर है। इसे लेकर जनहित में डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मत्स्य प्रभाग ने एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में विभाग ने बताया है कि बाढ़ के दौरान तालाबों, नदियों, झीलों एवं जलाशयों से मछलियां निकलकर पानी के साथ दूर-दूर तक फैल जाती हैं। ये मछलियां गंदी नालियों, मृत जानवरों और अन्य गंदगी के लगातार संपर्क में रहने के कारण जीवाणुओं, विषाणुओं और कवकों आदि से दूषित हो जाती हैं। ऐसी मछलियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक वातावरण स्थिर न हो जाए और प्राकृतिक रूप से गंदगी एवं रोग फैलाने वाले कारक समाप्त न हो जाएं, तब तक बाढ़ के पानी से पकड़ी गई मछलियों का उपयोग न किया जाए। विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि अज्ञात अथवा असामान्य दिखने वाली मछलियों का सेवन न करें। बाढ़ के पानी से पकड़ी गई मछलियों को बाजार में खरीदने-बेचने और खाद्य उपयोग में लाने से बचें।

पटना में हुआ मुख्य पार्षद महासंघ की राज्यस्तरीय संगोष्ठी

अपने अधिकारों को लेकर पार्षद महासंघ के सदस्यों ने दिखाई एकजुटता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के नगर निकायों के निर्वाचित मुख्य पार्षदों के अधिकार, वित्तीय शक्तियां, सुरक्षा और नगर निकायों की स्वायत्तता को लेकर सोमवार को पटना के विद्यापति भवन में मुख्य पार्षद महासंघ की राज्यस्तरीय संगोष्ठी आयोजित हुई। इस संगोष्ठी में बिहार के विभिन्न नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों से बड़ी संख्या में मुख्य पार्षद, उनके प्रतिनिधि और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष कुमार राघवेंद्र राघव ने की। महासंघ के उपाध्यक्ष निलेश कुमार, महासचिव किरण उपाध्याय, सचिव-सह-मीडिया प्रभारी सचिन गुप्ता, संयुक्त सचिव अमित कुमार, सचिव डेजी कुमारी और कोषाध्यक्ष अर्चना कुमारी ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। संगोष्ठी में विभिन्न नगर निकायों से आए जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में कार्य करने के दौरान सामने आने वाली समस्याओं को प्रमुखता से रखा। जनप्रतिनिधियों का कहना था कि शहरों के विकास और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्वाचित मुख्य पार्षदों को उनके वैधानिक अधिकार प्रभावी रूप से मिलना जरूरी है। अध्यक्ष कुमार राघवेंद्र राघव के नेतृत्व में मुख्य पार्षदों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी के साथ उनके अधिकार भी स्पष्ट होने चाहिए। ताकि नगर निकायों का संचालन अधिक प्रभावी तरीके से हो सके। महासचिव किरण उपाध्याय ने सशक्त स्थायी समिति के अधिकार, मुख्य पार्षद की भूमिका और प्रशासनिक व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि नगर निकायों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका मजबूत किए बिना शहरी विकास को अपेक्षित गति देना मुश्किल है।

राहुल गांधी पर उत्तराखंड में दर्ज मुकदमे के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उत्तराखंड में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर दर्ज मुकदमे तथा भाजपा की कथित दलित विरोधी नीतियों के खिलाफ बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में गोसाई टोला मोड़ के आगे मेरीन ड्राइव मोड़ के पास सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि राहुल गांधी पर मुकदमा दर्ज कर देने से कांग्रेस की आवाज नहीं दबेगी। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहे हैं। भाजपा को राहुल गांधी जी की आवाज दबाने के बजाय जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने वाली है। देश में दलितों, पिछड़ों, गरीबों और वंचितों के अधिकारों पर लगातार हमला किया जा रहा है।

संपादकीय

तीन साल से मणिपुर में हिंसा का सिलसिला, आखिर क्यों नहीं निकाल पा रही सरकार स्थायी रास्ता ?

मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। यह किसी भी राज्य सरकार के लिए एक बेहद असहज और शर्मिंदगी की स्थिति होनी चाहिए कि आखिर तीन साल से ज्यादा वक्त से वह वहां जारी हिंसा को थाम पाने में नाकाम क्यों है। मणिपुर में उग्रवादी समूहों की ओर से जिस तरह की हिंसक गतिविधियां लगातार जारी हैं, हर कुछ दिनों बाद हमले, आगजनी या हत्या की घटनाएं सामने आ जाती हैं, उससे यह साफ है कि सरकार हालात पर काबू पाने के मामले में लाचार है।हैरानी की बात यह है कि आए दिन हिंसा की तमाम घटनाएं अपनी प्रकृति में एक जैसी हैं और उससे निपटने के लिए सरकार के भीतर सिर्फ इच्छाशक्ति की जरूरत है, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से स्थिति पर काबू पाने को लेकर जरूरी संजीदगी नहीं दिखाई देती। जबकि इसका नतीजा यह है कि आए दिन वहां नाहक ही आम लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। सवाल है कि इतने लंबे समय से जारी हिंसक घटनाएं आखिर किन वजहों से आज भी रोकी नहीं जा पा रही हैं?गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी थाना क्षेत्र के तहत इंफाल-तामेई आईटी मार्ग पर स्थित बस्ती में गुरुवार की सुबह कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। मारे गए लोग नगा समुदाय से थे। वहां सुरक्षा व्यवस्था की जो स्थिति थी, उसके मुताबिक नगा समुदाय के लोगों ने स्वाभाविक ही यह आरोप लगाया कि सरकार ने एक तरह से उग्रवादी संगठनों को खुली छूट दे रखी है और हिंसा की घटनाएं सुनियोजित हैं। सरकार पर ऐसे आरोप पहले भी अन्य समुदायों की ओर से लगाए जा चुके हैं। यह एक तरह से पीड़ित समूहों की ओर से सरकार को सीधे-सीधे कठघरे में खड़ा करना है। इस घटना के कुछ ही दिन पहले सेनापति जिले में उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी थी। न केवल पिछले कुछ दिनों से हिंसक घटनाओं में आई तेजी के मद्देनजर, बल्कि राज्य में इस समस्या की शुरुआत से ही सरकार का जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए यह सवाल लाजिमी है कि वहां आज भी निर्दोष लोगों की हत्याओं से लेकर स्थानीय आबादी के घरों को जलाने या अन्य बेलगाम हमलों के जारी रहने के आखिर क्या कारण हैं।यह साफ है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के जिस मसले पर मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी, उसका समाधान निकालने को लेकर सरकार ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे राज्य में जारी तनाव को खत्म करने में मदद मिले। वहां जारी हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, करीब ग्यारह सौ लोग घायल हुए और कई हजार को विस्थापित होना पड़ा।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा- आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

(अशोक भाटिया)

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा। सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है ।

जीवन की राह में कठिनाइयां क्यों जरूरी हैं, शिकायत से जिम्मेदारी तक का सफर ही असली साधना

(ममता कुशवाहा)

साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। मनुष्य जब इस संसार में पदार्पण करता है, तो उसके साथ न कोई विधान आता है, न कोई प्रतिज्ञापत्र, जिस पर लिखा हो कि जीवन सदैव सुखद, सरल और मनोवांछित ही रहेगा। फिर भी हममें से अधिकांश लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि जीवन का स्वाभाविक स्वरूप सुख है, और दुख उसमें कोई अवांछित हस्तक्षेप। जब भी विपत्ति का बादल घिरता है, हम आकाश की ओर उंगली उठाकर पूछ बैठते हैं- 'मेरे ही साथ ऐसा क्यों?' यह प्रश्न स्वाभाविक है, लेकिन इसका उत्तर शिकायत में नहीं, स्वीकृति में छिपा है। जीवन को अगर हम एक न्यायालय मान लें, जहां हम वादी बनकर नियति के विरुद्ध याचिका दायर करते रहें, तो हमारा समूचा अस्तित्व एक असमाप्त मुकदमे में बदल जाता है। अगर हम जीवन को एक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करें, एक ऐसा दायित्व, जो प्रत्येक सुबह के साथ नया होकर हमारे सम्मुख उपस्थित होता है, तो वही जीवन एक साधना बन जाता है। विक्टर फ्रैंकल ने अपने अनुभवों से यह प्रतिपादित किया था कि जीवन हमसे प्रश्न नहीं पूछता, बल्कि वह स्वयं एक प्रश्न है, जिसका उत्तर हमें अपने कर्मों और आचरण से देना होता है। गीता में कहा गया है कि फल की चिंता किए बिना कर्म में प्रवृत्त होना ही मनुष्य का धर्म है। हर परिस्थिति, चाहे वह सुखद हो या विषम, दरअसल, एक अनकहा प्रश्न लेकर हमारे द्वार पर दस्तक देती है। कोई प्रियजन का बिछोह हमसे धैर्य की परीक्षा लेता है, कोई असफलता साहस की मांग करती है, कोई विश्वासघात हमसे यह पूछता है कि क्या हम फिर भी प्रेम करने का साहस रखते हैं। इन प्रश्नों से पलायन संभव नहीं। संभव केवल इतना है कि हम इनका उत्तर किस भाव से दें- विवशता के साथ या समर्पण के साथ, कटुता के साथ या करुणा के साथ। साहस, धैर्य, प्रेम और कर्म- ये केवल शब्द नहीं, बल्कि वे चार स्तंभ हैं, जिन पर मनुष्य के आत्मिक भवन का निर्माण होता है। साहस वह ज्योति है, जो अंधकार से भयभीत नहीं होती। धैर्य वह जड़ है, जो आंधी में भी वृक्ष को धरती से बांधे रखती है। प्रेम वह जल है, जो सूखी हुई आत्मा को फिर से हरा-भरा करता है और कर्म वह हाथ है, जो विचारों को यथार्थ का रूप देता है। जब जीवन कोई कठिन प्रश्न प्रस्तुत करे, तो इन्हीं चार स्तंभों की ओर देखना चाहिए, क्योंकि इनके बिना कोई भी उत्तर अधूरा और खोखला रह जाता है। कठिनाइयां दरअसल उस आंतरिक शक्ति की परिचायक होती हैं, जो सामान्य दिनचर्या के सहज प्रवाह में अप्रकट रहती है। मनुष्य का चरित्र विपत्ति की भट्ठी में तपे बिना अपनी वास्तविक चमक नहीं पाता। सुख के दिनों में तो प्रत्येक व्यक्ति खुद को साहसी और धैर्यवान समझता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा तब होती है, जब सब कुछ हाथ से छूटता प्रतीत हो। ऐसे क्षणों में जो व्यक्ति टूटने के बजाय खुद को नए सिरे से गढ़ लेता है, वही जीवन को समझ पाता है। हमारे दैनिक जीवन में यह सिद्धांत अनेक रूप में प्रकट होता है। एक माता-पिता, जो अपनी संतान की बीमारी में रात-दिन एक कर देते हैं, वे शिकायत नहीं करते, बल्कि अपने उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। एक शिक्षक, जो सीमित संसाधनों में भी अपने विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने में जुटा रहता है, वह भी इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है। एक श्रमिक, जो प्रतिदिन कठोर परिश्रम के पश्चात भी अपने परिवार के प्रति स्नेह और कर्तव्य में कमी नहीं आने देता, वह भी नियति के प्रश्न का उत्तर अपने कर्म से दे रहा होता है। यह उत्तरदायित्व किसी महान कार्य में ही नहीं, बल्कि इन्हीं छोटी-छोटी प्रतीत होने वाली साधारण घटनाओं में सन्निहित है। आधुनिक युग ने जीवन के अर्थ को सुख, धन और सफलता के त्रिकोण में सीमित कर दिया है। हम यह मान बैठे हैं कि जिसके पास अधिक धन है, जिसकी सफलता की गाथाएं सुनी-सुनाई जाती हैं, वही जीवन का वास्तविक विजेता है। मगर गहराई से विचार करें, तो पाएंगे कि धन और सफलता क्षणभंगुर हैं, वे आज हैं, कल नहीं भी हो सकते। जीवन का सच्चा अर्थ इन बाह्य उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस आंतरिक निष्ठा में निहित है, जिससे हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं। एक व्यक्ति, जो निर्धनता में भी अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ता, जो असफलता में भी अपने मूल्यों से समझौता नहीं करता, वह धनवान और सफल व्यक्ति से कहीं अधिक सार्थक जीवन जी रहा होता है। यह स्वीकृति सरल नहीं है। मनुष्य का स्वभाव है कि वह सुविधा चाहता है, संघर्ष नहीं, लेकिन संघर्ष के बिना जीवन का कोई अर्थ शेष नहीं रहता। जिस प्रकार नदी अपने प्रवाह में अनेक अवरोधों को पार करते हुए ही सागर तक पहुंचती है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपनी कठिनाइयों को पार करते हुए अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य तक पहुंचता है। यह यात्रा कष्टप्रद अवश्य है, पर इसी कष्ट में वह माधुर्य छिपा है, जो सुगम मार्ग पर चलने वाले को कभी प्राप्त नहीं होता।

हिमालय की हिमनद झीलें बढ़ा रहीं खतरा, कहीं अगली बाढ़ का कारण न बन जाएं ये जलाशय

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

(प्रमोद भार्गव)

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है।

नेपाल में आई बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ जानमाल के तात्कालिक व्यापक नुकसान की डरावनी तस्वीर ही पेश नहीं करती, बल्कि यह भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी की ओर भी इशारा करती है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपने आकलन में कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, बल्कि तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से बनी झील के टूटने की वजह से आई है। इससे पहले गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था।

खबरों के अनुसार, 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बताते हैं कि बढ़ते वैश्विक ताप से हिमनदों के पिघलने की गति तेज हो रही है, जिससे उनके टूटकर खिसकने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यही नहीं, हिमनदों के पिघलने से हिमालयी क्षेत्र में जहां नई झीलों का निर्माण हो रहा है, वहीं पुरानी झीलों का आकार भी बढ़ रहा है, जिन्हें निचले इलाकों की आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

नेपाल की इस त्रासदी से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्रलय आया, वह 17 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित था।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल के विज्ञानियों द्वारा किए गए आकलन से पता चला है कि इस क्षेत्र में 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि नेपाल की नदियों में इन झीलों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 हिमनद झीलें नेपाल में हैं और बाकी तिब्बत के सीमावर्ती इलाके में स्थित हैं। ये झीलें उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं।

इसलिए अगर इनके फटने से बाढ़ आती है, तो नीचे की ओर बसी आबादी और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। यही संकट नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही में देखा गया है। यह चेतावनी यदि अनुमानों पर सही उतरती है, तो कहा जा सकता है कि नेपाल खतरे के मुहाने पर है।

भारत के इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से विभिन्न अध्ययनों से जुटाए गए आंकड़े भी डराने वाले हैं। इनके मुताबिक, भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं, क्योंकि बढ़ते वैश्विक ताप के कारण इन झीलों में बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं।

लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनद झीलों में से 2,431 ऐसी हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दस हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें विभिन्न सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिमनद झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

कुछ झीलों के बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाटी झील का आकार सर्वाधिक 178 फीसद बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में दस लाख लोग हिमनद झीलों के बीस-तीस किमी के दायरे में रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बाढ़ की घटनाओं में तेजी आ सकती है, जिससे सालाना बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हो सकता है। साफ है कि वैश्विक ताप के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक तेज बारिश, बादल फटने, बाढ़, भारी बर्फबारी या फिर सूखे के कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान या फिर ज्वालामुखियों के फटने की घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी आ सकती हैं।

सहयोग शिविर के आवेदनों के निष्पादन को लेकर नगर आयुक्त ने की समीक्षा

01 सितंबर को प्रस्तावित सहयोग शिविर की तैयारियों का भी लिया जायजा, अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार के सभागार में नगर आयुक्त संतोष कुमार की अध्यक्षता में सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन एवं प्रगति की समीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 01 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार ने नगर निगम की विभिन्न प्रशाखाओं में सहयोग शिविर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने लंबित एवं निष्पादित आवेदनों की जानकारी लेते हुए संबंधित शाखा प्रभारियों को निर्देश दिया कि सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाय। नगर आयुक्त श्री कुमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि

सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। ऐसे में किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उसकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी की जाए।उन्होंने सभी प्रशाखा प्रभारियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों को नगर निगम की सेवाओं का लाभ सरल, सुगम एवं प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। समीक्षा के दौरान 01 सितंबर को होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को शिविर में आने वाले नागरिकों की सुविधा, आवेदनों के त्वरित संकलन एवं उनके निष्पादन की प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।बैठक में नगर निगम की विभिन्न प्रशाखाओं के प्रभारी पदाधिकारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सहयोग शिविर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निष्पादन में गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए आमजन को बेहतर नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराएं। इस दौरान सहायक अभियंता विवेक कुमार, सीटी मैनैजर ज्योति कृष्णमुर्ति, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, मो. नुर अली खान, प्रधान सहायक परवेज सलीम सहित अन्य मौजूद रहे।

मेहनत की रोशनी में चमका वैष्णवी का भविष्य पहले प्रयास में यूजीसी नेट में 96.58 पर्सेंटाइल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। कहते हैं कि मजबूत इरादे और लगातार मेहनत के सामने कोई मंजिल दूर नहीं होती। इसे नगर पंचायत बरारी की बेटी वैष्णवी कुमारी ने सच कर दिखाया है। वैष्णवी ने हिंदी साहित्य विषय से यूजीसी नेट परीक्षा में पहले ही प्रयास में 96.58 पर्सेंटाइल हासिल कर परिवार और क्षेत्र उन्होंने नियमित पढ़ाई, सेल्फ स्टडी और ऑनलाइन क्लास के माध्यम से यूजीसी नेट की तैयारी की। परिवार ने हर कदम पर उनका साथ दिया, वहीं शिक्षकों और गुरुजनों के मार्गदर्शन ने भी सफलता की राह आसान की।गुरुनानक विद्यालय से शुरू किया सफर, डीएस कॉलेज से किया पीजी वैष्णवी ने मैट्रिक और

का नाम रोशन किया है।नगर पंचायत बरारी के वार्ड संख्या 5 निवासी वैष्णवी कुमारी, रामनाथ चौरसिया और नीलम देवी की पुत्री हैं। परिवार के अनुसार, कटिहार जिले में हिंदी साहित्य विषय से यूजीसी नेट क्वालीफाई करने वाली वैष्णवी एकमात्र अभ्यर्थी हैं। उनकी सफलता के बाद घर में जश्न जैसा माहौल है। मां नीलम देवी, पिता रामनाथ चौरसिया, भाई राज कुमार, चाचा कृष्ण कुमार चौरसिया और चाची रेणु कुमारी ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। वैष्णवी के भाई राज कुमार ने बताया कि वह शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर रही हैं। इंटरमीडिएट की शिक्षा गुरुनानक विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद महिला कॉलेज कटिहार से हिंदी विषय में स्नातक और डीएस कॉलेज से हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। पीजी के बाद उन्होंने यूजीसी नेट को अपना लक्ष्य बनाया और पूरी लगन से तैयारी शुरू कर दी।वैष्णवी ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। आत्मविश्वास, निरंतर सेल्फ स्टडी और ईमानदार मेहनत से ही सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। उनकी सफलता अब बरारी और आसपास के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। स्थानीय जूनियर स्कॉटिश पब्लिक स्कूल अररिया के प्रांगण में प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अररिया जिला के जिला अध्यक्ष कुमार अनूप, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, जिला महासचिव खुर्शीद आलम खान एवं विभिन्न प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड सचिव एवं कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित

हुए। इस बैठक में मधेपुरा के जिला अध्यक्ष किशोर कुमार मधेपुरा के सचिव की भी उपस्थित रही। बैठक में दो-तीन बिंदुओं पर चर्चा हुई, जिसमें सर्वप्रथम आरटीई के लंबित राशि पर चर्चा हुई, जिसे जल्द से जल्द भुगतान करने हेतु पटना जाने की बात हुई। दूसरी, संगठन के विस्तार पर चर्चा हुई, जिसमें आने वाले बैठक में इसका विस्तार किया जाएगा। साथ ही साथ सभी प्रखंड के अध्यक्षों को एक विशेष जिम्मेवारी दी गई कि आने वाले अक्टूबर माह में स्नातक क्षेत्र हेतु उम्मीदवार का चुनाव होना है, जिसमें प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से डॉक्टर वंदना कुमारी को उम्मीदवार बनाया गया है, जो किशोर कुमार जिला अध्यक्ष मधेपुरा की धर्मपत्नी है ,उन्हें हम सभी को मिलकर जीत कर सदन तक पहुंचना है। इसमें सब की सहमति बनी और सभी ने विश्वास दिलाया कि हम लोग सब मिलकर डॉक्टर वंदना कुमारी को अवश्य ही सदन में पहुंचाएंगे। इस बैठक में अररिया प्रखंड से प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद परवेज आलम एवं उनके टीम के सदस्य, जोकीहाट से मोहम्मद नौशाद आलम एवं उनके टीम के सदस्य, पलासी से मेराज आलम ,भरगामा से सुनील कुमार, नरपतगंज से संतोष कुमार, फारबिसगंज से खुर्शीद आलम एवं अजीत कुमार सिंह की टीम यथा सोनू अंसारी, मोहम्मद इमरान, अभय कुमार सिन्हा ,राहुल कुमार, विवेक कुमार, संजीव कुमार, विक्की कुमार के साथ साथ जिला कार्यालय सचिव मोहम्मद साकिब उपस्थित रहे।

लोजपा रामविलास के विधायक से मिले अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सह बलरामपुर विधायक संगीता देवी से लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रफीक आलम ने शिष्टाचार मुलाकात किए। इस मौके पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रफीक आलम ने कहा कि बलरामपुर विधायक से सर्किट हाउस में शिष्टाचार मुलाकात किए। तथा संगठन विस्तार पर चर्चा किये। , मनिहारी विधानसभा अंतर्गत लोगों की समस्याओं के बारे में भी जानकारी दिए, बाढ़ का स्थाई निदान के साथ विभिन्न पहलुओं पर चर्चा किए। जिस पर विधायक ने कहा कि संगठन का विस्तार किया जाएगा। साथ ही आम लोगों की जो समस्या हैं उनका भी निदान किया जाएगा।

मनिहारी के दुष्कर्म एवं अमदाबाद के हत्याकांड का आरोपित गिरफ्तार

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सोमवार को प्रभारी एसडीपीओ आसिफ आलम ने मनिहारी के एक गांव मे आठ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म तथा अमदाबाद थाना क्षेत्र मे हुई हत्याकांड के अभियुक्त की गिरफ्तारी पर अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि रविवार को मनिहारी थाना क्षेत्र के एक गांव मे आठ वर्षीय बालिका के साथ एक यूवक ने दुष्कर्म किया था ।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका के माता के फर्द बयान पर दुष्कर्म के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एसडीपीओ ने बताया कि अमदाबाद थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बहरसाल के पास महानंदा नदी के दियारा मे 20 अगस्त 2026 को पशुचारा लाने गई चांदनी देवी उर्फ चंद्रिका मंडल की तेज धारदार हसुआ से हत्या कर दी गई थी।

सांसद ने आजमनगर में चार हाईमास्ट लाइट का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। सांसद तारिक अनवर ने सोमवार को आजमनगर प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों को विकास की सौगात दी। सांसद ने सिंघोल एवं तेघरा पंचायत के हरलगा गांव, गायघट्टा पंचायत के ताजखंड गांव तथा सिहीपुर में हाईमास्ट टावर लाइट का विधिवत उद्घाटन किया। हाईमास्ट लाइट लगने से इन क्षेत्रों में रात के समय स्थानीय लोगों को आवागमन समेत विभिन्न कार्यों में सुविधा मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन के दौरान सांसद तारिक अनवर ने कहा कि इन क्षेत्रों के ग्रामीण लंबे समय से हाईमास्ट लाइट की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की मांग और जनहित को ध्यान में रखते हुए

इन स्थानों पर हाईमास्ट लाइट लगाई गई है। उन्होंने कहा कि रोशनी की बेहतर व्यवस्था होने से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी और सार्वजनिक स्थानों पर रात के समय भी आवागमन सुगम होगा। इसके अलावा सांसद ने आजमनगर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने सांसद के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं को रखा। सांसद तारिक अनवर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके जल्द समाधान का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि क्षेत्र का विकास और आम लोगों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही। दौरे के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं समर्थक मौजूद रहे। मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव दिलीप विश्वास, आले रसूल, अवधेश मंडल, मोहम्मद आजम, रिजवान अहमद, मोहम्मद मारूफ, मोहम्मद सद्दाम, मिथिलेश, मोहम्मद नाहिद, मोहम्मद शाहिद सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी लोग भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजनान्तर्गत ऑनलाईन आवेदन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से इन्टर प्रथम श्रेणी वर्ष 2026 अल्पसंख्यक मुस्लिम छात्रा, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना से प्रथम श्रेणी से मौलवी उत्तीर्ण मुस्लिम छात्रा एवं फोकानियां में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र, छात्रा को प्रोत्साहन राशि प्राप्ति करने के लिए दिनांक 31.07.2026 से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए आवेदक को निम्नांकित कागजात अभिप्रमाणित या स्व अभिप्रमाणित प्रति साफ-साफ स्कैन कर अपलोड किया जाना आवश्यक है। जिसमें आवासीय प्रमाण-पत्र, अंक-पत्र,उत्तीर्णता प्रमाण-पत्र,पंजीयन पत्र, फोटो एवं हस्ताक्षर, आधार-कार्ड,बैंक पासबुक एवं कैंसिल चेक देना आवश्यक होगा। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक को बिहार का नागरिक और मुस्लिम, सिक्ख, जैन, पारसी, बौद्ध और क्रिस्चियन समुदाय का होना जरुरी है। आवेदक विभागीय वेबसाईट ई-कल्याण पॉर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, कटिहार से या मोबाईल नम्बर 6287594816 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

57000 का फाइन काटने पर मकई व्यावसायियों ने सड़क किया जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। कटिहार - मनिहारी सड़क के उदामारखा गांव के पास मकई लदे ट्रैक्टर पर परिवहन विभाग के एमबीआई की ओर से 57000 का फाइन काटने को लेकर वाहन चालकों ने ट्रैक्टर को बीच सड़क पर लगाकर यातायात बाधित कर अपना विरोध प्रकट किया। काफी व्यस्त सड़क होने के कारण जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कताड़ लग गई। कई स्कूल बस और उसमें सवार बच्चे घंटो जाम में फंसे रहे। हांलाकि रोगी वाहनो को आने जाने के लिए रास्ते दिए गए। जाम से आम राहगीर परेशान रहे। सड़क जाम के कारण किसी को ट्रेन पकड़ना छूटा तो किसी को अपने रिश्तेदार के यहां

जाना छूटा। किन्हीं का कोर्ट में तारीख छूट गया तो किन्हीं का व्यावसायिक कार्य छूट गया । सड़क जाम की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना के पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जाम को हटाने का प्रयास किया। मगर मकई व्यवसायी वरीय पदाधिकारी को घटनास्थल पर बुलाने एवं फाइन माफ करने की की मांग करने को लेकर डटे रहे। कई दौड़ के बातचीत होने के बाद मुफस्सिल थाने के एसआई मो. तबरेज आलम एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों के समझाने बुझाने पर ढाई घंटे बाद जाम हटाया गया और यातायात सामान्य हुआ। जिसके बाद सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों ने राहत की सांस ली।

जिला पदाधिकारी ने सुधा बिक्री केंद्र का किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के हफलागंज चौक पर जीविका सुधा बिक्री केंद्र खोला गया। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने फीता काट कर शुभारंभ किया । मौके पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि जीविका की यह पहल महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने में काफी सहयोगी साबित होगी और लोगों को स्थानीय स्तर पर शुद्ध और स्वस्थ खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध होगी। इस मौके पर जीविका के डीपीएम इंद्र शेखर इंदु, जीविका के

बीपीएम प्रिया कुमारी, सीसी सोनी कुमारी, प्रसन्ना कुमार, पशुधन लिली कुमारी, मंजू देवी आदि मौजूद रहे ।

ब्लॉक चौक से प्रखंड कार्यालय गेट तक भीषण जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र में सोमवार को ब्लॉक चौक से प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट तक भीषण जाम लग गया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने से राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम के कारण आम लोगों के साथ-साथ स्थानीय दुकानदार और व्यापारी भी प्रभावित हुए। बताया गया कि ब्लॉक चौक से प्रखंड कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। जाम में फंसे राहगीरों

को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र की सड़क लंबे समय से जर्जर है। सड़क की खराब स्थिति और बढ़ते यातायात दबाव के कारण आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इससे प्रखंड कार्यालय आने-जाने वाले लोगों के साथ स्थानीय व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जर्जर सड़क की मरम्मत कराने तथा ब्लॉक चौक से प्रखंड कार्यालय तक यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

कमला नदी पार करने के दौरान पानी में डूबने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र में कमला नदी की छाड़ पार करने के दौरान पानी में डूबने से बलुआ पंचायत के युवक मुख्तार आलम (25) की मौत हो गई। घटना रविवार की देर रात की बताई जा रही है। युवक की मौत के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं परिजनो का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है।जानकारी के अनुसार बेरगाछी लकड़ियापार कमला नदी की छाड़ पार कर बेरगाछी निवासी मुख्तार आलम किसी काम से उसपार गया था। वापस लौटने के दौरान पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चला गया और डूब गया। ग्रामीणों की नजर पड़ने के बाद उसे नदी से बाहर निकला गया। इसके बाद ग्रामीण उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना को लेकर

स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि इस धार पर पुल और सड़क निर्माण करने की मांग कई बार की जा चुकी है,लेकिन अब तक इस दिशा में कोई पहल नहीं हुई है। जिससे आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों ने कहा की यदि समय रहते पुल और सड़क का निर्माण हो जाता तो इस तरह की घटना को टाला जा सकता था। मुखिया कंदलाल मुर्मू ने बताया कि मुख्तार आलम अपने काम से नदी के पार गया था,वापस आने के दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। अंचल पदाधिकारी कृष्ण मोहन कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों को नियमानुसार सरकारी सहायता मुहैया कराई जाएगी।

सितंबर से पहले आवास पूर्ण करें नहीं तो अटक सकती है सरकारी सहायता : नगर आयुक्त

वार्ड 16 एवं 17 में लाभार्थियों के साथ नगर आयुक्त संतोष कुमार ने की वार्ड वार बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री सबके लिए आवास योजना के अंतर्गत अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से कटिहार नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष 15 दिवसीय हुआवास पूर्ण महाअभियानह के तहत सोमवार को वार्ड संख्या 16 एवं 17 के आवास योजना के लाभार्थियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन निगम पार्षद वार्ड-16 एवं वार्ड-17 के आवास में किया गया। बैठक में वार्ड संख्या 16 की पार्षद मंजू देवी, वार्ड संख्या 17 पार्षद बेबी देवी उपस्थित रहे।यह विशेष बैठक मुख्य रूप से वैसे लाभार्थियों के साथ की जा रही है, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रथम अथवा द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन उनके आवास का निर्माण कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है। नगर आयुक्त संतोष

कुमार ने लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से एक-एक कर संवाद किया और आवास निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हुए उन्हें आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया। नगर आयुक्त ने लाभार्थियों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि सितंबर 2026 के बाद आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने वाले लाभार्थियों को सरकार से मिलने वाली राशि में कठिनाई हो सकती है। इसलिए सभी लाभार्थियों से अपील की गई कि वे सितंबर माह के प्रथम सप्ताह तक अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण कर लें, ताकि उन्हें सरकार से मिलने वाली शेष राशि ससमय उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि एचएफए 1.0 को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश विभाग से प्राप्त हुआ है। विभागीय निर्देश के अनुपालन एवं लंबित आवासों को समय सीमा के भीतर पूर्ण कराने के लिए नगर निगम द्वारा 15 दिनों का विशेष आवास पूर्ण महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के सभी 1 से 45 वार्डों में लाभार्थियों के साथ वार्डवार बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं को सुना जाएगा तथा अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दी जाएगी। नगर आयुक्त ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य किसी भी पात्र लाभार्थी का आवास अधूरा न रहे और विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी लंबित आवासों को पूर्ण कराया जा सके।

1 करोड़ महिलाओं के खाते में आए 5000-5000 रुपये

उड़ीसा की राज्य सरकार ने सुभद्रा योजना के लाभार्थियों के अकाउंट में ट्रांसफर किया

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते में सरकार की तरफ से 5000 हजार रुपये की किस्त भेजी गई है। यह पैसा उड़ीसा की राज्य सरकार ने सुभद्रा योजना के लाभार्थियों के अकाउंट में ट्रांसफर किया है। राज्य की सरकार ने कुल 5160 करोड़ रुपये 1.03 करोड़ महिलाओं का खाते में ट्रांसफर किया है। यह इस योजना की 5वीं किस्त है। बता दें, 28 अगस्त को यह पैसा लाभार्थियों के अकाउंट में ट्रांसफर किया गया है। इस बार इस लिस्ट में 2.21 लाख अधिक महिलाएं और जुड़ गई हैं।

कैसे चेक करें पेमेंट आया है या नहीं?

यह पैसा लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में सीधा ट्रांसफर किया जाता है। आपके खाते में पैसा आया है या नहीं इसे बैंक के स्टेटमेंट से पता लगा सकते हैं। अगर पैसा ट्रांसफर नहीं हुआ तो एक बार अपना अकाउंट डीटेल्स और एप्लीकेशन आदि चेक कर लें। कई बार मिस-मैच की वजह से भी पैसा नहीं आता है।

सुभद्रा योजना के लाभार्थियों को कितना मिलता है पैसा

इस स्कीम के तहत महिलाओं को साल भर में 10000 रुपये मिलते हैं। यह पैसा दो किस्तों में ट्रांसफर किया जाता है। एक किस्त रक्षा बंधन के समय पर ट्रांसफर की जाती है। दूसरी किस्त इंटरनेशनल वुमेंस डे पर ट्रांसफर की जाती है। बता दें, दोनों बार 5000-5000 रुपये ट्रांसफर किया जाता है। 5 साल में लाभार्थियों को इस स्की में 50,000 रुपये तक मिलेगा। इस योजना का फॉर्म आंगनवाड़ी केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों आदि जगहों से प्राप्त किया जा सकता है। सभी जानकारी सही-सही भरें। पासपोर्ट साइज की फोटो चिपकाएं। इसके अलावा सभी जरूरी डॉक्यूमेंट को स्व प्रमाणित कर लें। इसके बाद से सामान्य सेवा केंद्र में जमा कर दें। फार्म जमा करने के बाद रिसीविंग जरूर लें।

2024 में शुरू हुई थी स्कीम

सुभद्रा योजना की शुरुआत 2024 में हुई थी। इसका संचालन महिला एंव बाल विकास डिपार्टमेंट की तरफ से किया जाता है। इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला को उड़ीसा राज्य का निवासी होना होगा। इसके अलावा आवेदन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और राज्य खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत हो। लेकिन अगर जिन परिवारों के पास यह कार्ड नहीं और उनकी आय 2.50 लाख रुपये से कम है तब भी वो इसका लाभ उठा सकते हैं।
21 वर्ष से अधिक आयु की महिला और 60 वर्ष से कम आयु की महिला ही इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। ध्यान रहे कि अगर लाभार्थी को राज्य की किसी योजना के जरिए हर महीने 1500 रुपये या उससे अधिक मिल रहे हैं। इसके अलावा पेंशन जैसी सहायता पाने वाली महिलाएं इस योजना का लाभ नहीं उठा सकती हैं। उन्हें इसके बाहर रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

लुमिनो इंडस्ट्रीज आईपीओ पर निवेशकों की टूट पड़ी भीड़, जीएमपी 70 प्रतिशत पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लुमिनो

इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ में बोली लगाने का आज (31 अगस्त) आखिरी दिन है। 700 करोड़ रुपये के इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अब तक मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। वहीं, ग्रे मार्केट में भी कंपनी के शेयरों की मांग बढ़ती दिख रही है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 70 प्रतिशत हो गया है। इससे बाजार में कंपनी की संभावित मजबूत लिस्टिंग को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं। ऐसे में यह निवेशकों को लिस्टिंग पर बड़ा मुनाफा दे सकता है। इस आईपीओ में कंपनी ने 500 रुपये के 6.10 करोड़ फ्रेश शेयर और 200 करोड़ रुपये के ओएफएस के तहत 2.44 करोड़ शेयर जारी किए हैं। इसका प्राइस बैंड 78 से 82 रुपये के बीच है। अलॉटमेंट 1 सितंबर को होगा। इसकी लिस्टिंग 3 सितंबर को हो सकती है।

अडानी से लेकर महिंद्रा तक... इसरो के 'बाहुबली' पर टूट पड़ीं कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां इस समय स्पेस सेक्टर में अपने

कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। ऐसे में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के सबसे भारी और शक्तिशाली रॉकेट (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) की निर्माण तकनीक हासिल करने के लिए इन कंपनियों में होड़ मच गई है। लोकप्रिय रूप से 'बाहुबली' कहा जाता है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू, अडानी ग्रुप और महिंद्रा जैसी दिग्गज घरेलू कंपनियां इसरो के साथ साझेदारी करने के लिए रुचि व्यक्त कर रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, इसरो से तकनीक हासिल करके इसे बनाने और कमर्शियल ऑपरेशन करने के लिए कम से कम आधा दर्जन कंपनियां और कंसोर्टियम (समूह) आगे आए हैं। रॉकेट के लिए आवेदन करने का आज आखिरी दिन है। इसकी बोली अक्टूबर में लगाई जाएगी। कंपनी का चयन तकनीकी क्षमता और वित्तीय बोली के आधार पर होगा। न्यूनतम तकनीकी मानक पार करने वाली कंपनियों में से सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी का चयन किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर उपग्रह लॉन्च की मांग तेजी से बढ़ रही है। रिसर्च के मुताबिक, अगले एक दशक में वैश्विक स्पेस लॉन्च सेवा बाजार 25.3 अरब डॉलर से बढ़कर 41.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसरो का सबसे भारी परिचालन रॉकेट है, जो 4 टन तक के उपग्रहों को ले जाने में सक्षम है। कंपनियों के लिए एक सफल और परखे हुए हैवी लिफ्ट रॉकेट की तकनीक पाना बड़ा व्यावसायिक अवसर है। के अनुसार, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2022 के 8.4 अरब डॉलर से बढ़कर 2033 तक 44 अरब डॉलर होने का अनुमान है। चयनित कंपनी या कंसोर्टियम को डिजाइनिंग, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स, नेविगेशन, निर्माण, टेस्टिंग और लॉन्च संचालन जैसी एंड-टू-एंड तकनीक को समझना और अपनाना होगा। चुनी गई इकाई को 42 महीने या 2 निर्मित रॉकेट लॉन्च करने की अवधि में तकनीक हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को नियुक्त किया चेयरमैन

मुंबई एजेंसी। वाहन विनिर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल ने पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की सरकारी वाहन विनिर्माता कंपनी एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 प्रतिशत और एसएआईसी मोटर की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष 16 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर और कर्मचारियों के पास है। पार्थ संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल में रहे हैं। कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार तथा स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में उनकी अहम भूमिका रही है। कंपनी के सोमवार को जारी बयान के अनुसार, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के अलावा पार्थ जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बोर्ड में निदेशक भी हैं। चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। पार्थ की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन कंपनी स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है।

जीएसटी सुधारों का दिखा असर, 2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार: भार्गव

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने सोमवार को कहा कि माल एवं सेवा कर की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। साथ ही पश्चिम एशिया युद्ध के प्रभाव के बावजूद अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन में कर सुधारों ने जरूरी सहारा दिया है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए भार्गव ने कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया को उम्मीद है कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा और छोटी कारों के बाजार की हिस्सेदारी पिछले पांच वर्षों की तुलना में काफी तेज गति से बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में की गई कटौती से इसे बढ़ावा मिला है। भार्गव ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। यह सब ईरान की समस्याओं, पश्चिम एशिया युद्ध और ऐसी अन्य चुनौतियों के बावजूद हुआ है। मेरा मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल महीनों में हमारा प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा होता। चेयरमैन ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इन सुधारों ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को नई गति दी है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़े अधिकतर एजेंसियों के अनुमान से बेहतर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार के अन्य सभी सदस्यों को ऐतिहासिक सुधारात्मक कदम के लिए धन्यवाद देते हुए भार्गव ने कहा, सुधार ने दिखाया है कि इससे अर्थव्यवस्था में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। मैं राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से सुधारों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने, कारोबार करना आसान बनाने, अधिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल जारी रखने का आग्रह करूंगा क्योंकि यह साबित हो चुका है कि इससे भ्रष्टाचार और विलंब कम होता है। समय की बचत को उत्पादन लागत कम करने में प्रमुख कारक बताते हुए उन्होंने सरकारों से निजी क्षेत्र और प्रतिस्पर्धा की ताकत पर भरोसा करने को कहा। वाहन उद्योग के परिदृश्य के बारे में भार्गव ने कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया अगले पांच वर्षों में कार बाजार की संभावित वृद्धि का यथासंभव सटीक अनुमान लगाने की प्रक्रिया में है। जीएसटी सुधारों से इसे बढ़ावा मिला है।

उन्होंने कहा, इससे हमारे दीर्घकालिक उत्पादन और बिक्री लक्ष्य में कुछ बदलाव हो सकते हैं। आज हमारा अनुमान है कि कार उद्योग 2031 तक 61 लाख से 63 लाख इकाइयों तक बढ़ेगा और छोटी कारों के बाजार की हिस्सेदारी पिछले पांच वर्षों की तुलना में काफी तेज गति से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी मांग में संभावित वृद्धि को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता का लगातार विस्तार कर रही है। विस्तार परियोजनाओं के परिणामस्वरूप 2026-27 के अंत तक हमारी स्थापित क्षमता 29 लाख इकाइयों और 2030-31 के अंत तक 36.5 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगी। हम यह पूरा विस्तार इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था में वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं। मारुति सुजुकी इंडिया ने हरियाणा के खरखौदा संयंत्र में दो उत्पादन लाइन शुरू कर दी हैं और तीसरी लाइन पर काम चल रहा है।

भारत में बनेगा टैंकों का काल, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने अमेरिकी कंपनी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक

मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए हाल में एक डील की थी। लेकिन अब इस मिसाइल को भारत में भी बनाया जाएगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने जैवलिन जॉइंट वेंचर के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद भारत में जैवलिन ऑल अप राउंड मिसाइल के संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाना है। जैवलिन जॉइंट वेंचर में रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की पार्टनरशिप है। इस मिसाइल को टैंकों का काल कहा जाता है।

जैवलिन मीडियम रेंज की गाइडेड मिसाइल है जिसे टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि दोनों कंपनियां भारत में एक समर्पित फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन फैसिलिटी बनाने के साथ-साथ कंपोनेंट बनाने की क्षमताओं पर भी विचार करने की योजना बना रही हैं। प्रस्तावित फैसिलिटी भविष्य की उत्पादन जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी।

भारत-अमेरिका गठजोड़

प्रस्तावित उत्पादन मॉडल अमेरिकी सप्लाई चेन को भारतीय असेंबली लाइनों से जोड़ेगा। अलबामा में ट्रॉय में स्थित लॉकहीड मार्टिन की फैसिलिटी कई वर्षों तक सब-असेंबली किट बनाएगी, जबकि एरिजोना के टक्सन में रेथियॉन की फैसिलिटी गाइडेंस इलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट का उत्पादन करेगी। इसके बाद कंपोनेंट को फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन के लिए भारत भेजा जाएगा। और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देगी।
कंपनियों ने कहा कि इस व्यवस्था से भारत में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग नौकरियां पैदा होंगी।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 1.34 प्रतिशत बढ़कर 89.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिका द्वारा ईरान के लारक द्वीप पर हमले और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया में आपूर्ति जोखिम फिर बढ़ गया है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये तेल आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा हुई हैं। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 226.60 अंक टूटकर 77,028.56 अंक पर जबकि निफ्टी 120.40 अंक फिसलकर 24,053.55 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 5,039.80 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

ज़ोमैटो का बड़ा फैसला, अब एनालॉग पनीर से बने डिशेज नहीं बिकेंगे, रेस्टोरेंट्स को सख्त निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। पनीर भारतीय खानपान का एक लोकप्रिय हिस्सा है लेकिन बाजार में असली डेयरी पनीर के अलावा एनालॉग पनीर यानी ऐसे पनीर विकल्प भी मौजूद हैं, जिन्हें वनस्पति आधारित सामग्री से तैयार किया जाता है। अब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज़ोमैटो ने इसे लेकर सख्त कदम उठाया है। कंपनी ने एनालॉग पनीर से तैयार व्यंजनों की लिस्टिंग को लेकर जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी लागू करने का ऐलान किया है।

रेस्टोरेंट पार्टनर्स को दिए गए निर्देश

ज़ोमैटोने अपने रेस्टोरेंट पार्टनर्स से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है। कंपनी के निर्देश के मुताबिक, रेस्टोरेंट्स को एनालॉग पनीर की जगह प्राकृतिक डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल करना चाहिए। यदि ऐसा करना संभव नहीं है, तो संबंधित व्यंजन को अपने मेन्यू से हटाने को कहा गया है। इसके अलावा रेस्टोरेंट्स को अपने सप्लायर्स की ओर से उपलब्ध कराए गए प्रोडक्ट लेबल और इंग्रीडिएंट डिक्लेरेशन की भी जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की सही जानकारी ग्राहकों तक पहुंचे।

तत्काल प्रभाव से लागू होगी पॉलिसी

कंपनी के मुताबिक, यह नीति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जो रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन इन नियमों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे, उनकी ज़ोमैटोपर लिस्टिंग हटाई जा सकती है। कंपनी का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य ग्राहकों को खाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के बारे में ज्यादा पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराना है। ज़ोमैटो ने स्पष्ट किया है कि जो रेस्टोरेंट पार्टनर्स इस नीति का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है और उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक, ग्राहकों के साथ पारदर्शिता बनाए रखना और उन्हें भोजन के बारे में सही जानकारी देना उसकी प्राथमिकता है।

क्या है एनालॉग पनीर?

पारंपरिक पनीर दूध को फाड़कर तैयार किया जाता है। इसके विपरीत एनालॉग पनीर ऐसे उत्पादों को कहा जाता है जिनमें डेयरी मिल्क फैट या मिल्क प्रोटीन की जगह कुछ अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें तैयार करने में वनस्पति तेल, स्टार्च और प्लांट-बेस्ड प्रोटीन जैसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है।

आपकी गाढ़ी कमाई पर ना लगे बीमारी की नजर! बदलती लाइफस्टाइल में हेल्थ इंश्योरेंस जरूरी ?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन प्रति दिन बदलती लाइफस्टाइल के बीच स्वास्थ्य संबंधित चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। खान-पान की जीवनशैली ने लोगों के स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव डाला है। किसी भी इंसान के लिए अच्छी हेल्थ कितनी अहम होती है, इसका अंदाजा और अहमियत लोगों को वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) के दौरान ही पता चल गया था। इस दौरान चर्चा हेल्थ इंश्योरेंस की जरूरत को लेकर भी देखी गई। कई जानकार बताते हैं कि लोगों को अपने जीवन के लिए हेल्थ इंश्योरेंस की अहमियत को जानना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आखिरकार यह बीमा क्यों जरूरी है।

हेल्थ इंश्योरेंस लेते समय इन बातों का ध्यान: हेल्थ इंश्योरेंस को लेते समय कई बातों का ध्यान रखना होता है। इनमें वेटिंग पीरियड भी खास है। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि जिस हेल्थ इंश्योरेंस में वेटिंग पीरियड का समय कम हो उसे ही चुने। इससे यह फायदा होता है कि जरूरत पड़ने पर आपको तुरंत इंश्योरेंस क्लेम का फायदा मिल सकता है। अधिक वेटिंग पीरियड में क्लेम के बाद आपको ज्यादा समय लग सकता है, जिससे जरूरत पड़ने पर समय पर इलाज के लिए राशि ना मिल पाने की आशंका होती है। इसके अलावा एक्सक्लूजन, को-पेमेंट क्लॉज मामला, अच्छी सम इंश्योर्ड राशि का चुनाव और हेल्थ इंश्योरेंस में हॉस्पिटल नेटवर्क का भी ध्यान रखना होता है।

हेल्थ इंश्योरेंस इतना जरूरी क्यों?

आज के समय में हेल्थ इंश्योरेंस की अहमियत काफी बढ़ गई है। एक लाइन में अगर हेल्थ इंश्योरेंस को परिभाषित करें तो यह पॉलिसीधारक और संबंधित बीमा कंपनी के बीच एक ऐसा अनुबंध है, जो बीमार होने पर, अस्पताल में भर्ती या बड़े इलाज के लिए तय नियमों के तहत पॉलिसीधारक को आर्थिक मदद करता है। अब सवाल यह है कि आखिरकार हेल्थ इंश्योरेंस इतना जरूरी क्यों है? एक्सपर्ट बताते हैं कि बदलती जीवनशैली के बीच हेल्थ इंश्योरेंस काफी जरूरी होता है। देश-दुनिया में बढ़ता मेडिकल खर्च इस बीमा को लेने के लिए अहम हो जाता है। जब किसी के पास स्वास्थ्य बीमा होती है तो यह उसके चिकित्सा देखभाल, इलाज में बढ़ती लागतों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। इससे यह फायदा होता है कि उसकी गाढ़ी कमाई को बीमारी की नजर नहीं लगती है और बीमा कंपनी पैसों से काफी मदद कर देती है।

होम लोन के लिए वो 7 प्राइवेट बैंक, जो सस्ती ब्याज दर पर देते हैं किफायती लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई सारी संस्थाएं और बैंक लोगों को होम लोन की सुविधा देते हैं। इनमें सरकारी और प्राइवेट दोनों ही शामिल हैं। वहीं, आज के समय में प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतें हर किसी के लिए अपने घर बनाने या खरीदने के सपने को पूरा करने में काफी चुनौती दे रही हैं। इस बीच लोग होम लोन का रुख करते हैं। यहां हम बात प्राइवेट बैंक के द्वारा मिलने वाले होम लोन की कर रहे हैं, जो सस्ती ब्याज दर पर किफायती हो सकते हैं। हम सात ऐसे बैंकों के बारे में बता रहे हैं जो अपने पात्र ग्राहकों को होम लोन प्रदान कर रहे हैं। सबसे पहले हम कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और आईडीएफसी बैंक के द्वारा दिए जा रहे होम लोन की करते हैं। कोटक बैंक पात्र ग्राहकों को 7.60 फीसदी की ब्याज दर से होम लोन की सुविधा देता है। इसके अलावा एक्सिस बैंक ग्राहकों को 8 फीसदी से लेकर के 9 फीसदी तक की ब्याज दर से होम लोन देता है। वहीं, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की बात करें तो यह अपने पात्र ग्राहकों को 7.75 फीसदी की सालाना ब्याज दर से होम लोन प्रदान करता है। जे एंड के बैंक (जम्मू और कश्मीर बैंक) होम लोन के लिए तलाश कर रहे लोगों को इसकी सुविधा देता है। यह बैंक ग्राहकों को 7.50 फीसदी से लेकर के 8.20 फीसदी की ब्याज दर से होम लोन देता है। फेडरल बैंक की बात करें तो यह 7.35 प्रतिशत से लेकर के 9.25 प्रतिशत तक की सालाना ब्याज दर से होम लोन प्रदान करता है। वहीं, आईडीबीआई बैंक पात्र ग्राहकों को 7.40 प्रतिशत से लेकर के 10 फीसदी तक की ब्याज दर पर होम लोन देता है। देश के शीर्ष बैंकों में से एचडीएफसी बैंक एक है। यह एक प्राइवेट बैंक है। बैंक अपने ग्राहकों को कई सारी सुविधाएं प्रदान करता है, जिनमें से एक सुविधा होम लोन की भी है। हालांकि, इसकी ब्याज दर अन्य प्राइवेट बैंकों की तुलना में थोड़ी अधिक है। यह बैंक अपने पात्र ग्राहकों को 7.75 फीसदी की ब्याज दर से होम लोन देने की शुरुआत करता है।

स्वच्छ और मरीज हितैषी स्वास्थ्य संस्थान बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, साफ-सफाई, रख-रखाव और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदर अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के कायाकल्प कार्यक्रम की प्रगति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में डीपीएम, डीडीएम, कंसल्टेंट, विभिन्न प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड लेखा प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी शामिल हुए।

समीक्षा के दौरान डीडीसी ने सभी स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पताल परिसरों में नियमित और गुणवत्तापूर्ण साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिलना चाहिए। कायाकल्प के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक सुधार करने पर भी जोर दिया गया।

अस्पताल के वार्ड, ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, शौचालय एवं परिसर की सफाई के साथ संक्रमण नियंत्रण और जैव चिकित्सा अपशिष्ट के उचित प्रबंधन का निर्देश

दिया गया। मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा भवन, बिजली, पानी, शौचालय, फर्नीचर और उपकरणों के उचित रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया।

डीडीसी ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर कमियों की पहचान और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर जिम्मेदारी और समय-सीमा निर्धारित करने तथा उसकी नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया।

बदमाशों ने जमीन कारोबारी को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के बरियातू थाना क्षेत्र के मंडा बगीचा में रविवार देर रात दो अपराधियों ने जमीन कारोबारी टोनी लोहरा को गोली मारकर जख्मी कर दिया। गोली उसके पेट में लगी है। घटना के बाद गंभीर हालत में टोनी को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद बरियातू थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, टोनी रातू इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने रिम्स में उसका बयान लिया है।

बयान में टोनी ने बताया कि वह अपने कुछ दोस्तों के साथ मंडा बगीचा में पार्टी कर रहा था। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे। दोनों युवकों ने पहले एक राउंड फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर टोनी उन दोनों युवकों के पास गया।

इसी दौरान युवकों ने टोनी को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने के बाद टोनी वहीं घायल होकर गिर गया। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और उसे इलाज के लिए रिम्स पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

पुलिस को उम्मीद है कि फुटेज के आधार पर गोली चलाने वाले दोनों युवकों की पहचान हो सकेगी। पुलिस आसपास के लोगों और टोनी के दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि टोनी पहले आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। वह जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े कारोबार के साथ-साथ जमीन की बाउंड्री कराने का काम भी करता है। ऐसे में पुलिस घटना के पीछे जमीन विवाद समेत अन्य संभावित कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि टोनी का किन-किन लोगों से विवाद चल रहा था। साथ ही उसके पुराने आपराधिक रिकार्ड और जमीन से जुड़े विवादों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तकनीकी जांच के साथ सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है।

आवाज के साथ फिर फटी धरती, लोगों में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कतरास। कोयले के खनन से खोखली हो चुकी धनबाद की धरती आए दिन धंस रही है। इससे आम और खास हर कोई परेशान है। रविवार को झरिया के लोदना में तेज आवाज के साथ धरती धंसने और गोफ बनने की गूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि सोमवार को कतरास में फिर एक हादसा हो गया। कतरास इलाके में बीसीसीएल क्षेत्र की चैतुडीह कोलियरी के बंद छह नंबर पीट के सामने सोमवार सुबह अचानक जोरदार आवाज के साथ धरती फटी। एक बड़ा गोफ बन गया। करीब 10 फीट परिधि और 30 फीट गहरे गोफ में एक भैंस जा गिरी। भैंस लकड़का मोड़ पांच नंबर निवासी विराट राय की बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। वार्ड संख्या पांच की पार्षद निरूपमा देवी भी मौके पर पहुंचीं और दूरभाष के माध्यम से कतरास क्षेत्र के जीएम बीके झा तथा चैतुडीह कोलियरी के पीओ गोपाल जी को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद कोलियरी के प्रबंधक प्रेम कुमार शर्मा, सहायक खान प्रबंधक एसके तिवारी, सीनियर ओवरमैन गयाराम लायक और महावीर कुमार दास रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम पोकलेन और जेसीबी मशीन

30 फीट के गोफ में गिरी भैंस, लगी भीड़

की मदद से गोफ में गिरी भैंस को निकालने की कवायद में जुटी हुई है।

गोफ के बगल में रह रहे इंद्रमल कुंभकार, सुनील कुंभकार व रवि कुंभकार ने बताया कि रात 11 बजे हल्का धरती हिलने जैसे एहसास हुआ। सुबह गृहिणी पूजा कुमारी ने घर के पीछे देवस्थलों के पास गोफ होने की बात कहकर चिल्लाने लगी। घर के अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि गोफ में भैंस गिरी पड़ी है।

आनन फानन में घर के सामानों को खाली करा दिया गया है।

बारिश के मौसम में हमलोग कहां जायेंगे पता नहीं। इधर पार्षद निरुपमा देवी ने बताया कि जिस जगह पर घटना घटी है वह रैयती जमीन है। काफी दिनों से विस्थापन को लेकर मामला चल रहा है जो लंबित पड़ा है। बीसीसीएल प्रबंधन को चाहिए कि प्रभावित परिवार को इस दिशा ठोस पहल करते हुए पुनर्वास व मुआवजा सुनिश्चित करें।

दामोदर नदी से युवक की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी। थाना क्षेत्र के कोले गांव निवासी 18 वर्षीय युवक संदीप ठाकुर उर्फ पापुन और उसी गांव के संन्नी गंझू की दोस्ती वर्चस्व की लडाई में दुश्मनी में ऐसी बदल गई कि एक ने दूसरे को गोली मार कर उसके शव को दामोदर नदी में फेंक दिया।

मामले का खुलासा घटना के पांच दिनों के बाद रविवार को तब हुआ जब पुलिस ने शक के आधार पर सन्नी गंझू को हिरासत में लेकर कडाई से पूछताछ किया। वहीं मृतक संदीप ठाकुर का शव रविवार को रामगढ के दामोदर नदी से पुलिस ने बरामद कर लिया। हालांकि इस बीच मृतक संदीप ठाकुर के शव की तलाश कर रही पुलिस को जंगल के रास्ते नदी किनारे सिकमतांड के आसपास एक अज्ञात शव बरामद हुआ।

संदीप ठाकुर के स्वजनों से पहचान कराने पर उन्होंने बरामद शव संदीप ठाकुर का होने की पुष्टि नहीं किया। इसके बाद अज्ञात शव को लेकर पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना दी तथा वरीय पदाधिकारी को अवगत कराने के उपरांत उसे पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया।

बताते चलें कि विगत 29 अगस्त को संदीप ठाकुर के स्वजनों ने उसके 25 अगस्त से घर से लापता होने की सूचना थाना को दी थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने कांड दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने शक के आधार पर मृतक संदीप के दोस्त व कोले गांव निवासी सन्नी गंझू को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सन्नी गंझू ने बताया कि विगत 25 अगस्त को उसने संदीप को उसके घर से बुलाकर लोहरतरी पुल के पास ले गया। वहां पर उसने संदीप को गोली मार कर उसके शव को वहीं दामोदर नदी में फेंक दिया था। आरोपित के बयान के आधार पर पुलिस टीम ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कालेज की मान्यता हुई बहाल

छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग के मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ने गोड्डा के परसपानी स्थित राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं अस्पताल की मान्यता का बहाल करने का आदेश जारी कर दिया है। यहां अब नए सत्र में एचएमएस कोर्स के लिए 63 अभ्यर्थियों के नामांकन का रास्ता साफ हो गया है।

कालेज के प्राचार्य को इस निमित एनसीएच के मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड की ओर से पत्र भेजा गया है। प्राचार्य ड़ा अशोक पासवान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एनसीएच ने कालेज की मान्यता बहाल करने के राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई के बाद हरी झंडी दे दी है। इससे कालेज प्रबंधन सहित यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। एनसीएच की ओर से मान्यता बहाली दिए जाने के बाद नीट यूजी के अभ्यर्थियों के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नए सत्र 2026- 27 के लिए बीएसएम कोर्स में यहां 63 सीटों पर नामांकन की अनुमति दे दी गई है।

बता दें कि गोड्डा के परसपानी स्थित राजकीय होम्योपैथिक कालेज व अस्पताल की जांच के लिए राष्ट्रीय होम्योपैधिक (एनसीएच) की तीन सदस्यीय टीम आई थी। इसके बाद टीम की जांच रिपोर्ट नई दिल्ली ने वर्चुअल संवाद कर पूरे मामले की सुनवाई की। इसमें मानकों पर खरा नहीं उतरने पर राजकीय होम्योपैविक कालेज में नए सत्र में नामांकन पर रोक लगा दी गई थी। एनसीएच के होम्योपैथी चिकित्सा आकलन और रेटिंग चेयरमैन डा तारकेश्वर जैन ने इस आशय का पत्र कालेज के प्राचार्य भी भेजा था। इसमें कालेज प्रबंधन को उक्त निर्णय के खिलाफ 30 दिनों के अंदर राज्य सरकार की ओर से अपील दायर करने का समय दिया गया था। बीते 20 जुलाई को राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र देकर

अपील दायर की गई। अपील वाद पर सुनवाई करते मेडिकल एसेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ने गोड्डा के परसपानी स्थित राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं अस्पताल की मान्यता का बहाल करने का आदेश जारी कर दिया है।

इधर राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि आने वाले तीन महीने में कालेज की सभी कमियों को कमी दूर कर दी जाएगी। इसका शपथ पत्र देकर एनसीएच को अपील दायर की गई थी। एनसीएच की ओर से गोड्डा के परसपानी स्थित राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं अस्पताल की मान्यता रद किए जाने के बाद जन प्रतिनिधियों की ओर से इस मामले में लगातार पहल की गई। सबसे पहले सीएलपी लीडर सह पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने इस मामले को सीएम हेमंत सोरेन के संज्ञान में लाया गया।

सीएम ने इस त्वरित पहल की। वहीं कालांतर में गोड्डा विधायक सह श्रम मंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री सहित विभागीय सचिव के साथ बैठक कर गोड्डा के परसपानी स्थित उक्त अस्पताल की मान्यता बहाल कराने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्णय लिया।

कांग्रेस ने किया केंद्र सरकार का पुतला दहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमिटी, पाकुड़ के तत्वावधान में विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी का विरोध करते हुए केंद्र सरकार का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संविधान की रक्षा की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने उत्तराखंड में भाजपा कार्यकताओं के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज करने की मांग उठाई।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने अथवा राजनीतिक दबाव बनाने के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

प्रदर्शन में प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, विधायक प्रतिनिधि गोलम अहमद उर्फ बकुल, मुख्तार हुसैन, शाहीन परवेज, मनवार आलम, अब्दुल बसीर शेख, डॉ. जोहरुल इस्लाम, मिथुन मरांडी, मोहम्मद सिराजुद्दीन, मोतिउर रहमान, डब्ल्यू. शेख, तरीकुल शेख समेत जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी, विभिन्न विभाग एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झालसा के निर्देश पर शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर प्रभारी झालसा सचिव विशाल मांझी के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ प्रखंड के सोनाजोड़ी सदर हॉस्पिटल में मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों और बौद्धिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कानूनी सेवाएं से संबंधित जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया, डीएस डॉ सोहेल अनवर आजमी, लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार एलएडीसीएस के चीफ संजीव कुमार मंडल , डॉ अमित कुमार, डॉ दयानंद आर्य, डॉ प्रकाश कुमार, डीपीसी चंद्र शेखर चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उक्त कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीन कुमार संथालिया ने इस कार्यक्रम को मनाने के उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी दी।

लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार एवं एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल ने संयुक्त रूप से बताया कि मानसिक रोग और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए भारत में मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाओं का विशेष प्रावधान है। बताया कि जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना कि कानूनी सेवाएं मानसिक बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों की विशिष्ट कानूनी और सामाजिक जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हैं। डॉ प्रकाश कुमार ने कई बिंदु पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही कहा किन्यूरोसिस इसमें इंसान को पता होता है कि

उसे मानसिक तकलीफ है। उसका हकीकत से संपर्क बना रहता है। इसमें ज्यादा चिंता, घबराहट, डर, उदासी, जैसे लक्षण होते हैं।

उन्होंने कहा कि इंसान का व्यवहार आम तौर पर सामान्य ही रहता है, पर अंदर से बहुत परेशान रहता है। डीएस सोहेल अनवर आजमी, डॉ अमित कुमार, एएमपी डॉ अजीजुल रहमान जिला कोऑर्डिनेटर पीएचडी मो इमरान आलम, इंडियन नेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड एच विश्वास, सहायक कार्यक्रम समीर खान वक्ताओं ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर अपने-अपने विचार रखें एवं मानसिक रोग से बचाव के लिए अपने बच्चों के तुलना दूसरे बच्चों से न करने पढ़ाई या नौकरी के क्षेत्र में लगातार दबाव न देने समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जागरूक किया गया। मौके पर अस्पताल के कर्मी, सहिया एनजीओ के प्रतिनिधि, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के पैरा लीगल वॉलिंटियर्स खुदु राजवंशी, नीरज कुमार राउत समेत लोग उपस्थित रहें।

सड़क हादसे में छह जख्मी

खड़गपुर। झारखंड के जमशेदपुर से पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध पर्यटन नगरी दीघा जा रहे छह पर्यटक सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले में सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसा खड़गपुर ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत सादतपुर पुलिस चौकी इलाके में टाटा बियरिंग के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। दुर्घटना में स्कार्पियो सवार सभी छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घायल होने वालों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय हो रही तेज बारिश के दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया।

इसके बाद तेज रफ्तार स्कार्पियो सड़क के डिवाइडर से टकराकर हाईवे पर ही पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तुरंत मालंचा रोड स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। चिकित्सकों की देखरेख में घायलों का इलाज जारी है। पुलिस घटना की विस्तृत जांच कर रही है।

विधायक के व्यवहार की पुलिस एसोसिएशन ने की निंदा

नबिटा टीम

पाकुड़/ गोड्डा। झारखंड पुलिस एसोसिएशन की पाकुड़ जिला शाखा ने विधायक जयराम महतो द्वारा बरबड्डा थाना प्रभारी के साथ कथित अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन ने मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। नगर थाना परिसर स्थित शाखा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसोसिएशन के अध्यक्ष रामाशीष सिंह ने कहा कि विधायक के व्यवहार को लेकर प्रदेश नेतृत्व ने कार्रवाई के लिए पांच दिवसीय अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकुड़ जिला शाखा प्रदेश नेतृत्व के हर निर्णय का पालन करेगी।

रामाशीष सिंह ने कहा कि यदि विधायक को थाना प्रभारी से किसी प्रकार की शिकायत थी, तो वे इसकी जानकारी पुलिस के वरीय अधिकारियों को दे सकते थे या विधानसभा में मामला उठा सकते थे। इस तरह थाना प्रभारी के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज से राज्य के पुलिस अधिकारियों और जवानों में रोष है।

एसोसिएशन ने कहा कि पुलिस बल के किसी भी अधिकारी या कर्मी के

साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन के अनुसार, ऐसी घटनाओं का असर कानून-व्यवस्था के साथ-साथ कर्तव्यरत पुलिसकर्मियों के मनोबल पर भी पड़ता है।

एसोसिएशन ने कहा कि वह अपने सदस्यों के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। पांच दिवसीय तय समयसीमा में उचित कार्रवाई नहीं होने पर झारखंड पुलिस एसोसिएशन आगे की रणनीतिक और संगठनात्मक कार्रवाई पर विचार करेगा। प्रेस वार्ता में सचिव सुराई तापे, संयुक्त सचिव मंगल किस्कू और कोषाध्यक्ष अनंत राम मौजूद रहे।

गोड्डा से संवाददाता के अनुसार डुमरी विधायक जयराम महतो की ओर से धनबाद बरबड्डा थाना प्रभारी पर अमर्यादित टिप्पणी करने और धमकी के साथ गाली गलौज करने पर झारखंड पुलिस एसोसिएशन की ओर से कड़ा प्रतिवाद किया गया है।

गोड्डा के पुलिस केंद्र में रविवार को पुलिस एसोसिएशन से जुड़े आइआरबी-आठ के जवानों ने जमकर विरोध जताया। पुलिस एसोसिएशन ने कहा है कि डुमरी विधायक जयराम महतो का आचरण माफी लायक नहीं है। उन्हें इसकी सजा मिलनी ही चाहिए। लोकतंत्र को ऐसे जनप्रतिनिधि कलंकित कर रहे हैं।

पुलिस एसोसिएशन ने विधायक की टिप्पणी को खतरनाक और अराजक बयान बताया। कम्ह्र ने इस मामले में कड़ी नाराजगी जताई है।

एसोसिएशन के सचिव निर्मल यादव ने कहा कि विधायक का व्यवहार निंदानीय है। पुलिसकर्मियों की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले ऐसे जनप्रतिनिधि के आचरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता । इस संबंध में एसोसिएशन की ओर से रविवार को पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई।

एसोसिएशन के सचिव ने बताया कि बीते 21 अगस्त की रात डुमरी विधायक की ओर से मोबाइल से व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी गई।

इसके बाद देर रात विधायक अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचे, जहां थाना प्रभारी के कार्यालय कक्ष में भी कथित तौर पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया।

इस दौरान समर्थकों द्वारा थाना प्रभारी की मेज पर रखे सामान को अस्त-व्यस्त करने और नाम पट्टिका तोड़ने का भी आरोप लगाया गया है। एसोसिएशन के अनुसार इस मामले में बरवाअड्डा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन पाकुड़ एवं जिला वॉलीबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे मैदान, पाकुड़ में एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले की कुल छः टीमों ने हिस्सा लिया। दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन, टीम भावना और बेहतरीन तालमेल का परिचय देते हुए उपस्थित खेल प्रेमियों एवं दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन नगर परिषद की वार्ड पार्षद निभा देवी, ईआरएमयू के सचिव संजय कुमार ओझा, ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव हिसाबी राय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न टीमों के बीच एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में राज हाई स्कूल एवं

हरिणडंगा हाई स्कूल की टीमें आमने-सामने थीं,जिसमें राज हाई स्कूल टीम को 2-1 से पराजित कर राज हाई स्कूल ने मुकाबला अपने नाम किया। वहीं दूसरे मुकाबले में डे बोर्डिंग-1 एवं अंजना के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, जिसमें डे बोर्डिंग1 ने अंजना को 2-1 से पराजित किया तथा डे बोर्डिंग-2 बनाम बैंक कॉलोनी में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला जिसमें डे बोर्डिंग-2 ने जीत कर कर अगले चरण में प्रवेश किया। इसके बाद आयोजित अन्य मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए पूरा दमखम लगाया और फाइनल में पहुंचने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार,नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा,वार्ड पार्षद निभा देवी,संजय कुमार ओझा,विपिन कुमार चौधरी तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव हिसाबी राय खेल प्रशिक्षक उजय राय सहित अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

फाइनल मुकाबला डे बोर्डिंग-१ बनाम डे बोर्डिंग-२ के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और बेहतरीन टीमवर्क का प्रदर्शन किया। मुकाबले के दौरान दोनों ओर से जोरदार सर्विस, स्मैश और शानदार डिफेंस देखने को मिला, जिससे उपस्थित दर्शक भी काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि अंततः डे बोर्डिंग-1 टीम ने डे बोर्डिंग-२ टीम को 2-1 से पराजित कर फाइनल मुकाबला जीतते हुए विजेता ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के निर्णायक निर्भय सिंह, अभिषेक भगत और रातुल दे के लिए जिला क्रीड़ा पदाधिकारी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने कहा कि खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपसी सौहार्द का मजबूत आधार है।

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमें जीवन में संघर्ष करना, धैर्य बनाए रखना और सफलता-असफलता को समान भाव से स्वीकार करना सिखाता है। प्रतियोगिता के समापन पर उपस्थित अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी तथा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से पाकुड़ जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह देखा गया तथा खिलाड़ियों ने भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के नियमित आयोजन की आवश्यकता जताई।

अंचल कार्यालय में गाली-गलौज के साथ चली चप्पलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जिला मुख्यालय के डुमरा स्थित अंचल कार्यालय में सोमवार को अपराह्न उस समय अफरातफरी मच गई जब दो कर्मी फाइलों को लेकर आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों में पहले गरमागरम बहस के साथ ही कागजात की छीना-झपटी शुरू हो गई। फिर दोनों के बीच गाली-गलौच से लेकर एक-दूसरे पर चप्पलें तक फेंकी गई।

हालांकि मौजूद कर्मी दोनों के बीच बीच बचाव करते रहे। करीब आधा घंटे तक दोनों अंचल कर्मियों के बीच यह हंगामा होता रहा। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोग पूरे मामले का वीडियो बनाने लगे और कुछ ने इसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड कर प्रसारित भी कर दिया। लोग इस वीडियो को देखकर कार्यालय की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाजिर प्रकाश कुमार झा व महिला लिपिक विमल कुमारी के बीच कार्यालय के किसी फाइल को लेकर पहले बहस शुरू हुई।

दोनों के बीच बहस जोर पकड़ने लगी और दोनों एक-दूसरे पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग भी करने लगे। स्थिति तब गंभीर हो गई जब दोनों कर्मी एक दूसरे को थप्पड़ मारने की कोशिश की और इसी बीच मौका मिलते ही चप्पल भी चला दी गई।

जिस वक्त कार्यालय में यह घटना हुई उस समय अंचलाधिकारी अंकु गुप्त कार्यालय में नहीं थी। बाद में वहां मौजूद कर्मियों ने अंचलाधिकारी के आने तक पूरे मामले में कार्रवाई की बात कहकर किसी प्रकार बीच-बचाव किया।

प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जमुई पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत इनपे के समीप एक आवासीय मकान में योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। इस त्वरित कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो धंधेबाजों को रंगेहाथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि इनपे के पास स्थित एक मकान को गुप्त ठिकाना बनाकर प्रतिबंधित कफ सिरप का बड़े पैमाने पर अवैध भंडारण किया जा रहा है, जिसे नशे के रूप में खपाने की तैयारी थी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित रणनीति बनाई और संबंधित मकान की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कमरों में छुपाकर रखी गई प्रतिबंधित कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद होते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने बरामद प्रतिबंधित कफ सिरप को विधिवत जब्त कर लिया है और मौके से गिरफ्तार दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर नगर थाने में गहन पूछताछ की जा रही है।

दलीप ट्रॉफी में वैभव ने 7 चौके...7 छक्के जड़े

57 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा?

बंगलूरू (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के वैभव सूर्यवंशी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 81 गेंद में 92 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने सात चौके और सात छक्के लगाए। इस दौरान वैभव ने दलीप ट्रॉफी में पिछले 57 साल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और लक्ष्मण सिंह को पीछे छोड़ा।

दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी का कहर देखने को मिला है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे हैं। उन्होंने 81 गेंद में सात चौके और सात छक्के की मदद से 92 रन की पारी खेली और शतक से चूक गए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 113.58 का रहा। इस पारी के साथ ही वैभव ने 57 साल पुराना भारतीय घरेलू क्रिकेट का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। साथ ही अफगानिस्तान की टीम को आगामी टी20 सीरीज से पहले चेतावनी भी दी है।

ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन का था मुकाबला

दरअसल, बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा था। सेंट्रल जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 266 रन बनाए। जवाब में ईस्ट जोन की पहली पारी जारी है। टीम ने 161 रन पर दो विकेट गंवाए। ईस्ट जोन के लिए अभिमन्यू ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी के लिए उतरे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 161 रन की साझेदारी निभाई। वैभव ने सेंट्रल जोन के गेंदबाज आर्यन पांडेय, यश ठाकुर, अरशद खान और सारांश जैन की जमकर धुनाई की। हालांकि, वह हर्ष दुबे की गेंद पर अरशद को कैच थमा बैठे। हर्ष ने फिर कुमार कुशाग्र का भी विकेट लिया। कुशाग्र खाता नहीं खोल सके। खबर लिखे जाने तक ईश्वरन अर्धशतक लगाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, उनके साथ सुदीप कुमार घरामी क्रीज पर हैं।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज से बाहर

जांघ में चोट है; अक्टूबर में टेस्ट सीरीज खेलना संदिग्ध

सिडनी(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। उनकी दाएं पैर की जांघ (हैमस्ट्रिंग) में चोट लगी है। रबाडा की चोट का असर साउथ अफ्रीका के वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप टाइटल के बचाव अभियान पर पड़ सकता है। क्योंकि, रबाडा के अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया से होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर संदेह है। अफ्रीकी भाषा की वेबसाइट रैपोर्ट ने रबाडा के लायंस टीम के बॉलिंग कोच एलन डोनाल्ड के हवाले से चोट को लेकर नई जानकारी दी है। 21 अगस्त को क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने बताया था कि इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान रबाडा चोटिल हो गए।

दावा- 9-10 हफ्ते मैदान से बाहर रहेंगे

अफ्रीकी वेबसाइट से कोच ने कहा– 'हमारे फिजियो ने बताया है कि दाईं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड–3 टियर के कारण वे 9 या 10 हफ्ते बाहर रहेंगे।' अगर यह जानकारी सही है, तो रबाडा अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका के तीनों या ज्यादातर टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। 21 अगस्त से 10 हफ्ते 16 अक्टूबर को पूरे होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को खेले जाएंगे।

यूएस ओपन-24 ग्रैंड स्लैम चैंपियन

जोकोविच पहले राउंड में बाहर

- मैच में उल्टी हुई, दवा ली, 49वीं रैंकिंग प्लेयर मारियानो ने 4.36 घंटे में हराया

यूएस (एजेंसी)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर-49 मारियानो नवोने ने पांच सेट के मुकाबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया।

इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके।यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच रहा। 39 साल के जोकोविच ने शुरुआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहली बार पहले राउंड में हारे

जोकोविच के लिए यह यूएस ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वे टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वे कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे।जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार है,जब वे किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं।

मैच के दौरान तबीयत बिगड़ी

जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इनहेलर का इस्तेमाल किया और दवा भी ली। इसके अलावा, वे बार-बार स्ट्रेचिंग करते नजर आए। साथ ही पीठ और पैर में परेशानी से जूझते दिखे।

मारियानो नावोने अर्जेंटीना के एक पेशेवर टेनिस

खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 27 फरवरी 2001 को हुआ था। नावोने ने तीन साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2024 फ्रेंच ओपन में नावोने को 31वीं वरीयता दी गई थी, उसी से उन्होंने ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया।

मेदवेदेव यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

डेनियल मेदवेदेव ने स ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2 घंटे 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी वाइल्ड कार्ड सेबेस्टियन गोर्जनी और राफेल कोलिग्नन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

एशिया कप में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

- महिला टी20 क्रिकेट में टॉप विकेटकर बनीं
- भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 94 रनों से हराया। भारत के लिए इस मैच में शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने विमेंस टी-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। 150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा।

भारत ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी। उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए। इससे पहले टीम की टॉप–3 बैटर्स ने 105 रन बनाए। इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिका रावल के 22 रन शामिल रहे। थाईलैंड की ओर से सुलेपॉर्न लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड और नंदनी शर्मा।

थाईलैंड- अपिसरा सुवानचोनराठी, फन्निता माया, नन्नापत कोनचारोएनकाई (विकेटकीपर), नत्थाकन चन्थम, चनिदा सुथिरुआंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉर्न लाओमी, नन्नाफट चाइहान, सुनीदा चतुरोंगरत्तना, ओननिचा कामचोम्फू और थिपाचा पुथावोंग (कप्तान)।

इंडिया टीम के कैप्टन को हिमाचल में मान्यता नहीं

स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने शब्द के सर्टिफिकेट ठुकराए; नेशनल वैलिड, इंटरनेशनल नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में खेल प्रतिभाओं को लेकर स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट का एक अजीब नियम चर्चा में है। वॉलीबॉल में नेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को सरकारी नौकरी के लिए मान्यता दी जा रही है, जबकि इंटरनेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को मान्य नहीं माना जा रहा।

यानी जिस खिलाड़ी ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला, उसके इंटरनेशनल सर्टिफिकेट की खेल विभाग की नजर में कोई मान्यता नहीं है। इस नियम को लेकर खेल विभाग की कार्यप्रणाली और स्पोर्ट्स पॉलिसी पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, हिमाचल के बिलासपुर जिला के 17 वर्षीय होनहार वॉलीबॉल खिलाड़ी शब्द गौतम ने छोटी उम्र में ही देश के लिए चार इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। चीन में तीन दिन पहले संपन्न अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर खेलकर लौटे हैं। फिर भी हिमाचल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की नजरों में वर्ल्ड चैंपियनशिप का सर्टिफिकेट सरकारी नौकरी के लिए मान्य नहीं है।

बीसीसीआई ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर टीमों से राय मांगी

10 फ्रेंचाइजियों के जवाबों से तय होगा, आईपीएल 2027 में नियम बदलेगा या नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों से राय मांगी है। टीमों को सोमवार, 31 अगस्त तक अपनी राय देने को कहा गया है। कुछ महीने पहले बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने संकेत दिया था कि आईपीएल 2026 के बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेंचाइजियों से क्रिकेट संचालन से जुड़े कई मुद्दों पर सुझाव मांगे गए हैं। इनमें इम्पैक्ट प्लेयर नियम के अलावा पीएमओए, अंपायरिंग, प्रैक्टिस सेशन और खेलने की शर्तें भी शामिल हैं। हालांकि, इम्पैक्ट प्लेयर नियम सबसे अहम मुद्दा बना हुआ है।

रोहित-विराट समेत कई खिलाड़ी कर चुके विरोध- इम्पैक्ट प्लेयर नियम की रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत कई प्रमुख भारतीय क्रिकेटर आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि इससे गेंदबाजों की भूमिका और टी-20 क्रिकेट में बल्ले-बॉल के संतुलन पर असर पड़ता है।

हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मई में नियम का बचाव किया था। उन्होंने आईपीएल में कम स्कोर वाले मैचों का उदाहरण देते हुए कहा था कि सभी मुकाबले हाई-स्कोरिंग नहीं रहे और गेंदबाजों को भी अच्छी विकेट मिली हैं।सैकिया ने कहा था, सब कुछ हो रहा है,यह एक पैकेज में पूरा गुलदस्ता है।

फ्रेंचाइजियों की राय के बाद होगा फैसला

सैकिया ने हाल ही में कहा था कि अगर फ्रेंचाइजियां इस नियम को लेकर चिंता जताती हैं, तो बोर्ड इस पर दोबारा विचार करने के लिए तैयार रहेगा। अब सभी 10 टीमों से राय मिलने के बाद बीसीसीआई इन सुझावों की समीक्षा करेगा। बोर्ड इसके आधार पर तय करेगा कि आईपीएल 2027 से पहले इम्पैक्ट प्लेयर नियम में किसी बदलाव की जरूरत है या नहीं। फिलहाल नियम लागू है, लेकिन फ्रेंचाइजियों की राय अगले सीजन में इसके भविष्य को लेकर अहम हो सकती है।

भारत–बांग्लादेश सीरीज के लिए नई तारीख तलाश रहे बीसीसीआई–बीसीबी

अगस्त-सितंबर के 3 वनडे और 3 टी-20 फिलहाल टले

नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमिम इकबाल ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भारत को अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टाल दी गई है।

तमिम ने यूट्यूब चैनल 'नॉट आउट नोमान' से कहा, भारत सीरीज नहीं होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है।

दोनों बोर्ड सीरीज कराने के लिए बातचीत में जुटे

तमिम ने कहा, मैं आपको एक छोटी जानकारी देना चाहता हूं। दोनों बोर्ड इस सीरीज को कराने को लेकर बहुत गंभीर हैं। बीसीसीआई और बीसीबी दोनों नई तारीख तलाश रहे हैं कि इसे कब कराया जा सकता है।उन्होंने आगे कहा, हम लगभग एक तारीख को लेकर भी सोच रहे हैं कि क्या उस समय सीरीज हो सकती है या नहीं। अगर मुझे लगता कि मंशा नकारात्मक है, तो आज मैं आपसे यह नहीं कहता कि देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है।उन्होंने कहा, मंशा अच्छी है और हम लगातार बातचीत कर रहे हैं। तारीखों पर भी काम किया जा रहा है, क्योंकि बांग्लादेश भी व्यस्त है और भारत भी व्यस्त है।

सीरीज 2024 में होनी थी- दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई और बीसीबी के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। सुरक्षा बड़ा इश्यू- तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की।

उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरने पर सीरीज संभव- भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरते हैं, तो मैच का रास्ता साफ होगा।

मुस्तफिजुर के हटाने पर रिश्तों में तनाव– आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के कहने पर बांग्लादेश के ऑलराउंडर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटा दिया था।इसके बाद अमीनुल इस्लाम की अगुआई में बीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया था। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर की थी।

पाकिस्तान लॉर्ड्स में 16 साल बाद टेस्ट मैच हारा

इंग्लैंड 194 रन से जीता, रॉबिन्सन को 8 विकेट; सीरीज में 2-0 की बढ़त

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को लॉर्ड्स टेस्ट में 194 रन से हरा दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पाकिस्तान 389 रन का पीछा करते हुए चौथे दिन 194 रन पर ऑलआउट हो गया।

सऊद शकील ने पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 97 रन बनाए। ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4 विकेट लिए और मैच में कुल 8 विकेट हासिल किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।पाकिस्तान 2010 के बाद पहली बार लॉर्ड्स में हारा। इससे पहले टीम ने 2016 और 2018 में यहां लगातार दो टेस्ट जीते थे। इंग्लैंड में पाकिस्तान की आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 1996 में आई थी।

14 रन पर 3 विकेट गंवाए– पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 14 रन पर ही अजान अवैस, अब्दुल्ला शफीक और बाबर आजम के विकेट गंवा दिए। बाबर 8 गेंदों पर 6 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद सऊद शकील और शान मसूद ने पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की और करीब चार घंटे तक इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया।

शकील ने 54 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, जोश टंग की शॉर्ट गेंद पर डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर 97 रन पर आउट हो गए।

रॉबिन्सन ने 8 विकेट लिए– ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4/24 का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले टेस्ट की पारी में भी 4 विकेट लिए थे, यानी मैच में उनके नाम 8 विकेट रहे। जोफ्रा आर्चर ने दूसरी पारी में 2 और जोश टंग ने 3 विकेट लिए। रॉबिन्सन ने इस प्रदर्शन के साथ टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड भी बनाया। 23 टेस्ट में उनके 99 विकेट हो गए हैं और उनका गेंदबाजी औसत करीब 19.5 है, जो पिछले 100 साल में कम से कम 20 टेस्ट खेलने वाले गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के 19.79 के औसत से बेहतर है।

अब्बास ने लॉर्ड्स में पहली बार 5 विकेट लिए– पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास ने दूसरी पारी में 22 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट लिए थे, यानी मैच में उनके नाम 9 विकेट रहे।36 साल 173 दिन की उम्र में 5 विकेट लेकर अब्बास लॉर्ड्स में टेस्ट की एक पारी में ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज एशियाई गेंदबाज बन गए। उन्होंने भारत के वीनू मांकड़ का 74 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। मांकड़ ने 1952 में 35 साल 71 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3–1 (9–11, 11–4, 11–5, 11–6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3–1 (11–8, 4–11, 13–11, 11–9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11–9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11–8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11–4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत परिवार में मचा कोहराम

मेदिनीनगर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बरांव में रविवार की रात सड़क हादसे में 34 वर्षीय युवक सीता राम की मौत हो गई। मृतक ओढ़नार टोला जोगियाहा गांव निवासी सहदेव राम का पुत्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीता राम पूर्वडीहा से काम कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान बरांव स्थित एक्सिस बैंक के पास उसकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस हादसे के कारणों और टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है।

नये मतदाताओं को जोड़ने में प्राचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण : उपायुक्त

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर +2 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक, ईएलसी को सक्रिय करने पर जोर

मेदिनगर (पलामू), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (र.कफ) कार्यक्रम को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को पलामू समाहरणालय सभाकक्ष में जिले के +2 उच्च विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी उदय रजक, जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार सहित विभिन्न +2 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य शामिल हुए।बैठक के दौरान उपस्थित प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों को नए मतदाताओं के निबंधन, मतदाता सूची में शिफ्टिंग तथा एउक्छएळ ऐप के उपयोग से संबंधित विभिन्न जागरूकता वीडियो दिखाकर आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही, युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने एवं मतदाता सूची को अधिक सुदृढ़ बनाने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा की गयी। इस अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी समाज में जागरूकता फैलाने के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। बच्चों की रचनात्मकता का उपयोग करते हुए विभिन्न गतिविधियों, जागरूकता कार्यक्रमों एवं अभिनव प्रयासों के माध्यम से युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जाए।उन्होंने कहा कि जिले में वर्तमान में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को विभिन्न निर्वाचन प्रपत्रों के सही इस्तेमाल एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा स्थानांतरण से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि वे अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी सही जानकारी दे सकें। उपायुक्त शेखावत ने सभी प्राचार्यों से आवश्यकता के अनुसार अभिभावकों के साथ बैठक आयोजित कर नए मतदाताओं को जोड़ने तथा र.कफ के कार्यों में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में गठित इलेक्ट्रॉनिक लिटरेसी क्लब (एछउ) को सक्रिय करते हुए युवा एवं भावी मतदाताओं के बीच निर्वाचन संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में यह भी कहा गया कि 01 अक्टूबर 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं का मतदाता सूची में निबंधन सुनिश्चित कराने के लिए संस्थान स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। प्राचार्य अपने संस्थानों के विद्यार्थियों को अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे पात्र नागरिकों की पहचान करने और उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें।

इनमोसा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित, संगठन को मजबूत और एकजुट बनाने पर जोर

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सीसीएल के गिद्दी ए रेस्ट हाउस में रविवार को इनमोसा (इंडियन नेशनल माइन सेफ्टी एवं सुपरवाइजरी स्टाफ) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रशांत बेलथरिया ने की, जबकि संचालन क्षेत्रीय सचिव मधुसूदन सिंह ने किया। बैठक में संगठन सचिव अवधेश सिंह, सीसीएल अध्यक्ष रामराज सिंह, सीआईएल कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार सिंह सहित बरकासयाल, कुजू और अरगड्डा क्षेत्र के पदाधिकारी तथा विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत, एकजुट एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने संगठन में चल रही समस्याओं और आपसी विरोधाभासों को दूर कर संगठनात्मक एकता मजबूत करने पर जोर दिया। वहीं, संगठन के नवीनीकरण, पंजीकरण सहित अन्य संगठनात्मक प्रक्रियाओं को दुरुस्त एवं व्यवस्थित करने पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की मजबूती, पारदर्शिता और एकता के लिए मिलजुलकर कार्य करने का संकल्प लिया। मौके पर हरेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह, सुधीर सिंह, प्रदीप सिंह, प्रदीप राम, विनोद कुमार, राजेश सिंह, नारायण प्रसाद, निकेश सिंह, सोनू ठाकुर, विकास कांत सिन्हा, शशांक सिंह, लालधारी गंझू, सैफुल्ला, पवन कुमार, राधेश्याम पाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भगत सिंह चौक सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की नयी कमेटी गठित

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भगत सिंह चौक स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की वर्ष 2026 के लिए नयी कमेटी का गठन किया गया. इसे लेकर स्थानीय राजस्थान भवन में समिति की बैठक संरक्षक परिमल चंद्र घोष की अध्यक्षता में हुई. बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का गठन किया गया. समिति के सदस्यों ने इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य और आकर्षक बनाने का संकल्प लिया. नयी कमेटी में रूपेश जायसवाल को अध्यक्ष, शैलेंद्र मांझी को कार्यकारी अध्यक्ष, अमित जायसवाल को सचिव और पंकज लाल को सह सचिव बनाया गया है. वहीं, संजय गुप्ता और सुयश सुमन को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गयी है. आकाश गोप, नीलकमल महतो, शिव रजक, पुनीत जायसवाल, पीयूष कुमार और जगदीश कुमार गुप्ता को मंत्री बनाया गया है. रोहित जैन को कोषाध्यक्ष, बाबू सोनी और पंकज चौरसिया को पूजा प्रभारी तथा रितेश जायसवाल, शरद दास और सुमित मिश्रा को मीडिया प्रभारी बनाया गया है. विद्युत साज-सज्जा की जिम्मेदारी अवधेश चौरसिया को और पंडाल व्यवस्था की जिम्मेदारी शैलेंद्र मांझी को सौंपी गयी है.

समिति के उपाध्यक्ष के रूप में अमित जैन, गौतम धान, अरविंद मिश्रा, हिमांशु चौधरी, दिलीप कुमार गुप्ता, भोला गुप्ता, रवि प्रकाश और मोनी जैन को शामिल किया गया है. संगठन मंत्री के रूप में राहुल चौरसिया, रोशन कुमार, कुंदन ठाकुर, प्रवीण गोप, प्रशांत लाल और पृथ्वीराज को जिम्मेदारी दी गयी है. लॉटरी प्रभारी के रूप में राजेश कुमार, विजय सोमानी, देवव्रत दास, रितेश जायसवाल, कुंदन ठाकुर, अमर कुमार और शरद दास को जिम्मेदारी मिली है. हौजी प्रभारी शंकर घोष और रूपेश जायसवाल होंगे. एलईडी स्क्रीन प्रभारी पृथ्वीराज, अमित साहू, मनीष सोमानी, सुयश सुमन और हिमांशु चौधरी बनाये गये हैं. समिति में 100 कार्यकारी सदस्यों को भी शामिल किया गया है. बैठक में संरक्षक मंडल और संयोजक मंडल का भी गठन किया गया.

पंखा लगाने के दौरान करंट की चपेट में आया युवक, मौत

एकमा (सारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा थाना क्षेत्र के माने गांव में सोमवार की रात करंट लगने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान माने गांव निवासी स्वामीनाथ साह के पुत्र राजू कुमार साह के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई, वहीं गांव में मातम पसर गया।

बताया गया कि राजू कुमार घर की गैलरी में स्टैंड पंखा लगाकर सो रहा था। पंखा घुमाने के दौरान उसमें अचानक बिजली का करंट प्रवाहित हो गया, जिसकी चपेट में आने से राजू गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया।

मृतक की 10 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी ने बताया कि घटना के समय उसका भाई घर में अकेले सो रहा था। उसके पिता स्वामीनाथ प्रसाद और मां मुन्ना देवी करीब एक सप्ताह पूर्व इलाज के लिए दिल्ली गए हैं।

वहीं छोटा भाई सुमित कुमार (20) गुजरात में रहकर एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। राजू चार बहनों के बीच सबसे बड़े भाई थे।

उनकी बहनों में सलौनी कुमारी, चांदनी कुमारी, नंदनी कुमारी और अंजनी कुमारी शामिल हैं। युवक की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुंडी प्रोजेक्ट में दो सीसीएल कर्मी हुए सेवानिवृत्त, दी गई भावभीनी विदाई

अधिकारियों व सहकर्मियों ने अंगवस्त्र व माला पहनाकर किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुज्जू/रामगढ़। मांडू अंचल क्षेत्र के अंतर्गत पुंडी प्रोजेक्ट में सोमवार को दो सीसीएल कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता सिस्टा के कोषाध्यक्ष इलारुष उरांव ने की, जबकि संचालन जनता मजदूर संघ शाखा सचिव सह सिस्टा के क्षेत्रीय सचिव ब्रह्मदेव राम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्युत एवं यांत्रिक अभियंता ईश्वर रविदास एवं शमशाद अली मौजूद रहे। इस दौरान परियोजना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यांत्रिक एवं विद्युत विभाग के सावना मांझी तथा एग्जीबिशन विभाग के मोहम्मद अशरफ को भावभीनी विदाई दी। उपस्थित लोगों ने दोनों के स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वक्ताओं ने कहा कि दोनों कर्मियों ने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कंपनी की सेवा की। कंपनी के प्रति उनका योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा। सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए सेवानिवृत्त कर्मियों के सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। मौके पर राजेश चंद्र, ब्रह्मदेव राम (फोरमैन इंचार्ज), जयदेव मुखर्जी, भागीरथ, इलारुष उरांव, डालचंद महतो, उमेश बेसरा, हीरालाल मुर्मू, आजाद मांझी, शूकरमनी देवी, रतनी देवी, देवनारायण मांझी, टिकेंद्र महतो एवं मोहन कुमार बेदिया सहित अन्य मौजूद थे। सभी ने सेवानिवृत्त कर्मियों को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया और उपहार देकर विदाई दी। साथ ही उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

गायक मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर सजी संगीत संध्या

कलाकारों ने सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर महान गायक को दी श्रद्धांजलि

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हिंदी सिनेमा के महान पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर की 50वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को थाना चौक स्थित रोटरी क्लब सभागार में विशेष संगीतमय कार्यक्रम मुकेश के नाम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ एवं स्वरांजलि क्लासिकल सूफियाना व बिनाका गीतमाला के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गीता सिंह मां, रोटरी क्लब अध्यक्ष राजेश कुमार मोदी एवं सचिव आशीष दास ने दीप प्रज्वलित कर तथा मुकेश के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। विभिन्न प्रदेशों से पहुंचे गायक-गायिकाओं एवं संगीतकारों ने मुकेश के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथियों ने कहा कि मुकेश की आवाज में सादगी, संवेदना और आत्मीयता का अद्भुत संगम था। यही कारण है कि उनकी गायिकी आज भी श्रोताओं के दिलों को छूती है। उनके गीत भावनाओं को सीधे लोगों के हृदय तक पहुंचाते हैं और आने वाली पीढ़ियां भी उनकी संगीत साधना को याद करती रहेंगी। संगीत संध्या में आलिया आनंद ने नृत्य की प्रस्तुति दी, जबकि गायक अभय पॉल, केदार सिंह और तबलावादक सॉकेट बनर्जी ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। स्वरांजलि क्लासिकल सूफियाना एवं बिनाका गीतमाला के कलाकारों ने दीवानों से यह मत पूछो, जाने कहां गए वो दिन, जीना यहां मरना यहां और एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। गीतों की प्रस्तुति से सभागार में मौजूद संगीत प्रेमी भाव-विभोर हो गए। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को मुकेश की कालजयी गायिकी, शास्त्रीय-सूफियाना संगीत और उनकी संगीत साधना से परिचित कराना है। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार राय, कमलेश्वर सिंह, अमरेश गणक, सुरेश बौंदिया, राहुल जैन पाटनी, संजय जैन, जयता दास, विद्या बौंदिया, आशा सिंह, नरेश पासवान सहित बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद थे।

एच.एन. से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद

बच्चों की स्वास्थ्य जांच में तेजी और अस्पतालों में विशेष पृथक वार्ड तैयार रखने का निर्देश

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में मौसमी इन्फ्लुएंजा एवं एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) संक्रमण की संभावित स्थिति से निपटने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार एवं जिला महामारी विशेषज्ञ की टीम ने जिले के स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें चिह्नित विद्यालयों और स्थलों पर जाकर बच्चों एवं अभिभावकों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करेंगी। स्वास्थ्य शिविरों के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने को कहा गया है।

वहीं, संबंधित विद्यालयों में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविरों में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, आरबीएसके के अनुसार बच्चों के आंकड़ों की जांच कर चिह्नित बच्चों को उपलब्ध कराए गए उपचार, आवश्यक सुविधाओं एवं नियमानुसार मिलने वाले पोषाहार की नियमित निगरानी करने को कहा गया है।एच1एन1 सहित संक्रामक रोगों से निपटने के लिए जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने सभी प्रखंड

चिकित्सा पदाधिकारियों एवं अस्पताल प्रभारियों को सामान्य वार्ड से अलग विशेष पृथक वार्ड तैयार रखने का निर्देश दिया है। वार्ड में जीवनरक्षक दवाएं, चिकित्सा उपकरण एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा गया है। स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों को एच1एन1 की पहचान, रोकथाम, संक्रमण नियंत्रण, नमूना संग्रह, मरीजों को उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेजने और उपचार संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण में संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सूचना देने पर जोर दिया गया।

सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को एच1एन1 के संभावित मामलों को लेकर सतर्क रहने तथा आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध मामलों की शीघ्र पहचान, समय पर सूचना और उचित उपचार से संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

खूँटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खनिज पदार्थों के अवैध खनन, अवैध भंडारण एवं अवैध परिवहन की रोकथाम को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने, अवैध खनन स्थलों की पहचान कर संयुक्त रूप से कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला खनन टास्क फोर्स आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखे। पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड नियमित रूप से कार्रवाई करे। अवैध क्रशर संचालन, इट भट्ठा संचालन समेत अन्य की जाँच कर कार्रवाई करें। उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही बालू सहित अन्य खनिजों के अवैध खनन, अवैध भंडारण एवं अवैध परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने हेतु निरंतर कार्रवाई की जाए।

उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में बालू घाट पूर्णतः बंद हैं, ऐसे में यह सुनिश्चि.त किया जाए कि किसी भी परिस्थिति में बालू घाटों से खनन, भंडारण अथवा परिवहन न हो। साथ ही सभी स्टॉक का नियमित मिलान भी किया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री ऋषभ गर्ग ने सभी थाना प्रभारियों को नियमित जांच अभियान चलाने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, सभी थाना प्रभारी, सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसपी ने किया यातायात थाना का वार्षिक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुयानत का यातायात थाना में स्वागत किया गया। इसके बाद एसपी ने रामगढ़ यातायात थाना का वार्षिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव, मोटर वाहन अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाई एवं यातायात प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की। एसपी ने जिले में सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने तथा नियमों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रवर्तन पर विशेष जोर दिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया खेलों को बढ़ावा देने का संकल्प

कुज्जू/रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कुज्जू क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़की डुंडी में सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने की। प्रधानाध्यापक ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए खेलों को बढ़ावा देना आवश्यक है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के देश के भावी कर्णधार हैं। इसलिए उन्हें केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर बदलती परिस्थितियों से परिचित कराना भी जरूरी है।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और बढ़ती जागरूकता से विद्यालय में सीखने का माहौल सकारात्मक और प्रभावी बना है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाकर उन्हें जिम्मेदार एवं सजग नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़की टुंडी में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़की टुंडी राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रधानाध्यापक सुनील कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के लिए खेल बढ़ावा देना आवश्यक है खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना, नेतृत्व और सहयोग की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

आज के विद्यार्थी ही कल के देश के भावी कर्णधार हैं, इसलिए उन्हें केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर दुनिया की बदलती परिस्थितियों से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है, छात्रों की सक्रिय भागीदारी और बढ़ती जागरूकता से विद्यालय में सीखने का माहौल बेहद प्रभावी और सकारात्मक बना है।

कुल मिलाकर यह प्रयास विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और जागरूकता जगाकर उन्हें भविष्य का एक जिम्मेदार एवं सजग नागरिक बनाने में बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है वही कृष्ण कुमार महतो ने खेल दिवस के अवसर पर कहां खेल एक जीवन का अंग है खेल के बिना जीवन अधूरा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सभी शिक्षक,सदस्य, छात्र छात्राओं एवं बुद्धिजीवी लोग शामिल रहे।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड विनोद बिहारी कोयलांचल युनिवर्सिटी के अपोजिट सड़क किनारे पेड़ से लटका एक युवक का शव मिलने क्षेत्र में सनसनी फैल गई युवक की पहचान ठाकुरकुल्ही आंगन बाड़ी के समीप रहने वाले राकेश कुमार वर्मा उर्फ आकाश वर्मा 26 वर्षीय के रूप में हुई है। मृतक मजदुरी का काम करता था घर से काम करने को लेकर बोल कर निकला था पुलिस द्वारा परिजनों को सुचना दिए जाने के बाद मृतक के दोनों भाई घटना स्थल पर पहुंच कर शव की शिनाख्त की। मृतक चार भाई है। और तीसरे नंबर का था पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं की मानें तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल पायगा

पुतला दहन को लेकर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। युवा कांग्रेस के प्रस्तावित पुतला दहन कार्यक्रम को लेकर सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय के बाहर तनाव की स्थिति बन गई। युवा कांग्रेस के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मनुस्मृति का पुतला दहन करने की घोषणा की गई थी। इसे देखते हुए भाजपा जिला कार्यालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी कार्यालय पहुंच गए। इसी दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव और जिलाध्यक्ष आदित्य समेत कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय की ओर पहुंचे। इसके बाद सड़क पर ही दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हाथ से प्रधानमंत्री का पुतला छीन लिया। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस ने मोर्चा संभाला और दोनों पक्षों को अलग किया। पुलिस ने युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव, जिलाध्यक्ष आदित्य समेत तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मौके से वापस भेज दिया। फिलहाल भाजपा कार्यालय के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

महिला व पुरुष अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को को होमगार्ड बहाली के अंतर्गत शहरी तकनीकी मेधा सूची क्रमांक 1 से 24 तक की महिला अभ्यर्थी एवं मेधा सूची क्रमांक 116 से 201 तक के पुरुष अभ्यर्थी का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि आज शहरी तकनीकी मेधा सूची क्रमांक 1 से 24 तक की महिला अभ्यर्थी एवं मेधा सूची क्रमांक 116 से 201 तक के पुरुष अभ्यर्थी का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया। जबकि छूटे हुए अभ्यर्थियों को 01 सितंबर 2026 को मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी बिचौलिया किसी भी अभ्यर्थी को राशि लेकर उनका काम कराने का प्रलोभन देता है तो अभ्यर्थी सीधे होमगार्ड डीएसपी के मोबाइल नंबर 6299226344 पर संपर्क करें। साथ में उन्होंने अभ्यर्थियों से किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री के सलाहकार पहुंचे धनबाद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे। इस दौरान दुर्गापुर के काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। दो दिवसीय दौरे के दौरान वे बीसीसीएल की विभिन्न खनन परियोजनाओं, अग्नि प्रभावित क्षेत्रों, पुनर्वास स्थलों का निरीक्षण करने के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। वहीं दुर्गापुर एयरपोर्ट से निकलने के बाद तरुण कपूर ने मैथन स्थित प्रसिद्ध मां कल्याणेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की। जिसके बाद उन्होंने कोयला भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बीसीसीएल के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। श्री कपूर मुनीडीह क्षेत्र में संचालित कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट एवं लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। कुसुंडा क्षेत्र के एना फायर प्रोजेक्ट का दौरा कर वहां उच्च जोखिम वाले स्थलों से प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद करेंगे। वहीं मंगलवार, 01 सितंबर 2026 को झरिया मास्टर प्लान के तहत बेलगड़िया एवं करमाटांड़ स्थित पुनर्वास स्थलों का जायजा लेंगे।

समय का सही प्रबंधन ही बड़े लक्ष्य और सफलता की कुंजी : राजेंद्र कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 'समय प्रबंधन एवं बोर्ड परीक्षा 2027 की रणनीति' विषय पर एक दिवसीय विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता विद्यालय के चेयरमैन एवं पूर्व प्रशिक्षक (मानव संसाधन विकास सेल, सेल-बीएसएल) राजेंद्र कुमार रहे। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए राजेंद्र कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन केवल कठिन परिश्रम से नहीं, बल्कि व्यवस्थित दिनचर्या, सही प्राथमिकता और समय के सदुपयोग से संभव है। उन्होंने कहा, समय का सही प्रबंधन ही किसी भी बड़े लक्ष्य और सफलता की कुंजी है। सत्र में विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, दैनिक एवं साप्ताहिक अध्ययन योजना बनाने, कठिन और अधिक अंक वाले अध्यायों को प्राथमिकता देने तथा सोशल मीडिया और मोबाइल गेमिंग जैसे डिजिटल विकर्षणों से दूरी बनाने के सुझाव दिए गए।

विकसित भारत और वाटर बजट को लेकर पंचायत जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला

आदर्श पंचायत बनाने पर हुआ मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्राम पंचायतों के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास को गति देने के उद्देश्य से सोमवार को जैनामोड़ स्थित होटल स्वयंवर में 'बोकारो एक्शन प्लान' के तहत चयनित ग्राम पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्रदान एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से किया गया। कार्यशाला में विकसित ग्राम पंचायत प्लान और वाटर बजट की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई। पंचायतों को आदर्श एवं सतत विकास आधारित पंचायत के रूप में विकसित करने, स्थानीय जरूरतों के आधार पर प्राथमिकताएं तय करने और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया गया। प्रदान की पीयूषमई ने कहा कि पंचायत विकास योजना तभी प्रभावी होगी, जब इसमें ग्रामीणों की वास्तविक समस्याओं और प्राथमिकताओं को शामिल किया जाए। सारथी नेटवर्क एवं पंचसूत्रा फाउंडेशन के गुलाब चंद्र ने कहा कि पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका और सिंचाई जैसी समस्याओं की पहचान समुदाय की भागीदारी से होनी चाहिए। सहयोगिनी एवं सारथी नेटवर्क के गौतम सागर ने विकास योजनाओं को 'नीचे से ऊपर' की ओर तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से योजनाओं में स्थानीय जरूरतें बेहतर ढंग से शामिल होती हैं। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और नियमित समीक्षा को भी जरूरी बताया। सूरज सेन ने पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया की जानकारी दी, जबकि वेद प्रकाश ने विकसित ग्राम पंचायत प्लान और वाटर बजट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास केवल सड़क और भवन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण में सुधार भी इसका हिस्सा होना चाहिए। जल संरक्षण के लिए तालाबों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण पर भी जोर दिया गया। कार्यशाला में पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की समस्याएं और विकास की प्राथमिकताएं साझा कीं। मौके पर कल्याणी सागर, प्रकाश महतो, विजय कुमार जायसवाल, निहारिका सुकृति, सुमित्रा कुमारी, विनीता देवी, पुष्पा देवी, बबीता देवी, रेखा देवी, पंचानन महतो, सरिता देवी सहित अन्य उपस्थित रहे।

एसआईआर : डीसी ने बेरमो पश्चिमी पंचायत कार्यालय में अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई कार्य का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने एसआईआर-2026 के तहत बेरमो पश्चिमी पंचायत कार्यालय में अनमैप्ड मतदाताओं के लिए संचालित सुनवाई कार्य की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से सुनवाई की प्रक्रिया एवं अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा की उपस्थिति में एईआरओ-सह-अंचल अधिकारी संजीत कुमार एवं अतिरिक्त एईआरओ-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार द्वारा मतदान केंद्र संख्या 62 एवं 63 से संबंधित मतदाताओं अजोला खातून, हाजरा खातून एवं राजबाला के मामलों की सुनवाई की गई। संबंधित मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेज एवं अपना पक्ष प्रस्तुत करने के संबंध में जानकारी दी गई। मतदाताओं द्वारा पक्ष रखने एवं संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने पर सुनवाई पूरी की गई। एईआरओ द्वारा बताया गया कि बीएलओ के माध्यम से संबंधित अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस की जानकारी उपलब्ध कराते हुए एईआरओ के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए सूचित किया गया है। सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप जारी है। मौके पर एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी गण उपस्थित थे।

खुशी के इलाज को लेकर प्रकाशित खबर पर जिला प्रशासन ने दी सफाई

कहा- उपचार की पूरी व्यवस्था कराई गई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खुशी के इलाज को लेकर 31 अगस्त को प्रकाशित 'बोकारो प्रशासन ने किया इलाज का दावा, मां बोली- सिर्फ टिकट मिले' शीर्षक खबर पर जिला प्रशासन ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। प्रशासन ने कहा है कि जरूरतमंद बच्चे के इलाज की व्यवस्था करना किसी व्यक्ति विशेष का श्रेय नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक दायित्व है। प्रशासन ने यह भी कहा कि खबर प्रकाशित होने से पहले जिला जनसंपर्क कार्यालय से उसका पक्ष नहीं लिया गया था, इसलिए तथ्यों की पूरी स्थिति आम लोगों के सामने रखना आवश्यक है। प्रशासन के अनुसार, 30 जुलाई को आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से खुशी के मामले की जानकारी मिलने के बाद उपायुक्त ने तत्काल संज्ञान लिया और आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद 31 जुलाई को फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी और अनुमंडल अस्पताल बेरमो की टीम खुशी के घर पहुंची। टीम ने उसके स्वास्थ्य और चिकित्सकीय स्थिति की जानकारी लेकर मेडिकल रिपोर्ट तैयार की और रिपोर्ट सिविल सर्जन को भेजी। इसके बाद सिविल सर्जन, बोकारो ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम यानी आरबीएसके के तहत अमृता अस्पताल, कोच्चि से समन्वय स्थापित कर खुशी के उपचार की व्यवस्था कराई। प्रशासन का दावा है कि खुशी और उसकी मां के केरल आने-जाने की आवश्यक व्यवस्था भी कराई गई और इसके बाद उसका उपचार कराया गया। वहीं, प्रशासन ने 18 जुलाई को बोकारो में आयोजित 'गिफ्ट ऑफ लाइफ' स्वास्थ्य जांच शिविर का भी उल्लेख किया। शिविर में 259 बच्चों की हृदय संबंधी जांच की गई थी, जिनमें 40 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग या अन्य गंभीर हृदय संबंधी समस्या की पुष्टि हुई। प्रशासन के मुताबिक इन बच्चों को कार्यक्रम के तहत निःशुल्क उपचार और जरूरत पड़ने पर हृदय सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जानी है। जिला प्रशासन ने कहा कि खुशी के मामले में केवल यात्रा का टिकट उपलब्ध कराने और उपचार की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने की बात तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। प्रशासन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है।

> **शिविर में 259 बच्चों की हृदय संबंधी जांच की गई थी, जिनमें 40 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग या अन्य गंभीर हृदय संबंधी समस्या की पुष्टि हुई**

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बोकारो में खिलाड़ियों और खेल संघों का सम्मान

'खेलो बोकारो' अभियान एक माह और चलेगा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के तहत जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को खिलाड़ियों और विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल खेलों को याद करने का दिन नहीं, बल्कि बोकारो में खेल संस्कृति को मजबूत करने और हर व्यक्ति को खेल से जोड़ने का संकल्प लेने का अवसर है। उपायुक्त ने कहा कि खेल का मैदान कभी खाली नहीं रहना चाहिए। खेल संघों और प्रशिक्षकों की जिम्मेदारी है कि प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बोकारो में ताइक्वांडो, तीरंदाजी सहित विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि एक घंटा खेल के मैदान में अभियान के तहत 28 से 30 अगस्त के बीच लोगों से कम से कम एक घंटे खेल गतिविधि में शामिल होकर तस्वीर अपलोड करने की अपील की गई थी। अब तक 1,577 लोगों ने तस्वीरें अपलोड की हैं। अभियान को अब एक माह के लिए विस्तारित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि 'खेलो इंडिया' के साथ बोकारो का संदेश 'खेलो बोकारो' होना चाहिए। प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन ने कहा कि बोकारो में ताइक्वांडो, तीरंदाजी, क्रिकेट, बास्केटबॉल समेत विभिन्न खेलों में प्रतिभाएं मौजूद हैं। जरूरत है कि जमीनी स्तर पर इन प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में अवसर दिया जाए। जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने जिला प्रशासन की पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों को खेल गतिविधियों, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के आयोजन में योगदान के लिए मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दुबे, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

सीसीएल बी-एंड-के क्षेत्र में सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

सम्मान समारोह में शामिल हुए उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) बोकारो एवं करगली क्षेत्र द्वारा करगली गेस्ट हाउस में आयोजित मासिक सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह में कुल 10 सेवानिवृत्त कर्मियों को माला, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इनमें लगभग 37 वर्षों की दीर्घ एवं समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए एरिया अकाउंट ऑफिसर खुर्शीद अख्तर सहित अन्य कर्मी शामिल रहे। समारोह में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबे सेवाकाल में अर्जित अनुभव किसी भी संस्थान की अमूल्य पूंजी है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की सफलता के लिए मानव संसाधन प्रबंधन, कर्मचारी कल्याण एवं प्रभावी संवाद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना की। उपायुक्त ने कहा कि लंबे सेवाकाल के दौरान कर्मियों द्वारा संस्थान को दिया गया योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि जहां भी कार्य करें, पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। वहीं, महाप्रबंधक संजय झा ने कहा कि अनुभवी एवं समर्पित कर्मियों के सेवानिवृत्त होने से संस्थान को उनकी कमी महसूस होगी।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता एवं निवारक सतर्कता अभियान के तहत संवाद कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के सतर्कता विभाग द्वारा आगामी 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' तथा वर्तमान में संचालित 'तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान' के तहत आज प्रोजेक्ट डिवीजन के टेंडर एवं क्लेम्स विभाग के अधिकारियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट कमर्शियल) सहित टेंडर एवं क्लेम्स विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा सतर्कता विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर सतर्कता विभाग की ओर से उप महाप्रबंधक एवं सहायक महाप्रबंधक ने टेंडर एवं क्लेम्स विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया। चर्चा के दौरान टेंडर दस्तावेजों में संभावित अस्पष्टताओं की पहचान एवं निराकरण, कार्यों एवं दायित्वों की स्पष्टता, निर्णय लेने की प्रक्रिया में जवाबदेही तथा टेंडरिंग कमेटियों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा कई सुझाव एवं अनुभव साझा किए गए। यह संवाद कार्यक्रम संगठन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही की संस्कृति को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। इस पहल के माध्यम से प्रक्रियाओं में संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान करने, निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने तथा निवारक सतर्कता को कार्य-संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया गया। इस वर्ष की सतर्कता जागरूकता की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के अनुरूप आयोजित यह कार्यक्रम बीएसएल में सतर्क एवं नैतिक कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बहला फुसला कर भगाने का आरोपित गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के चास थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां ने 26 जून 2026 को चास मुफस्सिल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में करमागोड़ा निवासी मुकेश गोस्वामी पर उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया गया था। मामले में पुलिस ने बी एन एस की धारा 87 के तहत कांड दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पीड़िता को बरामद कर लिया।

कोयला भवन में सीआइएसएफ जवानों को साइबर अपराध से बचाव की दी गई जानकारी

साइबर ठगी के नए तरीकों से कराया गया अवगत, सतर्कता और सावधानी बरतने की अपील

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को कोयला भवन स्थित डाइमंड जुबली हॉल में साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में किया गया। इसमें सीआईएसएफ के अधिकारियों एवं जवानों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के डीआईजी राजीव मिश्रा, सीनियर कमांडेंट अजय सिंह, कमांडेंट अजय त्रिपाठी, एम.के. गुप्ता समेत बड़ी संख्या में सीआईएसएफ के पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। फर्जी कॉल, केवाईसी अपडेट, बैंक खाता बंद होने का डर दिखाकर ठगी, ओटीपी एवं यूपीआई पिन मांगना, फर्जी लिंक भेजना, ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बैंक, पुलिस या कोई भी सरकारी संस्था फोन पर ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन अथवा इंटरनेट बैंकिंग का पासवर्ड नहीं मांगती। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या अज्ञात व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप डाउनलोड करने से बचना चाहिए। साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल इसकी सूचना संबंधित बैंक तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर देनी चाहिए। शिविर के दौरान साइबर अपराध से बचाव के लिए मजबूत पासवर्ड रखने, दो-स्तरीय सुरक्षा अपनाने, सोशल मीडिया अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग मजबूत रखने तथा ऑनलाइन लेनदेन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई। शिविर मे मौजूद लोगों ने साइबर अपराध से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए उससे बचाव से सम्बन्धित कई सावल भी पूछे जिसके बारे मे ग्रामीण एसपी द्वारा उन्हे विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। ग्रामीण एसपी ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया जा सके।

बीएसएल में अगस्त माह के सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में आज सेवानिवृत्त हो रहे 26 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. अगस्त माह में संयंत्र से सेवानिवृत्त होने वाले इन कर्मियों में कुल 06 अधिशासी एवं 20 अनाधिशासी कर्मचारी शामिल हैं. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए. समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं. कार्यक्रम के दौरान सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमें संयंत्र के विकास में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया गया. इसी क्रम में मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) मनीष जलोटा, मुख्य महाप्रबंधक- प्रभारी (सेवाएँ) अरविंद कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम के सम्मान में आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक गण सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. इस समारोह में शीर्ष नेतृत्व ने संयंत्र की प्रगति में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके स्वस्थ्य व सुखद भावी जीवन की कामना की.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK